जबलपुर बुधवार 18 नवम्बर 2026 > कार्तिक शुक्ल पक्ष, नवमीं

वर्ष 32 अंक 139 मूल्य ₹3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत


सामाजिक दर्पण
स्वतंत्र मत
घटते जीवाश्म ईंधन के बीच स्वच्छ ऊर्जा की खोज

अब हर रोज दर्पण
▸▸ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 29.6°C
न्यूनतम तापमान 13.6 °C

सूर्योदय - 6.26 | सूर्यास्त - 5.25

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।


नौकरी छीनने के सरकारी फैसले के खिलाफ ... ▸▸ 4


श्रीदेवी सिर्फ एक ही हैं, तुम्हारी सुलु ... ▸▸ 7


मनु भाकर आईएसएसएफ एथलीट कमेटी ... ▸▸ 10

जान का खतरा था, इसलिए भारत छोड़ा



लंदन। पूर्व आईपीएल कमिश्नर ललित मोदी ने बताया, मैंने कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए भारत नहीं छोड़ा था, बल्कि मुझे 2010 में जान को खतरा था। बिना सूचना दिए मेरी सिक्योरिटी हटा दी गई थी। उन्होंने मंगलवार को लंदन से बयान जारी कर कहा, उस समय मेरे खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं थी। दर असल, मोदी पर आईपीएल में वित्तीय अनियमितताओं, मीडिया राइट्स की डील में कथित कमीशनखोरी, फ्रेंचाइजी की नीलामी में गड़बड़ी और विदेशी मुद्रा कानून के उल्लंघन के आरोप लगे थे। ललित उसके बाद से देश से बाहर हैं। अब वे भारतीय नहीं ब्रिटिश नागरिक हैं।

जनता के लिए खुलेगा केजरीवाल का शीशमहल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का सीएम कार्यकाल के दौरान मिला सरकारी आवास जिसे भाजपा ने शीशमहल कहा था अब जनता के लिए खोला जाएगा। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगले हफ्ते तक लोगों के लिए विजिट बुक करने की टिकटिंग सिस्टम शुरू होगा। पहले मीडिया के लिए टूर होंगे। इसके बाद आम लोग टिकट खरीदकर आवास का अंदरूनी हिस्सा देख सकेंगे।

दो बाइक्स की टक्कर में 3 की मौत

अनूपपुर। अनूपपुर में मंगलवार दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक बच्चे समेत 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 बच्चों समेत 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में एक युवक और एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे युवक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, हादसे में जान गंवाने वालों में छतई निवासी कुमान सिंह, निमहा निवासी रामसिंह गोंड़ और एक मासूम बच्चा शामिल है।

बीएसएफ जवान की बांग्लादेशी हिरासत से सुरक्षित वापसी हुई

नई दिल्ली/ढाका। गलती से बांग्लादेश की बॉर्डर में जा पहुंचे बीएसएफ जवान की सुरक्षित वापसी हो गई है। जवान को मंगलवार सुबह बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने हिरासत में ले लिया था। जवान की सुरक्षित वापसी के लिए फ्लैग मीटिंग हुई। इसके बाद बांग्लादेश ने भारतीय जवान को सुरक्षित भारतीय सेना के सुपुर्द कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ का यह जवान अनजाने में बांग्लादेश की सीमा में दाखिल हो गया था।

होर्मुज में एलपीजी टैंकर पर मिसाइल हमला

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में 16 नवंबर की शाम एक बड़ा सुरक्षा हादसा सामने आया है। पनामा का झंडा लगे एलपीजी टैंकर 'तारा गैस' को मिसाइल से निशाना बनाया गया। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार, 17 नवंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर पुष्टि की कि जहाज पर सवार कुल 25 क्रू सदस्यों में शामिल सभी 24 भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी को कोई चोट नहीं आई हैस लेकिन एक क्रू मेंबर लापता है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि भारत सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

'नरेंद्र मोदी बेहद सख्त इंसान'

क्वाड के मंच पर ट्रंप ने की प्रधानमंत्री की तारीफ

नई दिल्ली

मनीला में क्वाड नेताओं की बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। ट्रंप ने पीएम मोदी को बेहद सख्त इंसान बताया। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन के साथ मतभेदों, ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ संभावित मुलाकात को लेकर भी बयान दिया। क्वाड नेताओं के साथ मंच शेयर करते हुए ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ में कहा, 'वह बेहद सख्त इंसान हैं।' ट्रंप की यह टिप्पणी दोनों नेताओं की मुलाकात के दौरान सामने आई। चीन के साथ मतभेदों को लेकर पूछे गए सवाल पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इन मतभेदों को बहुत अच्छी तरह संभाला गया है। उन्होंने कहा, उन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह संभाला है। ये दो अलग-अलग राय हैं। ईरान के मुद्दे पर ट्रंप ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि अमेरिका इसे बेहद गंभीरता से लेता है। उन्होंने कहा, हम इसे बहुत गंभीरता से लेते हैं।



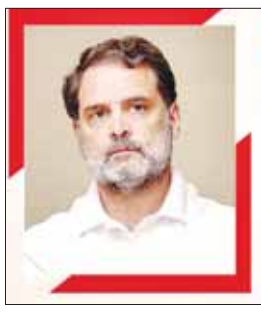
यही वजह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ संभावित बैठक को लेकर भी ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि किम जोंग उन उनसे मुलाकात करना चाहेंगे। ट्रंप ने कहा, किम जोंग उन मुलाकात करना चाहेंगे। देखते हैं आगे क्या होता है। फिलीपींस की राजधानी मनीला में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रेयर अर्थ मिनरल्स (दुर्लभ पृथ्वी खनिजों) के उत्पादन को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अभूतपूर्व स्तर पर रेयर अर्थ मिनरल्स का उत्पादन कर रहा है और अगले 10 महीनों के भीतर अपनी सभी जरूरतों को पूरा करने की स्थिति में होगा। ट्रंप ने कहा, हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। हम रेयर अर्थ मिनरल्स का उत्पादन उस स्तर पर कर रहे हैं, जिस स्तर पर हमने पहले कभी नहीं किया। अगले 10 महीनों में हम उनकी बराबरी कर लेंगे।

भारत और जापान का भी किया जिक्र

रेयर अर्थ मिनरल्स के उत्पादन को लेकर ट्रंप ने भारत और जापान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ-साथ दूसरे देश भी इस दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, वैसे वे भी उत्पादन कर रहे हैं। जापान कर रहा है, भारत कर रहा है और हम सभी यह काम कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, हमें जिस चीज की भी जरूरत होगी, वह अगले 10 महीनों में हमारे पास होगी। रेयर अर्थ मिनरल्स के मामले में हम बड़े पैमाने पर उत्पादन कर रहे हैं। हालांकि, ट्रंप ने अपने बयान में यह स्पष्ट नहीं किया कि अमेरिका अगले 10 महीनों में किस देश के उत्पादन स्तर की बराबरी करने की बात कर रहा है।

पीएम मोदी ने साझेदारी के महत्व पर दिया जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्वाड देशों के नेताओं के साथ बैठक में इस साझेदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए क्वाड एक रचनात्मक और भरोसेमंद साझेदारी है। पीएम मोदी ने कहा, भारत के लिए क्वाड एक रचनात्मक और विश्वसनीय साझेदारी है। समुद्री सुरक्षा से लेकर भरोसेमंद सप्लाई चेन, नई तकनीकों से लेकर आपदा प्रबंधन तक, हमारा हमेशा यही प्रयास रहा है कि क्वाड विश्वसनीय समाधान दे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में समुद्री सुरक्षा, मजबूत सप्लाई चेन, नई तकनीकों और आपदाओं से निपटने के लिए आपसी सहयोग को क्वाड साझेदारी के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में रेखांकित किया।



भाजपा और आरएसएस समर्थकों के दिलों में डर, गुस्से और नफरत का एक ऐसा जाल बुना हुआ है, जो उन्हें प्यार को महसूस करने और उसे जाहिर करने से रोकता है। एक सच्चे हिंदू के रूप में, मेरा यह कर्तव्य है कि मैं उन्हें इस जाल से मुक्त करूं।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

नफरत के जाल में फंसे समर्थक, प्यार करना भी सीखें

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तीखा पलटवार किया। यह प्रतिक्रिया तब आई जब उनके माता-पिता के बीच के स्नेहपूर्ण रिश्ते को लेकर की गई एक टिप्पणी के बाद उन्हें ऑनलाइन ट्रोल किया गया। राहुल गांधी अपनी मां और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के संस्मरण, 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भाजपा और आरएसएस समर्थकों के दिलों में डर, गुस्से और नफरत का एक ऐसा जाल बुना हुआ है, जो उन्हें प्यार को महसूस करने और उसे जाहिर करने से रोकता है। अपनी आलोचना को और विस्तार देते हुए, उन्होंने पारंपरिक मूल्यों पर आधारित अपने दार्शनिक मिशन पर जोर दिया। उन्होंने कहा, एक सच्चे हिंदू के रूप में, मेरा यह कर्तव्य है कि मैं उन्हें इस जाल से मुक्त करूं, ताकि वे भी अपने जीवन में प्रेम और अपनत्व की अद्भुत सुंदरता और आनंद का अनुभव कर सकें। सत्यम शिवम सुंदरम। ये टिप्पणियां नई दिल्ली में आयोजित संस्मरण के आधिकारिक विमोचन कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता के संबोधन के बाद आईं, जहां उन्होंने अपने माता-पिता के बीच के स्नेहपूर्ण पलों को याद किया। इससे पहले सोमवार को, अपने परिवार के बारे में बेहद निजी और भावुक बातें साझा करते हुए, गांधी ने अपने माता-पिता के बीच के गहरे प्रेम और पूर्व प्रधानमंत्री की दुखद हत्या के बाद आए अपार दुख के बारे में बात की।

ऑनलाइन ट्रोलिंग पर राहुल का भाजपा-आरएसएस पर हमला



उत्तराखंड में 2 सड़क हादसे, 13 की मौत

ऋषिकेश, रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड में मंगलवार सुबह दो सड़क हादसों में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 31 लोग घायल हुए हैं। पहला हादसा टिहरी जिले में ऋषिकेश-बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर गूलर के पास हुआ। यात्रियों से भरी बस करीब 100 मीटर नीचे नदी में गिर गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 साल की बच्ची समेत 25 लोग घायल हुए हैं। इससे पहले एम्स के डॉक्टरों ने 10 लोगों की मौत होने की जानकारी दी थी, लेकिन बाद में ढ्ढ्र गढ़वाल राजीव स्वरूप ने 9 मौतों की पुष्टि की। मुख्यमंत्री धामी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। साथ ही मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 1 लाख रुपए और सामान्य रूप से घायलों को 40 हजार रुपए की मदद की घोषणा की। दूसरा हादसा रुद्रप्रयाग की क्यूंजा घाटी में हुआ। यहां पोखरी से शादी समारोह से लौट रहे बारातियों की बोलेरो गाड़ी खाई में गिर गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 घायल हैं। इनमें से 5 की हालत गंभीर है। उन्हें श्रीनगर बेस अस्पताल रेफर किया गया है।

2028 के चुनाव के लिए कांग्रेस तैयार: सिंघार

ग्वालियर में संगठन सृजन कार्यक्रम में बोले नेता प्रतिपक्ष

ग्वालियर

मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मंगलवार को ग्वालियर पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा आम जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया। आगामी चुनावों को लेकर सिंघार ने कहा कि कांग्रेस 2028 के विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है और जनता का समर्थन उसके साथ है। मीडिया से चर्चा में उन्होंने प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और विधायकों के बयानों पर पार्टी का पक्ष रखा। उमंग सिंघार ने कहा कि देश के बुनियादी ढांचे, अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों के निर्माण में कांग्रेस का ऐतिहासिक योगदान रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटका रही है। गांधी सागर में होने वाली कैबिनेट बैठक पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अलग-अलग जगहों पर बैठकें करने के बजाय सरकार को खेतों में जाकर किसानों की खाद की समस्या का समाधान करना चाहिए। उन्होंने प्रदेश में खाली पड़े पदों, आउटसोर्स भर्तियों, शिक्षकों की मांगों और नर्सिंग से जुड़े मामलों का जिक्र करते हुए युवाओं के रोजगार पर चिंता जताई। सिंघार ने सात करोड़ की आबादी वाले प्रदेश में विधानसभा का पांच दिन का सत्र भी अपर्याप्त बताया।



यूपी में बढ़ गए 18 लाख 84 हजार वोटर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चुनाव आयोग ने ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल जारी कर दिया है. राज्य में पिछले आंकड़ों के मुकाबले 18 लाख 84 हजार वोटर बढ़े हैं. हालांकि, इस बढ़ोतरी के बीच 18 से 19 साल की उम्र वाले नए मतदाताओं की संख्या में करीब 5.80 लाख की कमी दर्ज की गई है. ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की संख्या में ज्यादा इजाफा हुआ है. वहीं, अनुमानित आबादी और वोटर लिस्ट के आंकड़ों के बीच करीब 2.58 करोड़ का अंतर सामने आया है. नई ड्राफ्ट सूची के मुताबिक, पुरुष मतदाताओं की संख्या में 7 लाख 87 हजार 449 का इजाफा हुआ है. अब प्रदेश में कुल 7.38 करोड़ पुरुष मतदाता हैं. वहीं, महिला मतदाताओं की संख्या में 10 लाख 96 हजार 828 की बढ़ोतरी हुई है. इसके साथ ही महिला मतदाताओं की कुल संख्या बढ़कर 6.20 करोड़ हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट की संजय राउत को नसीहत

माफी दिल से मांगें, दिमाग से नहीं



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका के खिलाफ कथित टिप्पणियों को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत को नसीहत दी है। आपराधिक अवमानना की कार्यवाही पर सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि माफी दिल से आनी चाहिए, दिमाग से नहीं। कोर्ट ने राउत को अनुभवी नेता और सांसद बताते हुए सार्वजनिक बयान देते समय संयम बरतने की सलाह दी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबी) की ओर से पत्रकार निखिल वागले और संजय राउत के खिलाफ दायर आपराधिक अवमानना याचिका से जुड़ा है। दोनों पर न्यायपालिका के खिलाफ टिप्पणी करने का आरोप है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पांचोली की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस कुमार ने कहा कि इतने गंभीर मामले में माफी दिल से आनी चाहिए, न कि दिमाग से।

मथुरा में भाजपा का महामंथन

राधे-राधे...कमल खिला दे



मथुरा। मथुरा में फरह के परखम स्थित गो ग्राम में भाजपा की दो दिवसीय योजना बैठक के दूसरे दिन मंगलवार को भी सियासी गतिविधियां तेज रहीं। सुबह गोपाष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गो ग्राम परखम पहुंचकर विधि-विधान से गोपूजन किया। इस दौरान दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। दोपहर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बैठक में शामिल होने के लिए पहुंचे। बैठक में चार बिंदुओं पर तैयार हो रही चुनावी रणनीति में कृष्ण जन्मभूमि, बूथ पर यूथ, सुशासन और महिला सशक्तिकरण शामिल है। पीडीए की काट करने के लिए भी 54 दिग्गज नेताओं की टीम मंथन में जुटी है। सबसे ज्यादा चर्चा टिकट कटने पर भी है। वहीं टिकटार्थी भी इस और टकटकी लगाए बैठे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल ही इस बैठक में भाग लेने के लिए यहां आ गए थे। वह रात को भी यही ठहरे और कल भी काफी देर तक मंथन चला। आज राष्ट्रीय अध्यक्ष के जुड़ने के बाद यह शिविर और महत्वपूर्ण हो गया है। इस बैठक में तमाम बिंदुओं पर चर्चा की जा रही है। बैठक के पहले दिन संगठन और आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर व्यापक मंथन हुआ। इसमें राष्ट्रीय और स्थानीय टीम के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।

न तेल की जरूरत होगी और न दवाई की

गंजेपन से बचाएगी इलेक्ट्रिक कंघी

नई दिल्ली

भारत समेत पूरी दुनिया में बहुत से लोग बाल संबंधित समस्या का सामना कर रहे हैं। इस परेशानी को दूर करने के लिए साइंटिस्ट ने एक ऐसी कमाल की कंघी बनाई है, जो बालों को गिरने से रोकती है नए बालों को भी उगाने में मदद करती है। चीन के रिसर्चर ने एक इलेक्ट्रिक कंघी तैयारी की है, जिसका नाम डेटांगल है। इस इलेक्ट्रिक कंघी के अंदर छोटे-छोटे पल्स का इस्तेमाल किया है, जो नए बालों का उगाने और पुराने बालों को मजबूत करने में मदद करते हैं। यह रिसर्च बीजिंग की बेइहांग यूनिवर्सिटी की रिसर्च टीम ने की है। रिसर्चर का कहना है कि यह इलेक्ट्रिक कंघी बालों के झड़ने में कारगर साबित हो सकती है। पारंपरिक तरीकों की तुलना में इलेक्ट्रिक कंघी स्कैल्प के अंदर 9 गुना ज्यादा गहराई तक पहुंच सकती है। इसकी वजह से यह ज्यादा कारगर तरीके से काम करने में मदद करती है। रिसर्चर ने बताया है कि नेचर कम्युनिकेशन जर्नल में लिखा कि एंड्रोजेनेटिक एलोपेसिया की वजह से पूरी दुनिया में 1.5 अरब से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। इसकी वजह से धीरे-धीरे बाल झड़ते हैं और इसका असर लोगों की मानसिक स्थिति और जीवन की गुणवत्ता पर भी दिखाई देता है। रिसर्चर ने बताया है कि रोजाना बालों में कंघी करने के दौरान एंड्रोजेनिटिक एलोपेसिया के इलाज के लिए कंघी के आकार वाला एक बायोइलेक्ट्रोनिक्स सिस्टम तैयार किया है। रिसर्चर ने पाया है कि सिर्फ इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेशन यानी बिजली के हल्के झटकों से ही बालों की ग्रोथ बढ़ी है। इसकी मदद से स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हुआ है और बालों के रोम की संख्या में इजाफा हुआ है।



28 दिनों तक चूहों पर टेस्टिंग

रिसर्चर ने चूहों पर टेस्टिंग की है। महीनेभर तक चले इस प्रोग्राम में चूहों पर तेजी से बाल उगते हुए नजर आए हैं। यहां तक का 28 दिन दिनों में गंजे हिस्से पर बाल उगा दिए। रिसर्च में बताया है कि इलेक्ट्रिक कंघी का इस्तेमाल सिर्फ जानवरों पर किया गया है। रिपोर्ट में बताया है कि रिजल्ट संकेत देते हैं कि आने वाले दिनों में यह एंड्रोजेनेटिक एलोपेसिया के इलाज में मददगार साबित हो सकती है।

इस्तेमाल करना होगा आसान

नॉर्मल दवाओं की तुलना में इलेक्ट्रिक कंघी ज्यादा कारगर साबित होगी। नॉर्मल तरीके और दवाओं के कुछ साइड इफेक्ट भी होते हैं, जो हेयर फॉलिकल्स तक प्रभावी तरीके से नहीं पहुंच पाते हैं। रिसर्चर ने पाया है कि इलेक्ट्रिकल कंघी की वजह से सूजन और स्किन संबंधित समस्या भी नहीं हुई हैं। आने वाले दिनों में इसे दूसरे जानवरों पर भी टेस्ट किया जाएगा, जिसके बाद आखिर में ये इंसानों तक पहुंचेगा।

जय अम्बे कंपनी के कैंप में भीषण आग, करोड़ों का सामान जलकर राख

घण्टों तक जिम्मेदार अधिकारी रहे नदारद, सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल- आग हादसा था या लापरवाही का नतीजा, जांच का इंतजार

रामपुर-बटुरा/शहडोल (स्वतंत्रमत)

रामपुर-बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में कार्यरत जय अम्बे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कैंप में सुबह-सुबह लगी भीषण आग ने कंपनी की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते कैंप में रखा दस्तावेज और सामान जलकर राख हो गया। शुरुआती आकलन में करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। हालांकि वास्तविक नुकसान का आंकड़ा जांच और आकलन के बाद ही स्पष्ट होगा। इस घटना ने आग से हुए नुकसान के साथ-साथ कंपनी प्रबंधन की कार्यप्रणाली और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद कैंप में अफरा-तफरी मच गई। कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। आरोप है कि घटना के करीब चार घंटे तक कंपनी का कोई बड़ा जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। यदि आपातकालीन स्थिति में भी अधिकारी समय पर नहीं पहुंचते, तो कर्मचारियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर कौन निभाएगा? कंपनी के सेफ्टी विभाग प्रमुख के.के. पांडेय की भूमिका और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। क्या कैंप में पर्याप्त अग्निशमन उपकरण उपलब्ध थे? क्या फायर सिलेंडर चालू हालत में थे? क्या कर्मचारियों को आपातकालीन स्थिति से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया था? यदि सुरक्षा



के पुख्ता इंतजाम थे तो आग पर समय रहते नियंत्रण क्यों नहीं पाया जा सका? इन सवालों का जवाब सामने आना जरूरी है। रामपुर-बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में ठेका कंपनी के संचालन और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की जिम्मेदारी को लेकर एसईसीएल प्रबंधन से भी सवाल पूछे जा रहे हैं। क्या ठेका कंपनी के कैंप का नियमित फायर सेफ्टी ऑडिट कराया जाता था? क्या सुरक्षा उपकरणों का निरीक्षण किया गया था? यदि निरीक्षण हुआ तो उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही? और यदि सुरक्षा इंतजामों में कमी थी तो जिम्मेदारों पर पहले कार्यवाही क्यों नहीं हुई? घटना को लेकर कर्मचारियों के बीच आग लगने के कारणों को लेकर चर्चाएं हैं। हालांकि आग दुर्घटनावश लगी या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में घटनास्थल की तकनीकी जांच, शॉर्ट सर्किट सहित सभी संभावित कारणों की पड़ताल और नुकसान का वास्तविक आकलन कराया जाना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी तरह की आशंका पर विराम लग सके। घटना के संबंध में जब कंपनी प्रबंधन से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो प्रबंधक ने जानकारी देने से परहेज किया। इतनी बड़ी घटना के बाद भी जिम्मेदारों की ओर से स्पष्ट जानकारी नहीं मिलना कई सवाल खड़े करता है। कर्मचारियों की मांग है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाए, फायर सेफ्टी ऑडिट की रिपोर्ट सार्वजनिक हो और लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। सवाल सिर्फ करोड़ों के नुकसान का नहीं है, सवाल उन कर्मचारियों की जिंदगी का भी है जो इसी कैंप में काम करते हैं और रहते हैं। आज कंपनी का सामान आग की भेंट चढ़ा है, लेकिन यदि सुरक्षा व्यवस्था नहीं सुधरी तो कल किसी कर्मचारी की जान भी खतरे में पड़ सकती है। अब देखना यह है कि एसईसीएल प्रबंधन इस घटना को गंभीरता से लेकर जवाबदेही तय करता है या फिर एक और बड़ा मामला जांच और कागजी कार्यवाही के बीच दबकर रह जाता है।

जर्जर पुलिया पर हादसा, रवि सिंह की मौत के बाद ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले की जैतपुर तहसील अंतर्गत ग्राम चन्नौड़ी में जर्जर और संकरी पुलिया एक बार फिर हादसे का कारण बन गई। ग्राम नेमुहा निवासी रवि सिंह की हादसे में मौत के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतक का शव रखकर चक्काजाम कर दिया और पुलिया के नए सिरे से निर्माण की मांग उठाई। ग्रामीणों का आरोप है कि चन्नौड़ी स्थित यह पुलिया लंबे समय से जर्जर अवस्था में है और इसकी संकीर्णता के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों ने दावा किया कि अब तक इस पुलिया पर हुए हादसों में 100 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इसके बावजूद पुलिया के स्थायी निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई।



ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब हाईवे निर्माण के दौरान क्षेत्र की अन्य पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया, तो चन्नौड़ी की इस महत्वपूर्ण पुलिया को निर्माण कार्य से क्यों छोड़ दिया गया? आखिर जिम्मेदार अधिकारियों ने इस समस्या को गंभीरता से क्यों नहीं लिया? घटना के बाद मौके पर पुलिस, एसडीएम और तहसीलदार सहित प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति को सामान्य करने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। उनकी स्पष्ट मांग है कि पुलिया निर्माण को लेकर केवल मौखिक आश्वासन नहीं, बल्कि लिखित भरोसा दिया जाए। फिलहाल इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र की जर्जर सड़क संरचनाओं और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन ग्रामीणों की मांग पर क्या निर्णय लेता है और चन्नौड़ी की इस पुलिया का निर्माण कब तक शुरू हो पाता है।

उमरिया में धूमधाम से मनाई गई भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती, निकाली वाहन रैली

शिक्षा, महिला सम्मान और सामाजिक एकता का दिया संदेश, प्रतिभावान विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

उमरिया (स्वतंत्रमत)



भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती के अवसर पर 16 नवंबर 2026 को कृष्णा गार्डन, उमरिया में हैहय क्षत्रिय कलचुरी कलार समाज द्वारा भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन के पूजन-अर्चन एवं स्मरण के साथ हुआ। जयंती के अवसर पर समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक वाहन रैली निकाली तथा नगर के विभिन्न मार्गों से भ्रमण कर सामाजिक एकता और संगठन का संदेश दिया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद शहडोल के अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री प्रेमलाल राय ने की। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री दिलीप जायसवाल ने समाज के सर्वांगीण विकास के लिए बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को महत्व देने की बात कही। उन्होंने शिक्षा को समाज की प्रगति का महत्वपूर्ण आधार बताया। विशिष्ट अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि जब समाज का कोई व्यक्ति उच्च पदों पर आसीन होता है तो पूरे समाज को गर्व की अनुभूति होती है। उन्होंने सामाजिक एकता और आपसी सहयोग के महत्व पर भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम को जिला अध्यक्ष जयलाल राय, सुशील जायसवाल, मिथलेश राय एवं द्वारिका राय ने संबोधित किया। वक्ताओं ने समाज में शिक्षा के विस्तार, युवाओं की भागीदारी, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने तथा संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। साथ ही युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित कर सामाजिक परिचय एवं पारिवारिक संवाद को बढ़ावा दिया गया। समारोह में महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती मोनू राय, श्रीमती मुन्नी बाई राय, कछरवार सरपंच श्रीमती उषा राय, खैरा सरपंच श्रीमती गीता राय, कोंहका के प्रतिनिधि, मोतीलाल राय, अनोखेलाल राय, जयलाल जायसवाल, सुरेश जायसवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अलावा उमेश राय, कमलेश राय, अनुज राय, पुरुषोत्तम राय, विकास राय, विनोद जायसवाल, मनीष राय, मिथलेश राय, सुभाष राय, राकेश राय, संजय राय एवं डॉ. दिनेश कुमार राय सहित समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं स्वजातीय बंधुओं की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन समाज के कोषाध्यक्ष श्री रमेश राय एवं सचिव श्री विजय रवि राय ने किया।आयोजन की सफलता पर आयोजकों ने सभी अतिथियों, समाज के वरिष्ठजनों, मातृशक्ति, युवाओं एवं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सदस्यों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का सफल आयोजन जनसहयोग से हुआ संभव, विधायक शरद कोल ने सभी के प्रति व्यक्त किया आभार

शहडोल (स्वतंत्रमत)

नवंबर को जिले के ब्यौहारी जनपद मुख्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न होने पर ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक शरद जुगुल कोल ने आमजन सहित आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया है। विधायक कोल ने कहा कि राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का इतना भव्य आयोजन सभी के सामूहिक प्रयास, सहयोग और समर्पण से ही सफल हो सका है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस एवं सुरक्षा व्यवस्था में तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान मंचीय एवं अन्य व्यवस्थाओं, आवागमन एवं परिवहन व्यवस्था सहित आयोजन से जुड़ी विभिन्न जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने वाले सभी सहयोगियों, मीडिया प्रतिनिधियों तथा कार्यक्रम में सहभागिता करने के लिए देश के 10 प्रांतों से आए जनजातीय प्रतिनिधियों को भी धन्यवाद ज्ञापित किया। विधायक शरद कोल ने कहा कि ब्यौहारी में आयोजित इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम ने जनजातीय संस्कृति, परंपरा और गौरव को नई पहचान देने के साथ ही पूरे जिले के लिए गौरव का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े आयोजन की सफलता जनसहयोग, आपसी समन्वय और सभी के समर्पण का परिणाम है।

राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शहडोल संभाग की शानदार जीत

शहडोल (स्वतंत्रमत)। गुना में आयोजित राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शहडोल संभाग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नर्मदापुरम संभाग की टीम को एकतरफा मुकाबले में 37-0 से करारी शिकस्त दी। मुकाबले में संभाग के खिलाड़ियों ने शुरू से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को कोई भी अंक बनाने का अवसर नहीं दिया। टीम ने अपने बेहतरीन खेल कौशल, सटीक रणनीति, मजबूत रक्षापंक्ति और शानदार तालमेल के दम पर पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। खिलाड़ियों के अनुशासित प्रदर्शन और उत्कृष्ट टीम भावना ने संभाग को इस बड़ी जीत तक पहुंचाया। टीम के कोच, प्रबंधक एवं राष्ट्रीय कोच के.के. श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संभाग की टीम लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है।

परीक्षा परिणाम में गड़बड़ियों को लेकर परीक्षा मूल्यांकन प्रभारी को हटाने एवं विश्वविद्यालय के 56 कर्मचारियों के लंबित वेतन की समस्या को लेकर एनएसयूआई ने कुलपति के नाम सौंपा ज्ञापन

शहडोल (स्वतंत्रमत)



भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई द्वारा जिला अध्यक्ष सौरभ तिवारी के नेतृत्व में पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के नवलपुर परिसर में कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपकर प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम में हुई गड़बड़ियों एवं छात्रहित से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की गई। एनएसयूआई ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि पिछले सप्ताह विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम में अनेक विद्यार्थियों को गंभीर अनियमितताओं एवं समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिससे विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। इस दौरान एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष प्रमुख रूप से निम्नलिखित मांगें रखीं। प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का संशोधित एवं सही परीक्षा परिणाम शीघ्र जारी किया जाए। परीक्षा परिणाम में सामने आई गंभीर अनियमितताओं एवं विद्यार्थियों की शिकायतों को देखते हुए वर्तमान मूल्यांकन प्रभारी को उनके पदभार से हटाया जाए तथा निष्पक्ष मूल्यांकन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एग्रीकल्चर विभाग में एक बार प्रैक्टिकल होने के बाद दोबारा प्रैक्टिकल क्यों कराया जा रहा है, इस व्यवस्था पर रोक लगाई जाए तथा विद्यार्थियों को अनावश्यक रूप से परेशान करना बंद किया जाए। विश्वविद्यालय के अध्यापकों एवं 56-57 कर्मचारियों का रुका हुआ भुगतान तत्काल किया जाए। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सौरभ तिवारी ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह विद्यार्थियों की समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लेकर उनका शीघ्र निराकरण करे। परीक्षा परिणाम में हुई गड़बड़ियों के कारण विद्यार्थियों को मानसिक एवं शैक्षणिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एनएसयूआई छात्रहित के मुद्दों पर लगातार संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की कि सभी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही कर विद्यार्थियों को राहत प्रदान की जाए। यदि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा मांगों का निराकरण नहीं किया जाता है, तो एनएसयूआई छात्रहित में लोकतांत्रिक तरीके से उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

जिला जेल में बंदियों को दी गई निःशुल्क विधिक सहायता एवं नशामुक्ति की जानकारी

उमरिया (स्वतंत्रमत)



मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्रियदर्शन शर्मा के मार्गदर्शन में सोमवार, 16 नवंबर 2026 को जिला जेल उमरिया में 'न्यायोत्सव: विधिक सेवा सप्ताह-2026' के तृतीय चरण के अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जेल में निरुद्ध बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती नजमा बेगम ने बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, उनके पुनर्वास तथा समाज की मुख्यधारा में दोबारा शामिल होने के लिए उपलब्ध कानूनी सहयोग के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य जरूरतमंद व्यक्तियों तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। इस दौरान बंदियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों, नशे की रोकथाम तथा समय पर सहायता प्राप्त करने के महत्व से भी अवगत कराया गया। साथ ही डी.ए.डब्ल्यू.एन. (ड्रग अवेयरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन) योजना-2025 के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं एवं सहायता के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। शिविर में जेल अधीक्षक श्री माखन सिंह मार्को, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती नजमा बेगम, जेल के अधिकारी-कर्मचारी तथा जेल में निरुद्ध बंदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ उनके पुनर्वास एवं बेहतर भविष्य की दिशा में प्रेरित करना रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में कैट टीम का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आज भोपाल में, 55 जिले की कैट टीम लेगी शपथ

उमरिया (स्वतंत्रमत)



कैट जिला अध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी ने बताया कि मध्यप्रदेश के व्यापारिक संगठन को नई मजबूती और व्यापक पहचान देने की दिशा में कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) मध्यप्रदेश एक महत्वपूर्ण आयोजन करने जा रहा है। 18 नवंबर को भोपाल के मिंटो हॉल में शाम 6 बजे आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के सभी 55 जिलों की कैट टीमों को शपथ दिलाएंगे। कार्यक्रम के विशेष अतिथि प्रवीण खंडेलवाल सांसद, चांदनी चौक (दिल्ली) महामंत्री, कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट), आशीष सुशांत अग्रवाल, मुख्य मीडिया सलाहकार, भारतीय जनता पार्टी विशेष अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदेश के सभी जिलों से कैट के जिलाध्यक्ष, महामंत्री, पदाधिकारी एवं वरिष्ठ व्यापारी प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। कैट मध्यप्रदेश के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने बताया कि यह शपथ ग्रहण समारोह व्यापारियों के लिए ऐतिहासिक क्षण होगा। प्रदेश की समस्त व्यापारी शक्ति एक मंच पर एकजुट होकर समृद्ध व्यापारी से - समृद्ध मध्यप्रदेश की ओर के संकल्प को आगे बढ़ाएगी। कार्यक्रम संयोजक राजीव बडेरिया ने बताया कि समारोह की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री जी एवं विशेष अतिथियों के आगमन पर व्यापारी समाज द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा। इस शपथ ग्रहण के माध्यम से कैट मध्यप्रदेश प्रदेश के व्यापार, उद्योग, रोजगार एवं व्यापारी हितों के लिए और अधिक संगठित एवं सशक्त रूप से कार्य करेगा।

दीपावली बीतने के बाद भी बदहाल हैं मानपुर के सरकारी भवन और सार्वजनिक स्थल, सफाई-पुताई का इंतजार

रखरखाव के अभाव में जर्जर हो रहे कार्यालय, स्कूल और सामुदायिक भवन, बजट खर्च होने पर भी व्यवस्थाओं पर उठ रहे सवाल

मानपुर (स्वतंत्रमत)

दीपावली का त्योहार बीत चुका है, लेकिन मानपुर क्षेत्र के अधिकांश शासकीय भवनों, स्कूलों, सार्वजनिक स्थलों और नगर की गलियों में साफ-सफाई, रंगाई-पुताई एवं रखरखाव का अभाव अब भी साफ नजर आ रहा है। जहां आम नागरिक दीपावली के अवसर पर अपने घरों और आसपास की सफाई एवं सजावट करते हैं, वहीं सरकारी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालने वाले विभागों के भवन और सार्वजनिक परिसर बदहाली की तस्वीर पेश कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार उमरिया जिले के मानपुर विकासखंड में लगभग 80 प्रतिशत शासकीय कार्यालयों, अशासकीय विद्यालयों, खेल मैदानों, सड़कों, तालाबों, बांधों, पुलों, मंगल भवनों और सामुदायिक भवनों में लंबे समय से समुचित सफाई, पुताई एवं मरम्मत नहीं कराई गई है। यही स्थिति नगर परिषद मानपुर क्षेत्र में भी देखने को मिल रही है। शासकीय भवनों के रखरखाव के लिए प्रतिवर्ष बजट आवंटित होने के बावजूद जमीनी स्तर पर काम नहीं होने और कुछ स्थानों पर बिना कार्य कराए ही बिल भुगतान होने की चर्चाएं भी सामने आ रही हैं। पूर्व में माध्यमिक शाला 15 अगस्त, ताला में शिकायत मिलने पर मानपुर विधायक द्वारा जांच एवं कार्रवाई के निर्देश दिए जाने का मामला भी इस दिशा में सवाल खड़े करता है। नगर परिषद मानपुर के पूर्व पंचायत भवन एवं परिसर, विभिन्न सामुदायिक और मंगल भवनों, खेल मैदानों, नालियों, वार्डों की सड़कों, पूर्व तहसील भवन के परिसर तथा कई तिराहे-चौराहों पर सफाई और पुताई का काम अधूरा है। बारिश में क्षतिग्रस्त हुई सड़क की पटरियों की मरम्मत भी अब तक नहीं हो सकी है। इस संबंध में नगर परिषद सीएमओ श्रीमती रचिता अवस्थी का कहना है कि कर्मचारियों की कमी के कारण व्यवस्थाओं से जुड़े कई कार्यों में विलंब हो रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी आरएम सिंह के अनुसार आंगनबाड़ी केंद्रों एवं विभागीय कार्यालय भवनों की पुताई और रखरखाव के लिए इस वर्ष बजट प्राप्त नहीं हुआ है। वहीं कृषि विभाग के भवनों की स्थिति भी चिंताजनक है। विभागीय भवन की खिड़कियां टूटी होने के कारण चूहों और बंदरों से सामग्री को नुकसान पहुंच रहा है। भवन के रखरखाव एवं सफाई-पुताई का बजट जिला स्तरीय कार्यालय से प्राप्त होता है, लेकिन पिछले दो वर्षों से यहां मरम्मत का कार्य नहीं हो पाया है। बीआरसी मानपुर समन्वयक यज्ञसेन त्रिपाठी ने बताया कि कुछ विद्यालयों के भवनों की पुताई के लिए हाल ही में बजट प्राप्त हुआ है और जल्द ही कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। इसके अलावा उद्यान विभाग का कार्यालय लंबे समय से बंद रहने, पशु चिकित्सा विभाग, कई हायर सेकेंडरी स्कूलों, बीईओ कार्यालय, तहसील एवं एसडीएम कार्यालय सहित अन्य भवनों में पुताई और रखरखाव नहीं होने की स्थिति भी सामने आ रही है। पीएचई, पीडब्ल्यूडी और सिंचाई विभाग के कुछ भवन वर्षों से बंद पड़े हैं। पुराना तहसील भवन एवं अधिवक्ता और बैठक भवन भी लंबे समय से अनुपयोगी होकर जर्जर होते जा रहे हैं। इतना ही नहीं, पीएचई विभाग के कई कार्यालयों और जमीनों पर अतिक्रमण की स्थिति बताई जा रही है। सामुदायिक भवनों, स्वास्थ्य केंद्रों एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों में भी मरम्मत और पुताई का अभाव है। वन विभाग, पंचायत कार्यालयों, शासकीय उचित मूल्य दुकानों, धान खरीदी केंद्रों तथा अन्य विभागीय भवनों की स्थिति भी विशेष ध्यान देने योग्य है। अब जरूरत इस बात की है कि संबंधित विभाग केवल बजट और कर्मचारियों की कमी का हवाला देने के बजाय भवनों एवं सार्वजनिक परिसरों की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण कराएं। साथ ही रखरखाव के नाम पर आवंटित राशि के उपयोग की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए, ताकि मानपुर क्षेत्र की सरकारी संपत्तियों को जर्जर होने से बचाया जा सके और आम नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं मिल सकें।



घटते जीवाश्म ईंधन के बीच स्वच्छ ऊर्जा की खोज

आज हमारी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों से पूरा होता है। इनका उपयोग बिजली बनाने, वाहन चलाने, उद्योगों और घरेलू कार्यों में किया जाता है। लेकिन ये ईंधन सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं। इनके निर्माण में लाखों वर्ष लगते हैं, जबकि मनुष्य इनका तेजी से उपयोग कर रहा है। जीवाश्म ईंधनों के अधिक इस्तेमाल से वायु प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। इसलिए स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा स्रोतों की खोज आज समय की आवश्यकता बन गई है।

स्वच्छ ऊर्जा के प्रमुख स्रोत

1. सौर ऊर्जा – सौर ऊर्जा सूर्य के प्रकाश से प्राप्त होती है। सौर पैनलों की मदद से इससे बिजली बनाई जा सकती है। घरों, स्कूलों, उद्योगों और कृषि कार्यों में इसका उपयोग बढ़ रहा है।

2. पवन ऊर्जा – हवा की गति से पवन चक्कियों को चलाकर बिजली तैयार की जाती है। यह ऊर्जा का नवीकरणीय स्रोत है और इससे बिजली उत्पादन के दौरान वायु प्रदूषण नहीं होता।

3. जल विद्युत – बहते या ऊंचाई से गिरते पानी की शक्ति से टरबाइन चलाकर बिजली बनाई जाती है। हालांकि बड़े बांधों के निर्माण में पर्यावरण और स्थानीय आबादी से जुड़ी चुनौतियों का ध्यान रखना जरूरी है।

4. जैव ऊर्जा – कृषि अवशेषों, गोबर और जैविक कचरे से जैव गैस तथा अन्य प्रकार की ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है। इससे कचरे का उपयोगी समाधान भी मिलता है और पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता घटती है।

हरित हाइड्रोजन, भविष्य का स्वच्छ ईंधन

भविष्य के स्वच्छ ईंधन के रूप में हरित हाइड्रोजन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसे पानी से हाइड्रोजन अलग करके बनाया जाता है। यदि इस प्रक्रिया में सौर या पवन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग किया जाए, तो इसे हरित हाइड्रोजन कहते हैं। इसका उपयोग उद्योगों, परिवहन और ऊर्जा भंडारण में किया जा सकता है। इसके इस्तेमाल से प्रदूषण कम करने की संभावनाएं हैं।



स्वच्छ ऊर्जा के सामने चुनौतियां

स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में कुछ चुनौतियां भी हैं। सौर और पवन ऊर्जा मौसम पर निर्भर करती हैं। इसलिए इनके लिए बेहतर बैटरी और ऊर्जा भंडारण तकनीक विकसित करना जरूरी है। इसके साथ ही तकनीक की लागत कम करना, बिजली वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाना और पर्याप्त शोध करना भी आवश्यक है।

भविष्य के लिए जरूरी कदम

स्वच्छ ऊर्जा केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य की जरूरत भी है। सरकार, वैज्ञानिकों और आम नागरिकों को मिलकर ऊर्जा की बचत तथा स्वच्छ स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। यदि हम आज सही कदम उठाते हैं, तो भविष्य में एक स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ ऊर्जा व्यवस्था बना सकते हैं।



शिवानी तिवारी

टीचर
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर।

परिवारः व्यक्तित्व निर्माण, संस्कारों और सामाजिक मूल्यों की पहली पाठशाला

परिवार समाज की सबसे छोटी और महत्वपूर्ण इकाई है। एक स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारित समाज का निर्माण अच्छे परिवारों से होता है। परिवार वह स्थान है, जहां व्यक्ति जन्म लेता है और प्रेम, सुरक्षा, संस्कार तथा जीवन के महत्वपूर्ण मूल्य सीखता है। परिवार ही बच्चों के व्यक्तित्व का निर्माण करता है और उन्हें एक अच्छा नागरिक बनने की प्रेरणा देता है। इसलिए परिवार को समाज की आधारशिला कहा जाता है।

परिवार, जीवन की पहली पाठशाला

परिवार व्यक्ति के जीवन की पहली पाठशाला है। माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य बच्चों को सत्य, ईमानदारी, अनुशासन, सहयोग, दया और सम्मान जैसे गुण सिखाते हैं। बच्चे परिवार में ही बोलना, व्यवहार करना, बड़ों का आदर करना और दूसरों के साथ मिल-जुलकर रहना सीखते हैं। परिवार में मिलने वाले संस्कार उनके व्यवहार और सोच को जीवनभर प्रभावित करते हैं।

अच्छे नागरिकों के निर्माण में भूमिका

एक अच्छा परिवार जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब परिवार बच्चों को नैतिक शिक्षा, अनुशासन और जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाता है, तो वे आगे चलकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देते हैं। परिवार बच्चों में दूसरों के प्रति संवेदनशीलता, नियमों का पालन और सामाजिक कर्तव्यों को समझने की भावना विकसित करता है। इस प्रकार परिवार समाज को मजबूत बनाने में सहायता करता है।

सामाजिक एकता और सद्भाव का आधार

परिवार सामाजिक एकता, प्रेम, सहयोग और सद्भाव की भावना को मजबूत करता है। परिवार के सदस्य सुख-दुख में एक-दूसरे का साथ देते हैं। कठिन समय में परिवार मानसिक और भावनात्मक सहारा प्रदान करता है। परिवार में आपसी समझ और सम्मान का वातावरण व्यक्ति को आत्मविश्वास देता है। ऐसे ही परिवार मिलकर एक शांतिपूर्ण और सहयोगी समाज का निर्माण करते हैं।

भारतीय संस्कृति में परिवार का महत्व

भारतीय संस्कृति में परिवार का विशेष स्थान रहा है। संयुक्त परिवार की परंपरा ने प्रेम, त्याग, सहयोग और सम्मान की भावना को बढ़ावा दिया है। परिवार में बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करना, छोटे बच्चों से स्नेह रखना और जरूरत के समय एक-दूसरे की सहायता करना अच्छे संस्कारों का परिचायक है। बदलते समय में परिवार का स्वरूप भले ही बदल रहा है, लेकिन उसका महत्व आज भी बना हुआ है।

आधुनिक जीवन में परिवार की आवश्यकता

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में तनाव, प्रतिस्पर्धा और अकेलेपन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे समय में परिवार का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। परिवार व्यक्ति को भावनात्मक सुरक्षा, मार्गदर्शन और अपनापन देता है। विद्यार्थियों के लिए परिवार प्रेरणा, शिक्षा और आत्मविश्वास का प्रमुख स्रोत है। परिवार का सहयोग उन्हें कठिनाइयों का सामना करने और अपने लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करता है।



दीपशिखा गुप्ता

टीचर, आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर।

लोकतंत्र की मजबूती का आधार है, जागरूक मतदाता



भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र में जनता को अपनी पसंद के प्रतिनिधि चुनने का अधिकार प्राप्त है। चुनाव इसी अधिकार को व्यक्त करने का सबसे महत्त्वपूर्ण माध्यम हैं। चुनाव के द्वारा नागरिक सरकार के गठन में भाग लेते हैं और देश के विकास की दिशा तय करने में योगदान देते हैं। इसलिए चुनाव केवल मतदान की प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भागीदारी का आधार हैं।

चुनाव का महत्व

चुनाव नागरिकों को अपनी पसंद की सरकार चुनने का अवसर देते हैं। भारत में लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनाव नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। इन चुनावों में मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र में जनता का विश्वास बनाए रखते हैं। चुनाव के माध्यम से नागरिक सरकार के कार्यों का मूल्यांकन भी करते हैं। यदि सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती, तो मतदाता अगले चुनाव में बदलाव कर सकते हैं।

लोकतांत्रिक भागीदारी के विभिन्न रूप

लोकतांत्रिक भागीदारी का अर्थ केवल मतदान करना नहीं है। नागरिकों का सार्वजनिक मुद्दों पर चर्चा करना, सामाजिक समस्याओं के समाधान में सहयोग देना, जनहित के लिए आवाज उठाना और सरकारी योजनाओं की जानकारी रखना भी इसका हिस्सा है। ग्रामसभा, नगर निकायों और सामाजिक संगठनों में सक्रिय भागीदारी से लोकतंत्र मजबूत होता है। युवाओं और महिलाओं की भागीदारी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक समावेशी बनाती है।

जागरूक मतदाता की जिम्मेदारी

मतदान करते समय जाति, धर्म, भाषा या व्यक्तिगत लाभ के बजाय उम्मीदवार की योग्यता, ईमानदारी और कार्यक्षमता को महत्त्व देना चाहिए। मतदाताओं को चुनावी वादों, उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि और जनहित से जुड़े मुद्दों की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। अफ़वाहों और भ्रामक खबरों से बचना भी जरूरी है। प्रत्येक पात्र नागरिक को बिना किसी दबाव या लालच के अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए।

दर्पण एग्जाम टिप्स

- परीक्षा में लोकतंत्र और चुनाव संबंधी प्रश्नों को पूछने की बारंबारता दिखायी देती है। इसके लिए लोकतंत्र और चुनाव संबंधी शब्दावलियों की परिभाषा स्पष्ट रूप से याद करें।
- लोकतंत्र मे चुनाव के महत्त्व के कम से कम चार बिंदु तैयार करें, इसे अपने उत्तर में स्पष्ट तौर पर लिखिए।
- मतदाता के अधिकार और जिम्मेदारियों में अंतर समझें, इससे उत्तर लिखने में आसानी होगी।
- लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनावों के उदाहरण याद रखें। ध्यान रहे उदाहरण देने से उत्तर की प्रासंगिकता बढ़ जाती है।
- उत्तर लिखते समय प्रस्तावना, मुख्य भाग और निष्कर्ष का क्रम बनाए रखें।
- उत्तर लिखते समय मतदान, समानता, स्वतंत्र चुनाव और जनभागीदारी जैसे प्रमुख शब्दों का प्रयोग करें।

चुनाव लोकतंत्र की नींव हैं और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी उसकी शक्ति है। प्रत्येक जागरूक मतदाता अपने अधिकार के साथ कर्तव्य को भी समझे, तभी लोकतंत्र मजबूत और उत्तरदायी बनेगा। एक जिम्मेदार मतदाता ही मजबूत लोकतंत्र और बेहतर राष्ट्र के निर्माण में योगदान देता है।

नारी की उड़ान से बदलेगा समाज का भविष्य

महिला सशक्तिकरण का अर्थ महिलाओं को समान अधिकार, सम्मान और अवसर प्रदान करना है। जब महिलाएं शिक्षित, आत्मनिर्भर और जागरूक होती हैं, तो इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। आज महिलाएं शिक्षा, राजनीति, विज्ञान, खेल, व्यवसाय और रक्षा जैसे क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। इसके बावजूद वास्तविक समानता स्थापित करने अभी कई प्रयासों की आवश्यकता है।



पहले की स्थिति और सामाजिक बदलाव

पहले महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिलते थे। बाल विवाह, दहेज प्रथा, पर्दा प्रथा और सामाजिक भेदभाव जैसी कुरीतियों के कारण उनका जीवन सीमित था। कई महिलाओं को अपने जीवन से जुड़े फैसले लेने का अधिकार भी नहीं था। राजा राममोहन राय और ईश्वरचंद्र विद्यासागर जैसे समाज सुधारकों ने इन कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई और महिलाओं की स्थिति सुधारने के प्रयास किए।

आज हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी

आज महिलाएं अपनी मेहनत और प्रतिभा से नए मुकाम हासिल कर रही हैं।

1. शिक्षा-विज्ञान – महिलाएं डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और प्रशासनिक अधिकारी बनकर देश की प्रगति में योगदान दे रही हैं। कल्पना चावला ने अंतरिक्ष तक पहुंचकर महिलाओं के लिए नई प्रेरणा प्रस्तुत की।

2. राजनीति – महिलाएं राष्ट्रपति, सांसद, विधायक और पंचायत प्रतिनिधि के रूप में नेतृत्व कर रही हैं। स्थानीय निकायों में महिला आरक्षण ने उनकी राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा दिया है।

3. खेल और रक्षा – पी.वी. सिंधु, मैरी कॉम जैसी खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। महिलाएं सेना और वायुसेना में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रही हैं।

4. व्यवसाय और रोजगार – महिलाएं उद्यमी बनकर अपने व्यवसाय स्थापित कर रही हैं और रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं।

महिलाओं के लिए प्रमुख सरकारी योजनाएं

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना बालिकाओं की शिक्षा और संरक्षण को प्रोत्साहित करती है। सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के भविष्य के लिए बचत का अवसर देती है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से पात्र परिवारों की महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराए जाते हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को निर्धारित शर्तों के अनुसार आर्थिक सहायता प्रदान करती है। मुद्रा योजना महिलाओं को छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण प्राप्त करने में मदद करती है।

चुनौतियां और समाधान

आज भी घरेलू हिंसा, दहेज, असुरक्षा, वेतन में भेदभाव और रूढ़िवादी सोच जैसी समस्याएं मौजूद हैं। इनके समाधान के लिए बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराना, कानूनों का प्रभावी पालन करना और परिवार में बेटा-बेटी को समान महत्व देना जरूरी है। महिला सशक्तिकरण केवल नारे लगाने से संभव नहीं है। इसके लिए परिवार, समाज और सरकार को मिलकर प्रयास करने होंगे। यदि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो प्रत्येक बेटी को शिक्षा, सम्मान, सुरक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर देने होंगे। तभी सशक्त नारी और सशक्त भारत का सपना साकार होगा।



नमिता तिवारी

टीचर
हितकारिणी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, बी.टी. तिराहा, गढ़ा, जबलपुर।

आजादी की लड़ाई में वीरांगनाओं का अदम्य साहस

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल पुरुषों का संघर्ष नहीं था, बल्कि इसमें महिलाओं ने भी महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक भूमिका निभाई। उन्होंने अंग्रेजी शासन से देश को मुक्त कराने के लिए अपने साहस, त्याग और देशभक्ति का परिचय दिया। महिलाओं ने सामाजिक बंधनों को तोड़कर आंदोलनों में भाग लिया, जेल यात्राएं कीं और अनेक कठिनाइयों का सामना किया। उनके योगदान के बिना भारत की स्वतंत्रता की कहानी अधूरी है।



1857 की क्रांति में महिलाओं की भूमिका

1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं ने वीरता और नेतृत्व का परिचय दिया। रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के विरुद्ध बहादुरी से युद्ध किया और अपने राज्य की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष किया। उनका साहस आज भी देशवासियों को प्रेरित करता है। बेगम हजरत महल ने अवध में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का नेतृत्व किया और स्वतंत्रता की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

गांधीजी के आंदोलनों में महिलाओं की भागीदारी

महात्मा गांधी के नेतृत्व में चले असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन में हजारों महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी की। उन्होंने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया, खादी अपनाई और लोगों को स्वदेशी तथा स्वतंत्रता का संदेश दिया। सरोजिनी नायडू, जिन्हें भारत कोकिला कहा जाता है, एक महान कवयित्री होने के साथ स्वतंत्रता सेनानी भी थीं। उन्होंने महिलाओं को आंदोलन से जोड़ने और आंदोलनों का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रमुख महिला स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान

कस्तूरबा गांधी – उन्होंने महात्मा गांधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया। सत्य, अहिंसा और स्वदेशी के सिद्धांतों का प्रचार किया तथा कई बार जेल भी गईं।

अरुणा आसफअली – वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान मुंबई के गोवालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहराकर उन्होंने देश में नई चेतना जगाई।

उषा मेहता – उन्होंने गुप्त रेडियो सेवा के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों तक महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाए और आंदोलन को गति दी।

कैप्टन लक्ष्मी सहगल – उन्होंने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की आजाद हिंद फौज की रानी झांसी रेजिमेंट का नेतृत्व किया।

मैडम भीकाजी कामा – उन्होंने विदेश में भारत का तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का प्रयास किया।

सुचेता कृपलानी – उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और स्वतंत्रता के बाद भी सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारत की स्वतंत्रता अनेक वीर पुरुषों और महिलाओं के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। महिला स्वतंत्रता सेनानियों ने यह सिद्ध किया कि देश की सेवा और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका किसी से कम नहीं है। आज हमारा कर्तव्य है कि हम उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर देश की एकता, प्रगति और सम्मान के लिए कार्य करें। इन वीरांगनाओं का योगदान सदैव स्मरणीय और प्रेरणादायक रहेगा।



मोहम्मद आदिल खान

टीचर
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,जोन्सगंज, जबलपुर।

सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए पर्यावरण संरक्षण जरूरी

औद्योगिक समाज वह समाज है, जहां विज्ञान, तकनीक और उद्योगों के विकास के कारण उत्पादन, परिवहन, संचार तथा जीवनशैली में बड़े बदलाव आए हैं। 18वीं शताब्दी में औद्योगिक क्रांति के बाद दुनिया के अनेक देशों में उद्योगों का तेजी से विकास हुआ। इससे उत्पादन के तरीकों में बदलाव आया और लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। आज का आधुनिक समाज औद्योगिक विकास का ही परिणाम है।

औद्योगिक समाज की प्रमुख विशेषताएं

1. रोजगार के नए अवसर – औद्योगिक समाज ने रोजगार के अनेक अवसर पैदा किए हैं। कारखानों, कंपनियों, निर्माण और तकनीकी क्षेत्रों में लाखों लोगों को काम मिला है। उद्योगों के विकास से व्यापार और अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है।

2. मशीनों से उत्पादन में वृद्धि – मशीनों के उपयोग से उत्पादन की गति बढ़ी है। अब वस्तुएं कम समय और कम लागत में तैयार की जा सकती हैं। इससे बड़े पैमाने पर उत्पादन संभव हुआ है बाजार में वस्तुओं की उपलब्धता बढ़ी है।

3. परिवहन और संचार में प्रगति – औद्योगिक विकास ने परिवहन और संचार के साधनों को आधुनिक बनाया है। इंटरनेट, मोबाइल और डिजिटल तकनीक ने लोगों के बीच संपर्क आसान किया है। अब जानकारी और सेवाएं पहले की तुलना में तेजी से उपलब्ध हो रही हैं।

औद्योगिक समाज की चुनौतियां- औद्योगिक विकास के साथ कुछ गंभीर समस्याएं भी सामने आई हैं। कारखानों से निकलने वाला धुआं, रासायनिक अपशिष्ट और प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन भी बड़ी चुनौतियां हैं। इसके अलावा, मशीनों पर बढ़ती निर्भरता के कारण कुछ पारंपरिक रोजगार प्रभावित हुए हैं। काम का दबाव और प्रतिस्पर्धा मानसिक तनाव को भी बढ़ा सकते हैं।

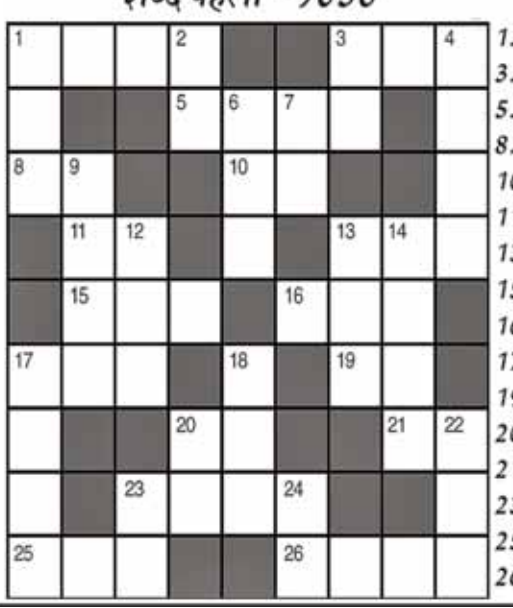
औद्योगिक समाज का भविष्य- भविष्य में औद्योगिक समाज और अधिक तकनीक आधारित होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोबोटिक्स और स्वचालन का उपयोग लगातार बढ़ेगा। इन तकनीकों से उत्पादन की गुणवत्ता और कार्यक्षमता में सुधार हो सकता है। साथ ही, हरित ऊर्जा, स्मार्ट उद्योग और डिजिटल तकनीक भविष्य के औद्योगिक विकास की महत्वपूर्ण पहचान बनेंगे। उद्योगों को केवल उत्पादन बढ़ाने के बजाय पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास पर भी ध्यान देना होगा।



प्रज्ञा शर्मा

टीचर
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर।

शब्द पहेली - 9036



बाएँ से दाएँ

1. अँगरखा-4
3. मान-सम्मान, इज्जत-3
5. शुभाशीर्वाद, नियामत-4
8. केश-2
10. कसम, प्रतिज्ञा, वचन-2
11. बुरी आदत-2
13. मगरमच्छ-3
15. परिणाम-3
16. माँड़ी, स्टार्च-3
17. अक्षर (उर्दू-3)
19. रोम, केश-2
20. अधिकार, आरोप-2
21. सतह, स्तर, पटल-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. सभ्यीकरण, विवेक-3
26. एक प्रसिद्ध कवि-4

ऊपर से नीचे

1. अनोखा, विचित्र, विलक्षण-3
2. नया, नवीन-2
3. इज्जत-2
4. कपोल-4
6. गमन, प्रेषित-3
7. पिता के पिता-2
9. चुनौती-4
13. गंदगी का ढ़ेर-3
14. असावधानी-4
17. जेल, कालकोठरी-4
18. शोर, ध्वनि, कंपन्न-3
20. ताप, शवदाह-2
22. यज्ञ, आहुति दान-3
23. रहस्य-2
24. जल, पानी-3

शब्द पहेली -9035 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore



ग्राम कान्हरगांव में भव्य कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्री हनुमंत कथा का शुभारंभ

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

ग्राम कान्हरगांव में सात दिवसीय संगीतमय श्री हनुमंत कथा का शुभारंभ मंगलवार को भव्य एवं दिव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कथा के प्रथम दिवस ग्राम में भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यात्रा ग्राम की विभिन्न गलियों से होते हुए कथा स्थल तक पहुंची। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति और जय श्रीराम के जयकारों के साथ धर्ममय वातावरण में नजर आए।उल्लेखनीय है कि कथा का वाचन पंडित वीरेंद्र शास्त्री जी के मुखारविंद से किया जा रहा है। कथा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगी।

साई धाम मंदिर समिति एवं समस्त ग्रामवासियों ने धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में कथा श्रवण करने पहुंचने की अपील की है। समिति ने कहा कि श्री हनुमंत कथा का श्रवण कर अपने जीवन को भक्तिमय एवं धन्य बनाएं।

महाविद्यालय में बिरसा मुंडा जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई



गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

स्थानीय महाराणा प्रताप शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाडरवारा में शासन के निर्देशानुसार प्राचार्य डॉ. जवाहर शुक्ला के मार्गदर्शन में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं भगवान बिरसा मुंडा के पूजन-अर्चन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील शर्मा ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन परिचय, संघर्षपूर्ण जीवन एवं ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संपूर्ण जीवन अन्याय, शोषण और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने अल्पायु में ही अपने अदम्य साहस, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रप्रेम से जनजातीय समाज में जागरूकता की नई चेतना उत्पन्न की। डॉ. शर्मा ने कहा कि बिरसा मुंडा केवल जनजातीय समाज के महानायक ही नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के गौरव और युवाओं के लिए आदर्श व्यक्तित्व हैं। उनका संघर्ष, त्याग, स्वाभिमान और समाज के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनके ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने ब्रिटिश शासन की शोषणकारी नीतियों के विरुद्ध संघर्ष कर स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने जनजातीय समाज को संगठित कर स्वतंत्रता, स्वाभिमान और अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम में डॉ. प्रीतिराज पटेल, नीतेश शर्मा, रामसनेही कौरव, शुभम साहू,नेतराम धानक, हल्के कहार सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। महाविद्यालय के स्पोर्ट ऑफिसर डा. पिंटू दास ने सभी के प्रति आभार प्रदर्शन किया, कार्यक्रम का समापन भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों एवं विचारों को आत्मसात करने के संकल्प के साथ हुआ।



श्रीकृष्ण एवं सुदामा की निश्चल मित्रता से समाज को मिलता है समानता का संदेश : पीयूष महाराज

सतना, स्वतंत्र मत। श्रीरामजानकी मंदिर डालीबाबा आश्रम के पीठाधीश्वर पूज्य पीयूष महाराज के श्रीमुख से बापू पार्क माधवगढ़ में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के सप्तम एवं विश्राम दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण और उनके बालसखा परम मित्र सुदामा के मिलन का भावपूर्ण प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कृष्णा मेडिकल परिवार के सौजन्य से आयोजित इस सात दिवसीय कथा के अंतिम दिवस कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस सात दिवसीय आयोजन के दौरान भगवान श्रीकृष्ण एवं माता रुक्मणी विवाह महोत्सव भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। रुक्मणी विवाह के अवसर पर माधवगढ़ का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। भगवान श्रीकृष्ण की भव्य बारात के आगमन पर बारातियों का स्वागत बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ किया गया। ढोल.नगाड़ों भक्ति गीतों और नाच.गाने के बीच श्रद्धालुओं ने जमकर आनंद लिया। महिलाओं युवाओं एवं बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और माधवगढ़ कृष्णमय हो उठा। 'कथा के प्रधान श्रोता श्रीमती शकुंतला गुप्ता एवं राजेंद्र गुप्ता सहित अजीत गुप्ता संजय गुप्ता माधवगढ़ एवं समस्त परिवार द्वारा आयोजित इस धार्मिक आयोजन में व्यासपीठ पर विराजमान पीयूष महाराज ने सुदामा चरित्र वासुदेव.नारद संवाद एवं राजा परीक्षित मोक्ष सहित अनेक प्रसंगों का संगीतमय एवं भावपूर्ण वर्णन किया।'

आरएलआई एनटीपीसी विंध्याचल में प्रबंधकीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का शुभारंभ

सिंगरौली, स्वतंत्र मत। आरएलआई विंध्याचल में दो सप्ताह के 'प्रबंधकीय क्षमता संवर्धन' (ईएमसी) कार्यक्रम के प्रथम बैच का शुभारंभ हुआ। इसमें एनटीपीसी के उत्तरी क्षेत्र की विंध्याचल, सिंगरौली, रिहंद, टांडा, ऊंचाहार एवं मेजा परियोजनाओं के कार्यपालक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री उज्ज्वल कांति भट्टाचार्य, पूर्व निदेशक (परियोजनाएँ), एनटीपीसी लिमिटेड ने किया। इस अवसर पर श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल), श्री एम. सुरेश, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), डॉ. बी.के. भराली, महाप्रबंधक (चिकित्सा), श्री निर्मल कुमार सिंह, महाप्रबंधक (अनुरक्षण एवं एडीएम), श्री टी.एन. सीतारामन, महाप्रबंधक (रसायन), श्री सी.बी. ओझा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं एफएम), श्री एच.पी. देवांगन, महाप्रबंधक (वीएसआर ओवरहॉलिंग) तथा श्री अनिरुद्ध सिंह, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल) उपस्थित रहे।

अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ने ई6 से ई7 स्तर पर पदोन्नत होने वाले कार्यपालकों को व्यापक प्रबंधकीय दायित्वों एवं नेतृत्व भूमिकाओं के लिए तैयार करने में कार्यक्रम की महत्ता रेखांकित की। उन्होंने एनटीपीसी के वैश्विक विस्तार, विशेषकर बांग्लादेश में कंपनी की पहली अंतरराष्ट्रीय विद्युत परियोजना को साकार करने में श्री भट्टाचार्य के महत्वपूर्ण योगदान का भी उल्लेख किया।अपने प्रेरक मुख्य संबोधन में श्री उज्ज्वल कांति भट्टाचार्य, पूर्व निदेशक (परियोजनाएँ), एनटीपीसी लिमिटेड ने बदलते ऊर्जा परिदृश्य, ऊर्जा संक्रमण, हितधारकों की अपेक्षाओं तथा विकसित भारत की परिकल्पना पर विचार साझा किए। अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता एवं अस्पष्टता से भरे वर्तमान परिवेश में अनुकूलनशीलता, निरंतर सीखने और मूल्य आधारित नेतृत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा, च्र्ईएमसी केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि परिवर्तन की दिशा में एक सार्थक हस्तक्षेप है।ज्ज उन्होंने यह भी कहा कि च्असामान्य ही अब नया सामान्य है।

रणनीतिक सोच, प्रबंधकीय उत्कृष्टता एवं भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम नेतृत्व विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम एनटीपीसी की भावी नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ करने के प्रति आरएलआई विंध्याचल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अवैध शराब के विरूद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई

नरसिंहपुर। आबकारी आयुक्त के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देश पर आबकारी विभाग द्वारा कार्रवाई की गई। प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी श्री बी.एल. उइके के मार्गदर्शन में वृत्त करेली अंतर्गत अवैध शराब के अड्डों पर दबिश देकर 8 लीटर हाथ भट्टी की अवैध मदिरा एवं 940 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधन 2000) के तहत कुल चार प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।

मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने लिया हिरासत में

शहडोल (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के ब्यौहारी आगमन के दौरान जिले की विभिन्न जनहितकारी समस्याओं एवं लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपने जा रहे जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय अवस्थी सहित कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को पुलिस प्रशासन ने भूसा तिराहे पर घेराबंदी कर हिरासत में ले लिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प एवं धक्का-मुक्की की स्थिति निर्मित हो गई। पुलिस की कार्यवाही से आक्रोशित कांग्रेसियों ने पुलिस प्रशासन एवं मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया।

कांग्रेसजन जिले की ज्वलंत समस्याओं, आम जनता से जुड़े मुद्दों और विकास कार्यों में व्याप्त कथित अनियमितताओं एवं जनहित की विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से प्रत्यक्ष मुलाकात कर ज्ञापन सौंपना चाहते थे। कांग्रेस पदाधिकारियों का कहना था कि मुख्यमंत्री का जिले में आगमन जनता की समस्याओं को उनके समक्ष रखने का एक महत्वपूर्ण अवसर था, लेकिन पुलिस प्रशासन ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने जा रहे कांग्रेसियों को रास्ते में ही रोककर लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रयोग से वंचित कर दिया। इस संबंध में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय अवस्थी ने कहा कि हम जिले की मूलभूत समस्याओं और जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मिलना चाहते थे। हमारा उद्देश्य केवल इतना था कि जिले की जनता की आवाज मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जाए और समस्याओं के निराकरण की मांग की जाए।

लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार के इशारों पर काम कर रहे पुलिस प्रशासन ने हमें ज्ञापन सौंपने तक का अवसर नहीं दिया और भूसा तिराहे पर घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल को अपनी बात सरकार तक पहुंचाने, जनहित के मुद्दे उठाने तथा शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराने का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन वर्तमान सरकार में जनता की आवाज उठाने वाले विपक्ष के जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार को जनता की समस्याएं सुनने से परहेज नहीं करना चाहिए, बल्कि जनहित के मुद्दों पर विपक्ष की बात सुनकर उनका समाधान करना चाहिए।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने किया अभ्युदय पुस्तकालय का लोकार्पण

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में पुस्तकालय का लोकार्पण किया। विद्यार्थियों में अध्ययन की रुचि विकसित करने, साहित्यिक एवं वैचारिक चेतना को प्रोत्साहित करने तथा ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के उद्देश्य से सर्वसुविधायुक्त अभ्युदय पुस्तकालय प्रारंभ किया गया है। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश भी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पुस्तकालय का अवलोकन कर यहां संरक्षित लगभग 200 वर्ष पुरानी दुर्लभ पुस्तकों, ऐतिहासिक दस्तावेजों एवं हस्तलिखित पांडुलिपियों को देखा तथा उनके ऐतिहासिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महत्व के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दीं। अभ्युदय



पुस्तकालय में राजनीति, हिंदी एवं अंग्रेजी साहित्य सहित विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक, समसामयिक और प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों का समृद्ध संग्रह उपलब्ध कराया गया है।

यहां विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की पुस्तकों के अलावा साहित्य, संस्कृति, इतिहास एवं सामाजिक चिंतन से जुड़ी विविध विषयवस्तु के अध्ययन का अवसर मिलेगा। इससे विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान, तार्किक क्षमता और वैचारिक समझ का विस्तार होगा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी सहायता मिलेगी। विद्यालय में इस महत्वपूर्ण पुस्तकालय की स्थापना संस्था के प्राचार्य श्री राजीव किशोर श्रीवास्तव एवं डॉ. अशोक कुमार उदेनिया के प्रयासों से हुआ। पुस्तकालय के सुव्यवस्थित संकलन, पुस्तकों के संरक्षण एवं संचालन में पुस्तकालय प्रभारी श्री देवेन्द्र सिंह पटैल एवं श्रीमती साक्षी तिवारी के साथ श्री ए.आर. राव, श्री रामदीन ठाकुर, श्रीमती वर्षा पांडे ने किया।

नौकरी छीनने के सरकारी फैसले के खिलाफ आर-पार की लड़ाई

6 दिसंबर को भोपाल में उमड़ेगा आउटसोर्स कर्मचारियों का जनसैलाब



सतना स्वतंत्रमत।' मध्यप्रदेश में वर्षों से सरकारी विभागों और विभिन्न शासकीय संस्थानों की जिम्मेदारियां संभाल रहे लाखों आउटसोर्स कर्मचारियों के सामने रोजगार का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। सरकार के नौकरी समाप्त करने के फैसले के खिलाफ आउटसोर्स अस्थाई कर्मचारी मोर्चा ने निर्णायक संघर्ष का ऐलान किया है। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा के नेतृत्व में 6 दिसंबर को भोपाल में विशाल नौकरी बचाओ आंदोलन आयोजित किया जाएगा जिसमें प्रदेशभर के हजारों आउटसोर्स कर्मचारी शामिल होकर सरकार के फैसले के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेंगे।आंदोलन की जानकारी देते हुए मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ.अमित सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश में लगभग 3 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों के रोजगार पर संकट मंडरा रहा है। इस संकट की शुरुआत वित्त विभाग के 22 दिसंबर 2025 के उस आदेश से हुई जिसमें आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं 31 मार्च 2027 तक समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा 11 नवंबर को कर्मचारियों को हटाने संबंधी आदेश जारी किया गया है। सरकार के इन फैसलों से वर्षों से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों और उनके परिवारों का भविष्य अनिश्चितता में आ गया है।डा. सिंह ने कहा कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को छोड़कर लगभग 2.5 से 3 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने की तैयारी की जा रही है। इनमें बड़ी संख्या ऐसे कर्मचारियों की है जो पिछले 10 से 15 वर्षों से लगातार सरकारी विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इन कर्मचारियों ने पूरी निष्ठा से सरकारी व्यवस्था को संभाला है लेकिन आज सरकार उन्हें रोजगार की सुरक्षा देने के बजाय बेरोजगार करने की तैयारी कर रही है। यह लाखों परिवारों की आजीविका और भविष्य के साथ अन्याय है।उन्होंने बताया कि मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा के नेतृत्व में 6 दिसंबर को भोपाल के चिनार पार्क से बोर्ड ऑफिस चौराहे तक विशाल नौकरी बचाओ आंदोलन आयोजित किया जाएगा। इस आंदोलन के माध्यम से कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने के फैसले पर तत्काल रोक लगाने रोजगार की सुरक्षा सुनिश्चित करने और वर्षों से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित करने की मांग उठाई जाएगी। डॉ.अमित सिंह ने कहा कि सरकार एक ओर रोजगार देने के बड़े.बड़े दावे करती है वहीं दूसरी ओर पहले से रोजगार में लगे युवाओं को नौकरी से बाहर कर रही है। सरकार पहले ही लगभग 9ए000 जनसेवा मित्रों 5.200 पेशा मोबिलाइजर्स 4600 कोरोना योद्धाओं और 23ए000 संविदा प्रेरकों को नौकरी से बाहर कर चुकी है। अब आउटसोर्स कर्मचारियों पर भी रोजगार छीनने की तलवार लटक रही है। सरकार की इस नीति का पुरजोर विरोध किया जाएगा।उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल कर्मचारियों की नौकरी बचाने की नहीं बल्कि उन लाखों परिवारों की रोटीए बच्चों की शिक्षा और भविष्य बचाने की लड़ाई है जिनकी पूरी आजीविका इन नौकरियों पर निर्भर है।डॉ. सिंह ने प्रदेश के समस्त विभागों में कार्यरत आउटसोर्स एवं अस्थाई कर्मचारियों से अपील की कि वे अपने रोजगार और परिवार के भविष्य की रक्षा के लिए 6 दिसंबर को भोपाल पहुंचकर आंदोलन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की एकजुटता ही इस संघर्ष की सबसे बड़ी ताकत है।



महापौर के घर की होगी कुर्की 70 लाख से अधिक संपत्ति कर बकाया

सतना स्वतंत्रमत। नगर निगम की बकायादारों की सूची में महापौर योगेश ताम्रकार का नाम भी है। 70 लाख रुपये से ज्यादा संपत्ति कर बकाया बताया गया है। एमआईसी सदस्य गोपी गेलानी पर 20 लाख से ज्यादा की देनदारी बताई गई है। 50 हजार से ज्यादा बकाया वाले करीब 6000 करदाताओं को नोटिस जारी हो चुके हैं जिन पर कुल 54.83 करोड़ रुपये बकाया है यह नोट इस नगर निगम कमिश्नर के आदेश से की गई । महापौर भी आम करदाता ही होता है। पद मिलने से संपत्ति कर से छूट नहीं मिलती। अगर किसी की कई व्यावसायि क आवासीय संपत्तियां हों और कई साल का टैक्स न भरा हो तो बकाया लाखों में पहुंचना असामान्य नहीं है। निगम पहले नोटिस देता है फिर 15 दिन की मोहलत उसके बाद ही सीलिंग.कुर्की की कार्रवाई होती है। निगमायुक्त डॉ. नागार्जुन बी.गौड़ा ने 100 बड़े बकायादारों पर चरणबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं । कुर्की नोटिस और प्रक्रिया के बाद होती है और बकायादार टैक्स जमा करके भी उसे टाल सकता है।

तीन माह से अधिक समय तक लंबित नहीं रहे राजस्व का कोई प्रकरण

सीएम हेल्पलाइन में फोकस कर ए-ग्रेड लाने का करें प्रयास

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर के निर्देश



सतना स्वतंत्रमत। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि नामांकन, बंटवारा, सीमांकन सहित कोई भी राजस्व प्रकरण अधिकतम तीन माह की समय-सीमा में निराकृत हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 19 नवम्बर को राजस्व अधिकारियों की बैठक में आरसीएमएस पोर्टल और राजस्व वसूली की समीक्षा की जायेगी। सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में विभागीय समन्वय के मुद्दों पर कलेक्टर ने कहा कि टीएल की बैठक के मुख्य उद्देश्य के अनुसार विभागों की आपसी समस्यायें और समन्वय संबंधी मुद्दे बैठक में रखे जाये, ताकि उनका मौके पर निराकरण हो सके। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग अपने यहां लंबित शिकायतों पर फोकस कर ए-ग्रेड में आने और टाप फाइव श्रेणी में रहने का प्रयास करें। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम नागार्जुन बी. गौडा, सीईओ जिला पंचायत सपना त्रिपाठी, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, सुभाष मिश्रा, एलआर जांगडे, डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग की सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान डी-श्रेणी में रही तहसीलों के तहसीलदारों को एसीआर की चेतावनी के साथ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इनमें सतना शहरी, कोटर और नागौद तहसील शामिल है। कलेक्टर ने जनगणना कार्य की तैयारियों की भी समीक्षा की। जिला जनगणना अधिकारी अपर कलेक्टर विकास सिंह ने बताया कि 21 दिसम्बर से चार्ज स्तर पर प्रशिक्षण की शुरूआत होगी। इसके पूर्व गणना ब्लाक के मान से डाटा तैयार किया जायेगा। उन्होंने चार्ज अधिकारियों को प्रशिक्षण स्थलों का चयन कर आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों की बोर्ड परीक्षायें मार्च 2027 में प्रारंभ होगी। इन स्कूलों और बोर्ड की कक्षाओं में पढाने वाले विषय शिक्षकों की डयूटी जनगणना कार्य में नहीं लगाई जाये। बाढ राहत और आरबीसी 6-4 के प्रकरणों में विलम्ब पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कहा कि बाढ से प्रभावित परिवारों को 50 किलो मुफ्त खाद्यान्न का वितरण अतिशीघ्र पूरा करें। इसी प्रकार बाढ सहायता राशि के हितग्राही के खाते में फेल हुए प्रकरणों की समीक्षा करें और शत-प्रतिशत प्रभावित व्यक्तियों को भुगतान सुनिश्चित कराये। एसडीएम इन प्रकरणों की प्रतिदिन समीक्षा करें। अगली टीएल में राहत सामग्री वितरण की पुन: समीक्षा की जायेगी।

श्रम विभाग की संबल योजना और अनुग्रह सहायता वितरण की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि अनुग्रह सहायता के प्रकरण अधिकतम 60 दिवस में स्वीकृत हो जाने चाहिए। इसी प्रकार पंजीयन के प्रकरण भी समय-सीमा में किये जाये। स्वरोजगार की योजनाओं की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि पीएम स्व-निधि योजना में जिले में अच्छा काम हुआ है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उन्नयन योजना में भी अपेक्षित प्रगति लाये। उपार्जन की समीक्षा में बताया गया कि लगभग 36 हजार किसान पंजीकृत है। जिनका सत्यापन 20 नवम्बर तक पूर्ण किया जाना है।

खाद-बीज वितरण और उपलब्धता की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक पैक्स सोसायटी में यूरिया और डीएपी का पर्याप्त स्टाक कम से कम 5-5 टन हमेशा उपलब्ध रहना चाहिए। समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने स्वामित्व योजना, नक्शा विहीन ग्राम, फार्मर रजिस्ट्री, शासकीय विभागों को भूमि आवंटन, टीएल प्रकरण, राजस्व वसूली, विभागों में अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरण, सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण जिला खनिज प्रतिष्ठान के कार्य विकास परियोजनाओं, रेल्वे, सडक मार्ग और बरगी नहर के कार्यो की प्रगति की समीक्षा की।



रितेश बने कल्चुरि जिलाध्यक्ष

मण्डला(स्वतंत्रमत)। महाराजपुर स्टेशन रोड़ स्थित सहस्त्रबाहु तिराहा में हैहय क्षत्रिय कल्चुरि कलार समाज की आम सभा का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व प्रतीक्षित जिलाध्यक्ष के चुनाव पर आम सहमति बनी। जिसमें सर्वसम्मति से समाज के जिला अध्यक्ष पद हेतु एक मतेन रितेश राय पार्षद को 3 वर्ष के लिए जिला अध्यक्ष चुना गया रितेश राय के जिला अध्यक्ष चुने जाने पर पूर्व अध्यक्ष बीके राय, पूर्व अध्यक्ष जगदीश राय, महेन्द्र सिहारे, वीरेन्द्र वर्मा, मुकेश जायसवाल, संतोष जायसवाल, नितिन राय, प्रदीप चौधरी व समाज के सभी गणमान्य नागरिकों ने बधाई प्रेषित की है।

बाल दिवस पर गतिविधियों में सहभागिता

मण्डला(स्वतंत्रमत)। बाल दिवस के अवसर पर विकासखंड बीजाडांडी में एकलव्य के प्रयास एवं ऑरेकाल के वित्तीय सहयोग से संचालित 20 शिक्षा प्रोत्साहन केंद्र, 15 टेमिल केंद्र तथा 10 प्राथमिक विद्यालयों के लगभग 725 बच्चों, 25 पालकों, 17 शिक्षकों और 22 यूथ साथियों ने उत्साह पूर्वक बाल दिवस मनाया कार्यक्रम की शुरुआत भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर उनके जीवन बच्चों के प्रति प्रेम एवं बच्चों को देश के भविष्य और कल के जिम्मेदार नागरिक के रूप में देखने के उनके विचारों पर चर्चा के साथ हुई इसके पश्चात बच्चों ने सामूहिक कविता पाठ एवं गीत गायन में सहभागिता की। विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के अंतर्गत चित्रकला, ओरिगामी पेपर से तितली, चिड़िया, घर, नाव एवं मेंढक जैसी आकृतियां बनाईं बच्चों ने बाल साहित्य से अपनी पसंदीदा कहानियां सुनाकर अपनी कल्पना शीलता एवं अभिव्यक्ति को साझा किया कार्यक्रम में सामूहिक खेलों का भी आयोजन किया गया जिसमें डॉजबॉल कंगारू रिले जलेबी खाने की गतिविधि, न्यूज पेपर से तरह-तरह की टोपी बनाना तथा बोलो साथी कितने खेल खेले जैसे रोचक खेल शामिल रहे आयोजन के दौरान बच्चों पालकों शिक्षकों और यूथ साथियों में उत्साह उमंग और आनंद देखने को मिला सभी बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भागीदारी की।

28 को होगी प्रवेश परीक्षा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय पदमी में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2027 के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा का आयोजन 28 नवंबर को किया जाएगा। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थी जवाहर नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने सभी अभ्यर्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि परीक्षा से पूर्व प्रवेश पत्र डाउनलोड कर उसमें दर्ज विवरणों का परीक्षण कर लें ताकि परीक्षा के दिन किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सरकारी दावों की खुली पोल : लंबे समय से खाद्यान्न और भुगतान का संकट, आर्थिक तंगी से जूझ रहे स्व-सहायता समूह

मण्डला (स्वतंत्रमत)।





सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई मध्यान्ह भोजन योजना अब अव्यवस्था लापरवाही और सरकारी उदासीनता के चलते गंभीर संकट से गुजरती नजर आ रही है। जिस योजना को बच्चों के पोषण स्वास्थ्य और शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जाता है उसी योजना के संचालन की जिम्मेदारी संभालने वाले स्व-सहायता समूह आज आर्थिक तंगी और खाद्यान्न की अनियमित आपूर्ति से जूझने को मजबूर हैं। हालात ऐसे बनते जा रहे हैं कि न तो समय पर खाद्यान्न उपलब्ध हो पा रहा है और न ही भोजन तैयार करने के एवज में मिलने वाली निर्धारित राशि का भुगतान नियमित रूप से किया जा रहा है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब योजना संचालित करने वाले समूहों के पास राशन और पैसा दोनों का अभाव होगा तो आखिर सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को नियमित भोजन कैसे उपलब्ध कराया जाएगा जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों में मध्यान्ह भोजन योजना का संचालन करने वाले समूहों के सामने लंबे समय से आर्थिक और व्यवस्थागत परेशानियां बनी हुई हैं। समूहों की शिकायत है कि उन्हें निर्धारित समय पर भुगतान नहीं मिल रहा है। खाद्यान्न की उपलब्धता को लेकर भी नियमितता का अभाव बना हुआ है। इसके चलते योजना का संचालन करना दिन-ब-दिन मुश्किल होता जा रहा है। समूहों को कई बार अपनी जेब से पैसे खर्च कर भोजन की व्यवस्था करनी पड़ती है। लेकिन आखिर कब तक कोई समूह अपनी आर्थिक क्षमता से बाहर जाकर सरकारी योजना का संचालन करता रहेगा जब योजना के लिए शासन स्तर से बजट और खाद्यान्न का प्रावधान है तो फिर इसका भार संचालन करने वाले समूहों पर क्यों पड़ रहा है मध्यान्ह भोजन योजना के संचालन में लगे स्व-सहायता समूहों का कहना है कि भोजन तैयार करने के लिए आवश्यक सामग्री मसाले सब्जियां और अन्य व्यवस्थाओं पर नियमित खर्च होता है। इसके अलावा रसोइयों को पारिश्रमिक देना भी समूहों की जिम्मेदारी में शामिल है। लेकिन जब महीनों तक भुगतान लंबित रहता है तो रोजमर्रा के खर्चों का प्रबंधन करना कठिन हो जाता है। समूहों के सामने एक तरफ बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी है तो दूसरी तरफ दुकानदारों और अन्य आपूर्तिकर्ताओं का भुगतान करने का दबाव। उधारी की सीमा भी आखिर कितनी हो सकती है लगातार आर्थिक दबाव के कारण कई समूहों के लिए योजना का संचालन करना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। समूहों का कहना है कि शासन की ओर से मिलने वाली राशि समय पर उपलब्ध हो जाए तो भोजन की गुणवत्ता और नियमितता बनाए रखना आसान होगा। लेकिन भुगतान में अनिश्चितता के चलते उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह स्थिति केवल समूहों की समस्या नहीं है बल्कि उस पूरी व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है जिसका सीधा संबंध हजारों स्कूली बच्चों के दैनिक भोजन से है। योजना के संचालन में भुगतान के साथ-साथ खाद्यान्न की नियमित उपलब्धता भी बेहद जरूरी है। स्कूलों में निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन तैयार करने के लिए चावल और अन्य आवश्यक सामग्री की समय पर आपूर्ति होनी चाहिए। लेकिन यदि खाद्यान्न ही समय पर उपलब्ध नहीं होगा तो भोजन तैयार करने की व्यवस्था प्रभावित होना स्वाभाविक है। समूहों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि उन्हें बच्चों को नियमित भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी तो दी गई है लेकिन इसके लिए जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। ऐसी परिस्थितियों में समूहों को स्थानीय स्तर पर व्यवस्था बनानी पड़ती है। सवाल यह भी है कि खाद्यान्न वितरण और आपूर्ति की जिम्मेदारी जिन विभागों एवं अधिकारियों के पास है वे इस समस्या का स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाल पा रहे हैं आखिर खाद्यान्न की आपूर्ति में देरी का कारण क्या है क्या विभागीय स्तर पर समन्वय की कमी है या फिर वितरण व्यवस्था में कोई तकनीकी अथवा प्रशासनिक समस्या है यदि समस्या है तो उसका समाधान समय रहते क्यों नहीं किया जा रहा मध्यान्ह भोजन योजना की सफलता में रसोइयों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

सुबह से स्कूलों में पहुंचकर भोजन तैयार करना बच्चों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार खाना परोसना और भोजन की व्यवस्था बनाए रखना उनकी दैनिक जिम्मेदारी है। इसके बावजूद समय पर पारिश्रमिक नहीं मिलने की शिकायतें सामने आना चिंता का विषय है। कम मानदेय में काम करने वाले रसोइयों के लिए समय पर मिलने वाला पारिश्रमिक ही परिवार के खर्चों का महत्वपूर्ण सहारा होता है। ऐसे में यदि उन्हें भी भुगतान के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़े, तो उनकी आर्थिक परेशानियां बढ़ना स्वाभाविक है। एक तरफ सरकार महिला सशक्तीकरण और आजीविका संवर्धन की बात करती है वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूलों में बच्चों का भोजन तैयार करने वाली महिलाओं को समय पर पारिश्रमिक उपलब्ध नहीं हो पाना व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

किंगफिशर के नौ साल पूरे, ग्राहकों को मिलेंगे ऑफर

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में मनोरंजन खानपान और पारिवारिक आयोजन के लिए पहचान बना चुके किंगफिशर मंडला ने अपनी यात्रा के नौ वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर संस्थान की ओर से आकर्षक वर्षगांठ संदेश जारी कर विशेष ऑफर ग्राहको के लिए निकाले है इन ऑफर में जीईटी प्लेट 50 प्रतिशत ऑफ जैसे ऑफर निकालकर ग्राहकों को 9 वर्ष पूरे होने की सौंगात दी है। अब तक के सफर और ग्राहकों के साथ बने जुड़ाव को रेखांकित किया गया है। किंगफिशर की पहचान केवल एक डेस्टिनेशन के रूप में नहीं बल्कि हर उम्र के लोगों के लिए एक खास अनुभव के रूप में प्रस्तुत की गई है रायपुर रोड महाराजपुर पौंडी स्थित किंगफिशर में मनोरंजन और खानपान की विभिन्न सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हैं। यहां वॉटर पार्क रंगोली रेस्टोरेंट मल्टीप्लेक्स और बैंक्वेट जैसी



सुविधाएं मौजूद हैं।

इन सुविधाओं के चलते परिवार के साथ समय बिताने दोस्तों के साथ मनोरंजन करने और विशेष अवसरों को यादगार बनाने के लिए यह एक प्रमुख विकल्प के रूप में सामने आया है संस्थान की नौवीं वर्षगांठ इस बात का प्रतीक है कि पिछले नौ वर्षों में किंगफिशर मंडला ने पूरे महाकौशल में अपनी अलग पहचान बनाई है। मनोरंजन के साथ स्वादिष्ट भोजन और सामाजिक आयोजनों की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास इसकी विशेषता रही है। एक ही स्थान पर अलग-अलग जरूरतों के अनुरूप सुविधाएं होने से लोगों को अपनी पसंद के अनुसार समय बिताने का अवसर मिलता है किंगफिशर परिसर में उपलब्ध वॉटर पार्क लोगों को मनोरंजन का अवसर प्रदान करता है वहीं रंगोली रेस्टोरेंट में खानपान की सुविधा है। मल्टीप्लेक्स के माध्यम से फिल्म देखने का अनुभव मिलता है और बैंक्वेट हॉल में विभिन्न आयोजन के लिए स्थान उपलब्ध है। इस तरह संस्थान मनोरंजन खानपान और समारोहों के लिए एक ही छत के नीचे कई विकल्प उपलब्ध कराता है नौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर संस्थान ने अपने संदेश में हर पल को खास बनाने की भावना को प्रमुखता दी है। वर्षगांठ के माध्यम से ग्राहकों के साथ बने संबंधों और उनके विश्वास को भी रेखांकित किया गया है शादी विवाह जन्मदिन में विशेष आकृषण साज सज्जा के लिए किंगफिशर लोगों के मन में बस चुका है वहीं मीटिंग, प्रेसकॉन्फ्रेंस, सम्मेलन के लिए भी सुविधाएं उपलब्ध हैं। बड़े-बड़े हॉल के साथ कॉन्फ्रेंस सुविधा उपलब्ध है। किंगफिशर मंडला रायपुर रोड महाराजपुर में स्थित है। संस्थान से संपर्क के लिए 9926938111, 9926203111, 8982262511 और 9589397222 नंबर जारी किए गए हैं।

नारी विकास समिति ने मनाया दीपोत्सव

मण्डला(स्वतंत्रमत)।



नारी विकास समिति में दीपोत्सव का कार्यक्रम उत्साह के साथ दीपक जलाकर मनाया गया। कार्यक्रम में फूलों की रंगोली व दीप जलाकर नृत्य गीत विविध वेशभूषा व प्रश्न मंच के साथ मनाया गया। दीपोत्सव कार्यक्रम में अध्यक्षता श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल ने की। वहीं मुख्य अतिथि श्रीमती कुमरे मैडम रही। श्रीमती सुषमा मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंची।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अर्चना जैन द्वारा किया गया। प्रायोजक श्रीमती अनीता दुबे व निधि अग्रवाल की रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां लक्ष्मी और सरस्वती की पूजन दीप प्रज्वलन से किया गया कार्यक्रम शुभारंभ में श्रीमती अनीता दुबे द्वारा दीपावली से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे गये जिसमें अधिक उत्तर देने वालों को इनाम प्रदान किये गये। इसी श्रृंखला में कागज में कैच बनाने बिना देखे की प्रतियोगिता हुई।

श्रीमति निधि अग्रवाल द्वारा विभिन्न वेशभूषा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जो कि दीपावली से जुड़े व्यवसाय व दुआएं देने वाले रूप में महिलाओं ने वेशभूषा धारण की श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल डॉक्टर, श्रीमती अर्चना जैन दीया वाली, श्रीमती रेखा बाल के बदले बर्तन वाली, श्रीमती रजनी ने किन्नर का, श्रीमती रानी गुप्ता ने देवी का रूप व रश्मि मिश्रा ने नर्मदा परिक्रमावासी भीख मांगते, श्रीमती नीता खरबंदा ने काम वाली बाई का, मीनल ने डस्टिंग वाली बाई ज्योति पमनानी ने भी हेल्पर का रूप प्रस्तुत किया कार्यक्रम निर्णायक डॉ. रश्मि वाजपेयी व सुषमा मिश्रा रही।

सीईओ ने किया छात्रावास का निरीक्षण



मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)। जनपद पंचायत घुघरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजाराम मरावी ने नगर के दो प्रमुख छात्रावासों का निरीक्षण किया सीईओ ने वीरांगना रानी दुर्गावती कन्या छात्रावास घुघरी का निरीक्षण किया साथ ही शासकीय उत्कृष्ट सीनियर आदिवासी छात्रावास घुघरी पहुंचे। उनके साथ पंचायत इंस्पेक्टर बसंत राव मरावी विकासखंड शिक्षा अधिकारी आरएल उईके एवं ब्लॉक संयोजक सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे निरीक्षण के दौरान सीईओ ने छात्रावास में बच्चों के लिए बनने वाले भोजन की गुणवत्ता, रसोई घर, पीने के पानी, रहन-सहन, बिस्तर, शौचालय और परिसर की स्वच्छता का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधीक्षकों से छात्र-छात्राओं की उपस्थिति स्वास्थ्य और अध्ययन की जानकारी ली तथा कमियां मिलने पर तत्काल सुधार के निर्देश दिए निरीक्षण के उपरांत छात्रावास परिसर में भगवान बिरसा मुंडा की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया सीईओ राजाराम मरावी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि छात्रावास ही उनका दूसरा घर है यहां अनुशासन और पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें।

श्री शिव नर्मदा महापुराण को लेकर पूजन



मण्डला(स्वतंत्रमत)। पीडब्ल्यूडी कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में आगामी 25 दिसंबर से श्री शिव-नर्मदा महापुराण प्रारंभ होने जा रहा है। जिसके सफल आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों ने सिद्ध घाट छोटे रपटा घाट में मां नर्मदा एवं भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। समिति के सदस्यों ने मां नर्मदा के श्रीचरणों में नमन करते हुए श्री शिव-नर्मदा महापुराण कार्यक्रम को भव्य दिव्य एवं सफल बनाने का आशीर्वाद मांगा। धर्म आस्था और भक्ति से जुड़े इस आयोजन में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं की सहभागिता हो तथा पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो। इस दौरान सोनल बर्मन, मुकेश चौरसिया, अर्जुन कुशवाहा, नरेश कछवाहा, नीरज कोष्टा, मनोज ताम्रकार, गणेश बरमैया, प्रदीप दुबे, सोनू सिंधिया, रामकिशन बर्मन, रामभजन चौरसिया, आनंद कछवाहा, रामप्रवेश बर्मन, किशोर रजक, विजय पद्धति, साधना सिंह, शिखा सोनी, श्रृद्धा बर्मन, अनंत कोरी, पूजा सिंधिया, प्रीति बर्मन, पूनम दुबे, उत्कर्ष अग्रवाल, सीता परतेती, ममता बैरागी, दुर्गेश अग्रवाल, पंचेश्वरी चौरसिया, पूनम बरमैया, रिंकी रोहरा, बसंती बाई, रेशमा केवट, बबिता नंदा, सरिता साहू, पूजा, ललिता एवं सोनम यादव सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जंगल में चल रहा था जुआ

मण्डला। महाराजपुर थाना पुलिस ने ग्राम रामनगर में मोती महल के पास जंगल में संचालित जुआ फड़ पर दबिश देकर 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 47 हजार 200 रुपये नकद दो कार पांच मोटरसाइकिल ताश के पत्ते और बैटरी एलईडी लाइट सहित कुल 31 लाख 85 हजार 700 रुपये का मशरूका जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार 15 नवंबर को महाराजपुर थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रामनगर स्थित मोती महल के पास जंगल में कुछ लोग ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं।

मड़ई मेले से बाजार की रौनक गायब व्यापारियों के चेहरे पर छाई मायूसी

कभी मेले के दौरान गुलजार रहता था नैनपुर का बाजार, इस बार फीकी नजर आई रौनक दुकानदारों को ग्राहकों का इंतजार

नैनपुर (स्वतंत्रमत)।

मंडई मेले का नाम आते ही नगर में उत्साह, चहल-पहल और खरीदारी का माहौल याद आने लगता है। कभी मंडई मेले के दौरान नैनपुर का बाजार सुबह से देर रात तक गुलजार रहता था। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग मेले में पहुंचते थे। बाजार में कपड़े, बर्तन, मिठाई, खिलौने, घरेलू सामान और अन्य दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ दिखाई देती थी। लेकिन इस बार मंडई मेले की रौनक बाजार में पहले जैसी नजर नहीं आ रही है। मेले के दौरान बाजार में जिस प्रकार की भीड़ और खरीदारी होती थी, उसमें कमी महसूस की जा रही है। इसका असर स्थानीय व्यापारियों के कारोबार पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है। दुकानदारों को उम्मीद थी कि मंडई मेले के अवसर पर अच्छी बिक्री होगी और साल के इस खास मौके पर कारोबार में तेजी आएगी, लेकिन बाजार की स्थिति देखकर व्यापारियों में मायूसी है।

ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले ग्राहकों की कमी बनी चिंता

मंडई मेला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय व्यापार को गति देने वाला महत्वपूर्ण आयोजन भी रहा है। आसपास के गांवों से आने वाले लोग मेले के साथ-साथ नगर के बाजारों में भी खरीदारी करते थे। इससे छोटे-बड़े सभी व्यापारियों को लाभ मिलता था। लेकिन बाजार में अपेक्षित चहल-पहल नहीं होने से व्यापारियों के सामने आर्थिक चिंता खड़ी हो रही है।

क्या बदल गया मंडई मेले का स्वरूप?

स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा का विषय है कि आखिर मंडई मेले की पुरानी रौनक क्यों कम होती जा रही है? क्या मेले के आयोजन में पहले जैसी आकर्षण की कमी है या बाजार और मेले के बीच पुराना जुड़ाव कमजोर हो गया है? इन सवालों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। नगर के व्यापारियों और नागरिकों का मानना है कि मंडई मेले को केवल परंपरा निभाने तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे ऐसा स्वरूप दिया जाना चाहिए जिससे नगर के बाजार को भी इसका लाभ मिल सके।

व्यापारियों को है पुरानी रौनक लौटने का इंतजार

मंडई मेले की पहचान और नैनपुर के बाजार की पुरानी चमक वापस लाने के लिए व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों और आयोजन समिति को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है। बेहतर व्यवस्थाएं, आकर्षक आयोजन और प्रचार-प्रसार के माध्यम से मेले को फिर से जनभागीदारी वाला उत्सव बनाया जा सकता है। अब सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार लोग मंडई मेले की घटती रौनक और स्थानीय व्यापारियों की परेशानी पर ध्यान देंगे, या फिर नैनपुर का बाजार इसी तरह ग्राहकों की राह देखता रहेगा?

बिरसा मुंडा जयंती पर संगोष्ठी

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जनजातीय गौरव दिवस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में शासकीय स्नातकोत्तर रानी दुर्गावती महाविद्यालय के सेमीनार हॉल में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की नियमित कक्षा के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति से सम्मानित डॉ प्रमोद मरावी, विकास खण्ड समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग,विशिष्ट अतिथि हरेंद्र मसराम जनपद पंचायत मंडला के सदस्य, सुरेन्द्र गुप्ता प्रबंधक एक गांव टेक्नोलॉजी, गोविन्द सिंह पुसाम सरपंच ग्राम पंचायत तिंदनी तथा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के विकास खण्ड समन्वयक संतोष कुमार झारिया मंचासीन रहे।

सरस्वती विद्यालय में सजा बाल मेला

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। सरस्वती शिशु उच्च माध्यमिक विद्यालय में बाल दिवस के अवसर पर बाल मेले का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू के तैल्यचित्र पर दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ इस अवसर पर जगमंडल बाल कल्याण समिति के विशिष्ट पदाधिकारी उपस्थित रहे जिनमें व्यवस्थापक रिखीराम परस्ते कोषाध्यक्ष अशोक नानकानी उपाध्यक्ष उदय सिंह उइके सचिव किशोरी लाल साहू, प्रबंधक राम बहोरी पटेल एवं प्राचार्य आकाश चौरसिया प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति मण्डला जिला मण्डला

क्रमांक/मंडी/तौल कांटा /2026-27/660 मण्डला दिनांक 16.11.26

निविदा आमंत्रण सूचना द्वितीय

कृषि उपज मण्डी समिति मण्डला (ब) श्रेणी मण्डी द्वारा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से स्वयं के व्यय पर बिल्ट ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर (बी.ओ.टी.) के तहत् (इलेक्ट्रानिक तौल कांटा 10 एम.टी.) संरचना की स्थापना एवं संचालन हेतु वार्षिक प्रीमियम के आधार पर निविदा सिस्टम क्रमांक 2026.एमपीएसएएम.549796.1 के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदायें दिनांक 02.12.2026 को शाम 3:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल **https://mptenders.gov.in** पर प्राप्त होगी उक्त निविदा के संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल **www.mpmandi-board.co.in** पर भी अवलोकनीय होगी ।

नोटः- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संसोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी ।

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति
मण्डला जिला मण्डला
दिनांक 16.11.2026

न्यायालय तहसीलदार नैनपुर जिला मण्डला

क्रमांक/तह./प्रवा./2026/ नैनपुर दिनाँक 12/11/26
प्र.क्र.....(अ-20(3) 26-27

// इश्तहार //

एतद् द्वारा आम जनता सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम मक्के तहसील नैनुपर जिला मण्डला को सूचित किया जाता है कि ग्राम मक्के प.ह.न.30 रा.नि.सं. नैनपुर में स्थित शासकीय भूमि ख.नं. 271 रकबा 1.15/हे. मद शासकीय मे से रकबा 0.13,10317 वर्गफुट/ हे. भूमि सरस्वती शिशु मंदिर हेतु भूमि की आवंटन के लिये आवेदक/विभाग संस्था ग्राम भारती मण्डला के द्वारा भूमि आवंटन की मांग हेतु आवेदन पत्र श्रीमान् कलेक्टर महो.मण्डला के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण जॉच प्रतिवेदन हेतु अनुविभागीय अधिकारी नैनपुर के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। अतः एतद द्वारा इस इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित भूमि के सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो आप स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 26/11/2026 को दिन के 11.00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

तहसीलदार
नैनपुर

संपादकीय

सुपर पॉवर भी बेबस

'सुपर पॉवर' अमरीका में ही दुनिया की विख्यात कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की डिजिटल सेवाएं 30 लंबे घंटों तक बाधित रहीं, नतीजतन 74 देशों में करोड़ों यूजर्स असहाय हो गए। इंटरनेट ठप हो गए, लिहाजा मेल भी नहीं भेजी जा सकीं। अमरीका के विमान साढ़े 4 घंटे तक जमीन पर रहे। उड़ानें ठप हो गईं। उस दौरान करीब 3500 विमान आसमान में उड़ान भर रहे थे, उन्हें तुरंत आसपास के हवाई अड्डे पर उतरने के आदेश दिए गए। करीब 13,000 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। कुछ ने यह आंकड़ा 9000 बताया है। जो भी है, लेकिन 15 लाख से अधिक हवाई यात्रियों को प्रभावित होना पड़ा। हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मच गई। विमानन का यह संकट अमरीका ने पहली बार नहीं झेला है, बल्कि 9/11 आतंकी हमले के बाद भी उसके सुपर, अत्याधुनिक, कथित सर्वश्रेष्ठ करीब 4500 विमानों को जमीन सूंघनी पड़ी थी। क्या यह संचार प्रणाली के फेल होने की ही घटना थी अथवा कोई बड़ा, सटीक साइबर हमला किया गया था? साइबर हमला न तो राष्ट्रपति ट्रंप और उनके मंत्रियों ने कबूल किया है और न ही माइक्रोसॉफ्ट ने स्वीकार किया है। 'सुपर पॉवर' ऐसे हमले कैसे और क्यों स्वीकार करेगा? लेकिन सवाल सहज है कि फिर इतने व्यापक स्तर पर सिस्टम फेल कैसे हो गए? वे ठप क्यों हुए? यदि 9/11 आतंकी हमले की पुनरावृत्ति नहीं हुई, तो विमानों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के तमाम सिस्टम एक साथ फेल कैसे हो गए? विमानन में एक नहीं, कई वैकल्पिक सिस्टम होते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि विमान और एटीसी के सभी सिस्टम एक साथ फेल हो ही नहीं सकते। क्या आज भी अमरीकी विमानन संचार प्रणाली 1980 के तांबे की तारों के भरोसे चल रही है? उन्हें अपग्रेड किया जा रहा था। यह राष्ट्रपति ट्रंप ने भी माना है कि सिस्टम 'आउटडेटेड' हो गया था, लिहाजा उसे अपग्रेड करने के लिए 30.1 अरब डॉलर का तुरंत बजट अमरीकी कांग्रेस से मांगा गया था, लेकिन इस मांग के ही अगले दिन सिस्टम ध्वस्त हो गया। यह वाकई आश्चर्य है। अमरीका की प्रौद्योगिकीय विश्वसनीयता पर सवाल किए जा रहे हैं। क्या यही 'सुपर पॉवर' का अंदरूनी सच है? सवाल यह भी है कि एक साथ 22 एटीसी केंद्रों पर एआई टूल कैसे फेल साबित हुए? क्या यह एआई हमला भी हो सकता है? इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार विजेता ब्रिटिश-कनाडाई कंप्यूटर वैज्ञानिक जेफ्री हिंटन की चेतावनी गौरतलब है, जिसमें कहा गया था कि आगामी तीन साल में एआई मानवता पर हावी हो जाएगी। इंसान के अस्तित्व के लिए खतरा साबित होगी। क्या सिस्टम का यह ध्वस्तीकरण उस दौर की भूमिका लिख गया है? अमरीका दुनिया के देशों को विमान, प्रौद्योगिकी, टूल्स और बहुत कुछ बेचता है और एकमात्र 'सुपर पॉवर' होने के दंभ पालता है। बीते दिनों ईरान ने अमरीका पर अप्रत्याशित, अकल्पनीय हमले करने की कई बार चेतावनियां, धमकियां दी हैं। क्या ईरान, चीन या रूस के सहयोग से, ऐसा हमला कर सकता है कि अमरीकी विमान व्यवस्था ही जमींदोज हो जाए? जनवरी 2023 में भी एफएए के मुख्य कंप्यूटर सिस्टम में ऐसी खराबी आई थी कि 10,800 विमानों की सेवाएं एकदम ठप हो गई थीं। होमलैंड, ट्रेजरी विभाग, पेंटागन में साइबर हमले से सब कुछ निष्क्रिय हो गया था। नतीजतन तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन को 'आपातकाल' घोषित करना पड़ा था। बहरहाल यह समय और दौर साइबर और एआई का है, लिहाजा ऐसे संकट अमरीका ही नहीं, यूरोप और खासकर भारत में भी पैदा हो सकते हैं। भारत का मुख्य सर्वर ही विदेशी है। एआई के लिए फिलहाल हम विदेशी कंपनियों पर ही आश्रित हैं। भारत के विमान भी विदेशी हैं, ज्यादातर अत्याधुनिक प्रणाली के नहीं हैं। भारत में एयर ट्रैफिक बढ़ रहा है। विमानन ढांचे के साथ-साथ एटीसी को भी अधिक दुरुस्त करना पड़ेगा। भारत को समय रहते यह कदम उठाने होंगे ताकि उसे अमरीका जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने

भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी



प्रह्लाद सबनानी
सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है।

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को बीमारु राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी।

वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अत: उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है।

वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके।



उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को बीमारु राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है।

हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है। राजस्थान भी 10 वर्ष पूर्व ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या को कम करने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज उत्तर प्रदेश, देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। राजस्थान 6ठे स्थान पर, मध्य प्रदेश 10वें स्थान पर एवं बिहार 14वें स्थान पर आ गए हैं।

हाल ही के समय में उक्त चारों राज्यों में आर्थिक विकास ने कुछ गति जरूर पकड़ी है परंतु यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि इन चारों राज्यों की तुलना में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली आदि राज्य तुलनात्मक रूप से बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं बिहार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के लिए मित्रवत नीतियों को बनाकर औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को इन राज्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन राज्यों में कृषि के क्षेत्र पर दबाव कम हो एवं उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान न केवल सकल घरेलू उत्पाद में बल्कि रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में भी बढ़े।

आज, उक्त चारों राज्य बीमारु राज्य की श्रेणी से तो बाहर निकल आए हैं, परंतु भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अपने योगदान को बढ़ाने के लिए इन राज्यों को विशेष प्रयास करने होंगे। इन राज्यों के नागरिकों को आगे आने वाले कुछ वर्षों तक केवल अपने प्रदेश के आर्थिक विकास पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। इन राज्यों में विभिन्न समाजों को विशेष प्रयास करते हुए, प्रदेश में किसी भी प्रकार का आंदोलन नहीं होने देना चाहिए। दरअसल, भारत आज विकास के उस चक्र में पहुंच गया है, जहां किसी भी प्रकार का आंदोलन देश के आर्थिक विकास की गति को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। अत: समाज की सज्जन शक्ति को इस ओर विशेष ध्यान देकर समस्त समाज के नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत करते हुए प्रदेश में शांति स्थापित करने के प्रयास तेज करने की आवश्यकता है। प्रदेश की सरकारें तो आर्थिक नीतियों को लागू करने के प्रयास कर ही रही हैं परंतु, समाज को भी संगठित होकर अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करने की महती आवश्यकता है। प्रदेश का आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना, अर्थात मां भारती को पुन: विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ करने की ओर एक कदम बढ़ाने का प्रयास माना जाना चाहिए। आज उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात द्वारा अपने प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आकार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर ले जाने के भरपूर प्रयास किया जा रहे हैं। इसी प्रकार के प्रयास, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं बिहार राज्यों द्वारा भी किए जाने चाहिए, ताकि शीघ्र ही भारत की अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर लाया जा सके एवं भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके।

प्रकाश के पर्व पर हिंसा का घोर अंधेरा



पं. नरेश शर्मा
राज्य पुलिस सेवा,
से.नि. नगर पुलिस अधीक्षक, जबलपुर

भारतीय समाज में आज भी सामूहिक शक्ति का महत्वपूर्ण स्थान है। अधिकांश अपराध तो इसी प्रभाव में नियंत्रित हो जाते हैं। समय की गति के साथ साथ शनैःशनैः इस शक्ति का ह्रास हो रहा है। रिश्तेदारों ,वरिष्ठ जनों एवम् परिचितों की आंखों का लिहाज समाप्त होता जा रहा है। समाज की शक्ति जब इस प्रकार क्षीण होने लगती है तबसोशल पुलिसिंग में प्राण फूंककर उसे सक्रिय करना अवश्यम्भावी हो जाता है।

यह आंकड़ा भयभीत करने के लिए पर्याप्त है कि भारत में एक लाख लोगों की सुरक्षा हेतु लगभग 200 पुलिस अधिकारी ही स्वीकृत हैं। जबकि बड़ी संख्या में पुलिस विभाग में पद रिक्त होने के कारण वास्तविक बल की उपलब्धता,स्वीकृत बल की तुलना में काफी कम है । एक तथ्यात्मक गणना यह भी है कि भारत में औसतन लगभग 645 से 650 नागरिकों की सुरक्षा का दायित्व मात्र एक पुलिसकर्मी पर है । मध्य प्रदेश जैसे बड़े प्रांतों में यह आंकड़ा राष्ट्रीय औसत से भी कम है ।

यह अत्यंत दुर्भाग्य का विषय है कि दीपावली के प्रकाश उत्सव जैसे सबसे पवित्र,शालीन,सुन्दर,मनोरम पर्व पर जो भाईचारा,सद्भावना के साथ आपसी मनमुटाव को विसरने का संदेश देता है । यह अवसर सभी के साथ हर्षोल्लास से इस पर्व को मनाने की प्रेरणा भी देता है । इसी पवित्र दिन जबलपुर जिसे संत विनोबा भावे ने संस्कारधानी शब्द से अलंकृत किया है, की सड़कों को तत्वों ने खूनी संघर्ष कर रक्तरंजित कर दिया। जबलपुर के घमापुर,गोरखपुर,गौरी घाट एवं चरगवाँ थानान्तर्गत क्षेत्र में पांच हत्याएं की गई। जिस रात शहर को रोशनी से जगमगाना था, उस रात बेखौफ खून की होली खेली गई।

कानून की रक्षक पुलिस लाचार नजर आ रही है। इस अव्यवस्था एवं दुर्दान्तता के मेरी समझ में प्रमुख पाँच कारण हैं सामाजिक- सामूहिक शक्ति का क्षीण होना,वरिष्ठों की नजरों का लिहाज समाप्त होना, सामुदायिक पुलिसिंग का पुलिस द्वारा महत्व न समझना,पुलिस बल की कमी एवं उपलब्ध बल का निष्क्रिय प्राय होना। जहाँ एक और पुलिस बल लाचार एवं निष्क्रिय है वहीं दूसरी ओर पर्यवेक्षण की असक्षमता भी स्पष्ट दृष्टिगत है जो अत्यन्त चिंतनीय है। प्रश्न यह है कि जब इस पवित्र पर एवं सदियों से शांतिपूर्वक मनाये जाने वाले दीपावली पर्व पर भी समाज सुरक्षित नहीं है तो पुलिस के होने..ना होने के क्या मायने हैं ? मैंने पूर्व में भी लिखा था कि थानेदारों को अपने कार्पोरेट कार्यालय से बाहर निकलना होगा, उन्हें अपनी पदस्थापना को संविदा नियुक्ति न समझकर मात्र कार्यकाल पूर्ण करने की औपचारिकता से ऊपर उठकर कार्य करना होगा । ज़ीरो रिस्पॉन्स टाइम नियम को आत्मसात करना होगा। वरिष्ठ अधिकारियों को भी सूक्ष्मता से संबंधित पुलिस अधिकारियों के उत्तरदायित्व का निर्धारण करना होगा । अन्यथा इस प्रकार की घटनाओं से पुलिस के प्रति असंतोष,रोष उत्पन्न होगा एवम् कालान्तर में यह सामूहिक भर्त्सना का कारण बनेगा ।

वर्षों के निरंतर कठिन प्रयासों एवम् न्यायसंगत प्रयोग व कठोर निर्णयों के परिणामत: यह शहर अपराधियों के भय से मुक्त हुआ है किंतु संस्कारधानी जबलपुर में एक बार पुन: निरंकुश अपराधियों के हाथों में अवैध कट्टे (फायर आर्म्स) व बटनदार चाकू चमक रहे हैं। ये तत्व कानून व्यवस्था को धता दिखाकर जिम्मेदारों को चिड़ा रहे हैं। विचारणीय यह है कि इन तत्वों के पास अवैध घातक शस्त्र आखिर आ कहाँ से रहे हैं? इन शस्त्रों का स्रोत क्या है? अनुसंधान में पुलिस का परत दर परत उस स्रोत तक पहुँचना भी अनिवार्य है।

अत्यंत दुखित करने योग्य आश्चर्यजनक तथ्य यह भी है कि मेरे सहधर्मी अपने अन्य-धर्मी या पर-धर्मी सहजीवियों के आचरण से कोई सीख क्यों नहीं ले रहे ! वे सभी अन्य-धर्मी या पर-धर्मी भाई सम्मान एवम् बधाई के पात्र हैं कि वे अपने त्यौहारों पर कभी खून खराबा तो दूर वाद विवाद से भी परे रहते हैं । मुझे तो यह कहते हुए अत्यंत वेदना,पीड़ा एवं क्षोभ का अनुभव हो रहा है कि आतिशबाजी के शोर में पीड़ितों की चीखें दब गई व इन घटनाओं से संस्कारधानी लहूलुहान हो गई।

दीपावली जैसे पावन पर्व पर घटित इन घृणित घटनाओं के कारण धर्म विशेष का अनुयायी होने एवं सेवानिवृत पुलिसकर्मी होने के कारण मुझे दोहरे दुःख एवम् अत्यंत शर्मिंदगी का अनुभव हो रहा है ।

अमावस के अंधेरों को
चीरने वाले दीपों पर,
रंजिशों के खंजर भारी हो गए ।
गफलतबाजी से संस्कारधानी
के दामन पर,
रक्त के अमिट दाग जारी हो गए ।
सबको सम्मति दें भगवान।

विचार ही जीवन को रंग देते हैं, सकारात्मक बातों से नई दिशा और सुंदरता

ज्योति भास्कर

जिस प्रकार प्रात:काल सूर्य की किरणों के सामने अंधकार को विवश होकर भागना पड़ता है, उसी प्रकार सच्चे विश्वास और पवित्रता से भरे हृदय में उठने वाले अच्छे विचारों के सामने कोई भी बुराई टिक नहीं सकती। जहां अटल विश्वास और सच्ची पवित्रता होती है, वहीं स्वास्थ्य है, सफलता है और शक्ति है। ऐसे मनुष्य के जीवन में रोग, असफलता और विपत्तियां अधिक समय तक नहीं टिक सकतीं, क्योंकि उसके भीतर इनके पनपने का कोई आधार ही नहीं होता। अक्सर हमारी मानसिक अवस्था ही हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। आज का विज्ञान भी इस सत्य को पहले से कहीं अधिक गंभीरता से समझने लगा है। अब यह विचार प्रबल हो रहा है कि मनुष्य अपने शरीर से कहीं अधिक श्रेष्ठ है और उसका शरीर उसकी विचार-शक्ति से गहराई से प्रभावित होता है। संसार की कोई भी बुराई ऐसी नहीं, जिसकी जड़ हमारे मन में न हो। हमारे पाप, रोग, दुख और कष्ट केवल बाहरी परिस्थितियों से पैदा नहीं होते और न ही वे स्वाभाविक रूप से हमसे आकर चिपक जाते हैं। जब हम अपने विचारों को दूषित होने देते हैं, तब हमें उनके परिणामस्वरूप अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।



कहा जाता है कि प्राचीन भारत में दार्शनिकों का एक ऐसा वर्ग था, जो अत्यंत पवित्रता और सादगी से जीवन व्यतीत करता था। सामान्यत: वे लोग 150 वर्ष तक जीवित रहते थे। यदि आप क्रोध, चिंता, ईर्ष्या, लोभ या किसी अन्य नकारात्मक मानसिक अवस्था के वश में रहते हैं, फिर भी पूर्ण स्वास्थ्य की आशा करते हैं, तो आप असंभव चीज की कल्पना कर रहे हैं।

ऐसा इसलिए, क्योंकि इन भावनाओं के साथ आप निरंतर अपने भीतर रोग के बीज बो रहे होते हैं। यदि आप शारीरिक पीड़ाओं और कष्टों से मुक्त होकर स्वस्थ एवं आनंदमय जीवन जीना चाहते हैं, तो सबसे पहले अपने मन को शांत और स्थिर रखना होगा। अपने विचारों में संतुलन और सामंजस्य लाना होगा। अपने मन में आनंद, प्रेम और सद्भाव के भावों को स्थान देना होगा। लोक-कल्याण और परोपकार की भावना को अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। जब आपके भीतर ऐसे विचारों का प्रवाह होगा, तो आपका जीवन स्वयं सकारात्मक बदलाव की ओर बढ़ने लगेगा।

अपने मन से ईर्ष्या, दुख, संदेह, चिंता, घृणा और स्वार्थ जैसी नकारात्मक भावनाओं को बाहर निकाल फेंकिए। विचारों को निर्मल और सकारात्मक बनाइए। सकारात्मक सोच न केवल आपके नजरिये को बदलती है, बल्कि जीवन को बेहतर दिशा देने की क्षमता भी रखती है। याद रखिए, सुखी और स्वस्थ जीवन का पहला कदम मन की शुद्धता और विचारों की सकारात्मकता है।

किताब, चुप्पियां और सवाल: लेखिका ने जीवन के अहम अनुभवों को साझा किया, बिलॉन्गिंग में किसकी आवाज सर्वाधिक मुखर?

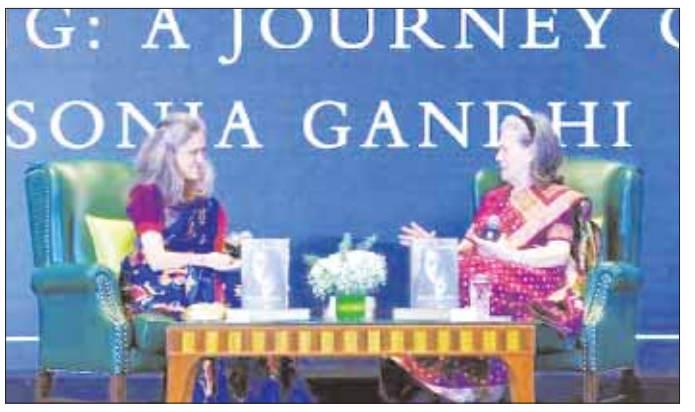
एस प्रसन्नराजन

साहित्य के बेहतरीन क्षणों में कई बार इतिहास की निश्चितता की जगह स्मृतियों की स्पष्टता ले लेती है। यही वजह है कि एक अच्छी आत्मकथा में रचनात्मक स्वतंत्रता और ऐतिहासिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी हो जाता है। खासकर तब, जब लेखक अपने जीवन की कहानी के साथ उस समाज और परिवेश को भी सामने रख रहा हो, जिसमें उसका जीवन बीता है। एक जीवनीकार किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन का इतिहास लिखता है। उसके पास तथ्यों को परखने और उनके आधार पर फैसला लेने की सुविधा होती है। लेकिन, संस्मरण लिखने वाला व्यक्ति अपने जीवन का सबसे बड़ा जानकार होता है। उसे अपने अनुभवों को चुनने, कुछ बातों को छोड़ने और उन्हें अपने नजरिये से दोबारा पेश करने की पूरी आजादी होती है।

सोनिया गांधी का जीवन भारतीय राजनीति में कई नाटकीय मोड़ों का गवाह रहा है। इसकी शुरुआत एक प्रेम कहानी से हुई थी। इटली के छोटे-से कस्बे ओरबासानो की एक साधारण मध्यमवर्गीय लड़की, जिसकी आंखों में सपने थे, पूरब के एक राजकुमार के प्रेम में पड़ गई। धीरे-धीरे यह कहानी भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली परिवार का हिस्सा बनने तक पहुंची। उनका जीवन देश की सबसे शक्तिशाली महिला के रूप में पहचान रखने वाली इंदिरा गांधी की बहू के तौर पर आगे बढ़ा।

इस पूरी कहानी में सोनिया गांधी एक ऐसी पत्नी के रूप में पर्दे के पीछे रहीं, जो नहीं चाहती थीं कि उनके पति सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बनें, जो उस वक्त भारत को 21वीं सदी में ले जाने का सपना देख रहे थे। इसके बाद उनके जीवन में दो ऐसी त्रासदियां आईं, जिन्होंने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे देश को झकझोर दिया। पहली हत्या उनकी सास की हुई, जो उस समय अपनी सत्ता और संदेह की पराकाष्ठा पर थीं। दूसरी हत्या उनके पति की हुई, जिन्हें एक आकर्षक और आधुनिक सोच वाले नेता के रूप में देश का भरपूर प्यार और सम्मान मिल रहा था।

इसके बाद एक दिलचस्प राजनीतिक घटनाक्रम के तहत, संसद के सेंट्रल हॉल



में सोनिया गांधी की जगह पार्टी के एक वफादार सहयोगी को प्रधानमंत्री के रूप में नामित किया गया। इसे उनके राजनीतिक त्याग के रूप में देखा गया। हालांकि, सत्ता में न रहते हुए भी सोनिया गांधी देश की सबसे शक्तिशाली महिला बनकर उभरीं। दिल्ली की सत्ता और राजनीति में उनका काफी दखल था। वह किसी सांविधानिक पद पर न होते हुए भी बड़े राजनीतिक फैसलों को प्रभावित करने की ताकत रखती थीं। वह भारत की सबसे पुरानी राजनीतिक परंपरा के उन समर्थकों के लिए एक 'मुक्तिदाता' बनीं, जो किसी तरह एक उपनाम (गांधी परिवार) से चिपके रहना चाहते थे। इस पूरे सफर में कभी उन्हें रहस्यमयी और चुप रहने वाली नेता के रूप में देखा गया, तो कभी कांग्रेस के लिए आखिरी उम्मीद के तौर पर। फिलहाल, वह इस बात का इंतजार कर रही हैं कि उनका बेटा उस राजनीतिक भरोसे को फिर से हासिल करने में कितना समय लेगा, जो पार्टी लंबे वक्त से खो चुकी है।

बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव सोनिया गांधी के जीवन की पूरी कहानी सामने लाने का प्रयास है, जैसा एक संस्मरण से उम्मीद भी की जाती है। किताब के कवर से ही इसकी कहानी का दायरा समझ आता है। सामने के कवर पर युवा सोनिया की एक ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीर है, जिसमें वह कैमरे की ओर देख रही हैं; वहीं पिछले कवर पर आज की सोनिया की एक रंगीन तस्वीर है, जिसमें वह पूरी गरिमा के साथ नजर आ रही हैं और उनके पीछे किताबों से भरी अलमारियां हैं। इन दोनों तस्वीरों के बीच उनकी जिंदगी की कहानी है। किताब का शुरुआती हिस्सा, सोनिया गांधी के कैंब्रिज के परिसरों से लेकर सत्ता के निजी गलियारों के सफर तक, काफी कुछ उजागर करता है। यहां हम एक शांत और संयमित सोनिया को देखते हैं, जो पत्नी, बहू और मां की भूमिकाओं में हैं। वह एक ऐसे राजनीतिक थ्रिलर का हिस्सा हैं, जिसमें पूर्ण सत्ता और अचानक पतन, कभी न भरने वाले नुकसान और चमत्कारी वापसी जैसे उतार-चढ़ाव शामिल हैं। सांस्कृतिक उलझनों और अपनी पहचान पर हुए हमलों के बीच, उन्होंने कई भूमिकाएं निभाईं, लेकिन उनकी असल कहानी कभी पूरी तरह सामने नहीं आ पाई। बिलॉन्गिंग आत्मकथा की तरह अपनी जिंदगी की कहानी को खुद बताने की कोशिश है, ताकि दूसरों के बताए नजरिये के बजाय लोग उसे उसी की जुबानी जान सकें।

किताब के वे हिस्से अधिक प्रभावशाली लगते हैं, जिनमें राजनीति से ज्यादा सोनिया गांधी अपने अनुभवों, रिश्तों और भावनाओं के बारे में बातें करती हैं। तब पाठक भी उनसे बेहतर ढंग से जुड़ पाता है। लेकिन, जब पुस्तक का स्वर ऐसा होने लगता है, जैसे कोई राजनीतिक जानकार अधूरी समझ के साथ अपनी राय दे रहा हो, तब यह प्रभाव कम होने लगता है। खासकर, प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई कुछ मुलाकातों का संक्षिप्त और औपचारिक उल्लेख इस कमी को और स्पष्ट करता है।

पुस्तक के आखिरी हिस्से में सोनिया गांधी की राजनीतिक शिकायतें और मौजूदा सत्ता के प्रति उनकी नाराजगी खुलकर सामने आती है। ऐसा लगता है कि वह कांग्रेस और गांधी परिवार के कमजोर होने को राजनीतिक बदलाव का स्वाभाविक परिणाम मानने के बजाय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और दक्षिणपंथी राजनीति की ओर से लोकतंत्र के लिए पैदा हुए खतरे के रूप में देखती हैं।

वह सवाल उठाती हैं, 'भाजपा के विभाजनकारी शासन के दीर्घकालिक परिणाम क्या होंगे? तानाशाही शासन अक्सर जन-विरोध का जवाब और भी कठोर दमन से देते हैं, जैसा कि भारत में भी हो रहा है। लेकिन, यह शासन हमेशा के लिए नहीं है।' इस तरह सोनिया गांधी खुद को एक आखिरी 'धर्मनिरपेक्ष आशावादी' के रूप में पेश करती हैं, जो अपने राजनीतिक विरोधियों से कहीं अधिक 'भारतीय' हैं। इससे एक ऐसी कहानी में थोड़ी कड़वाहट आ जाती है, जिसे अब तक काफी सहज और बिना किसी पक्षपात के सुनाया जा रहा था।

बिलॉन्गिंग के आखिरी पन्ने तक पहुंचने के बाद आपको एहसास होता है कि कैंब्रिज के एक कैफे से शुरू हुई यह कहानी, कई सवाल और चुप्पियां छोड़ जाती है। सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि किताब में किसकी आवाज सबसे अधिक मुखर है-लेखिका की स्मृतियों की या उस इतिहास की, जिसका वह लंबे समय तक हिस्सा रही हैं?

स्वतंत्र मत
जबलपुर

नेतन्याहू का प्लान फेल! अरब नेता बन गया डिप्टी स्पीकर, इजरायल में रच गया नया इतिहास

यरुशलम

इज़राइल की राजनीति से आई एक बड़ी खबर ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी खेमे की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इज़राइली संसद यानी नेसेट के एक अरब सदस्य और जॉइंट लिस्ट गठबंधन के अध्यक्ष अहमद तिबी को संसद का डिप्टी स्पीकर चुन लिया गया। नेसेट के सदस्यों द्वारा चुने जाने के बाद अहमद तिबी ने अल जज़ीरा से बातचीत में इसे 27 अक्टूबर के चुनाव में 11 सीटें जीतने वाले अपने गठबंधन की एक वाजिब उपलब्धि बताया। तिबी ने आरोप लगाया कि बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी और राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्विर ने उनके चुनाव को रोकने की पूरी कोशिशें की थीं। लेकिन तमाम भड़काऊ बयानों के बावजूद वे नाकाम ही रहे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, अब संसद की सभी समितियों में



जॉइंट लिस्ट का प्रतिनिधित्व होगा। पिछले महीने हुए आम चुनाव में इज़राइल के फिलिस्तीनी नागरिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले दो प्रमुख गुटों जॉइंट लिस्ट और यूनाइटेड अरब लिस्ट यानी राम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 120 सदस्य संसद में कुल 19 सीटों पर जीत दर्ज की। राष्ट्रपति इसाक हरज़ोग द्वारा इस महीने अगली सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी जाने के बाद इन अरब दलों ने विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को अपना समर्थन दिया।

अहमद तिबी के मुताबिक अब इन दलों का मुख्य ध्यान अपनी बढ़ी हुई संसदीय ताकत का इस्तेमाल कर अपने समुदाय के साथ होने वाले भेदभाव और अन्य बुनियादी मुद्दों को हल करने पर है। डिप्टी स्पीकर चुने जाने से ठीक एक दिन पहले रविवार को अहमद तिबी ने बेंजामिन नेतन्याहू और उनके सहयोगियों के खिलाफ आपराधिक जांच की मांग करके सियासी हलचल और तेज़ कर दी। इज़राइल के चैनल 12 की एक खोजी रिपोर्ट का हवाला देते हुए तिबी ने नेतन्याहू और उनके करीबियों पर माफिया शैली में काम करने का आरोप लगाया। चैनल 12 की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नेतन्याहू के चीफ ऑफ स्टाफ ईदो नार्डेन ने चुनाव से पहले पुलिस कमिश्नर के दफ्तर से संपर्क कर यह आरोप लगाया था कि दक्षिणी इज़राइल में राम पार्टी के तीन कार्यकर्ता मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए भारी मात्रा में नकदी और वाउचर जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री कार्यालय के एक पूर्व कर्मचारी की सूचना पर भरोसा करते हुए पुलिस ने बिना वैध सर्च या गिरफ्तारी वारंट के उन कार्यकर्ताओं के घरों पर छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस मामले पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए टीवी ने लिखा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। यहां तक कि नेतन्याहू भी नहीं।

गौरतलब है कि अहमद तिबी ता अल पार्टी के नेता हैं जो जॉइंट लिस्ट का एक हिस्सा है। वे पहली बार 1999 में नेसेट के लिए चुने गए थे और इससे पहले 2006 से 2022 तक भी संसद के डेप्युटी स्पीकर रह चुके हैं। इजराइली संसद के इतिहास में कई अरब नेता इस पद पर रह चुके हैं। इनमें 1988 में नेसेट में नियुक्त होने वाले पहले मुस्लिम नवाफ मसाल्हा, 2003 में नियुक्त हदाश पार्टी के पूर्व नेता मोहम्मद बाराके, राम के पूर्व सांसद अब्दुल मलिक देहमशी और 2020 से 2022 के बीच डेप्युटी स्पीकर रहे राम के नेता मंसूर अब्बास शामिल हैं। एक तरफ संसद की सभी समितियों में अरब दलों की मजबूत भागीदारी और दूसरी तरफ चुनावी हस्तक्षेप के आरोपों पर आपराधिक जांच की बढ़ती मांग। इजराइल की मौजूदा सियासत में यह घटनाक्रम कार्यवाहक सरकार और बेंजामिन नेतन्याहू के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती बनकर उभरा है।



शीतकाल के लिए बंद हुए श्रीबदरीनाथ धाम के कपाट

श्री बदरीनाथ धाम/देहरादून (वार्ता)

उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित श्री बदरीनाथ धाम के कपाट सोमवार (16 नवंबर) की रात परंपरागत धार्मिक रीतियों के साथ पालन के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इसके साथ ही इस साल के लिए श्री बदरीनाथ धाम यात्रा का समापन हो गया।

इस वर्ष श्रद्धालुओं की आस्था का एक नया कीर्तिमान बना। गत 23 अप्रैल को कपाट खुलने के बाद से पूरी यात्रा अवधि के दौरान देश-विदेश से श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ा और 23.50 लाख से अधिक भक्तों ने भगवान बदरी विशाल के दर्शन किए। कपाट बंद होने के अवसर पर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों से भव्य रूप से सजाया गया और मुख्य पुजारी रावल अमरनाथ नंबूदरी ने परंपरा के अनुसार पूजा संपन्न की। इस दौरान सेना के बैंड, घंटी-घड़ियालों की गूंज और जय बद्री विशाल के जयघोषों से संपूर्ण धाम भक्तिमय हो उठा। कपाट बंद होने के पश्चात परंपरानुसार आज (मंगलवार) प्रातः भगवान श्री उद्धव जी एवं कुबेर जी की प्रतिमाएं भव्य डोली शोभायात्रा के साथ योगध्यान बदरी मंदिर, पांडुकेश्वर के लिए प्रस्थान कर गईं। यहां शीतकाल के दौरान पूजा-अर्चना संपन्न होगी। वहीं, आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी विधिवत रूप से योतिर्मठ स्थित श्री नृसिंह मंदिर में विराजमान होगी।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार के नेतृत्व में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। कपाट बंदी के इस अवसर पर बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती एवं विजय कपरवाण, मुख्यमंत्री सलाहकार (बीकेटीसी एवं चारधाम यात्रा) माधव सेमवाल, मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़, प्रभारी धर्माधिकारी स्वयंवर सेमवाल सहित कई प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बागवानी उत्पादन में 4.36 फीसदी की ऐतिहासिक उछाल : शिवराज सिंह

नयी दिल्ली,(वार्ता)

देश में कुल बागवानी उत्पादन बढ़कर 3869.15 लाख टन होने की उम्मीद है। यह वर्ष 2024-25 के 3707.38 लाख टन के मुकाबले 161.77 लाख टन यानी 4.36 प्रतिशत अधिक है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस शानदार उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बागवानी क्षेत्र में यह अभूतपूर्व उत्पादन देश के अन्नदाताओं की अथक मेहनत और सरकार की किसान-हितैषी नीतियों का सुफल है। श्री चौहान ने वर्ष 2025-26 के लिए बागवानी फसलों के क्षेत्रफल



और उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान मंगलवार को जारी करते हुए यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि रायों, केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य सरकारी एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर जारी इन आंकड़ों की सबसे खास बात यह है कि कम क्षेत्रफल में भी रिकॉर्ड पैदावार दर्ज की जा रही है। वर्ष 2025-26 में बागवानी फसलों का कुल क्षेत्रफल लगभग 297.21 लाख हेक्टेयर रहने का अनुमान है, जबकि 2024-25 में यह 301.36 लाख हेक्टेयर था। इसके बावजूद फलों, सब्जियों, फूलों, रोपण फसलों, सुगंधित एवं औषधीय पौधों की पैदावार में बढ़ोतरी का अनुमान आया है।

इटली के स्कूलों में बम और जहर की नई धमकियों का दौर, नए सुरक्षा दिशा-निर्देशों के तहत स्वतः नहीं होंगे खाली

रोम, (वार्ता)। इटली के कम से कम 100 स्कूलों को सोमवार सुबह ई-मेल के जरिए बम और जहर की नई धमकियों का सामना करना पड़ा। एमए नाम के शुरुआती अक्षरों से भेजे गए इस मेल में 40 मिनट के भीतर विस्फोट करने और कैंटीन के खाने में सोडियम एजीड और पोटेशियम साइनाइड जैसे जहरीले पदार्थ मिलाने की चेतावनी दी गई थी। सरकार ने हालांकि हाल ही में लागू किए गए नए सुरक्षा दिशा-निर्देशों के तहत ऐसी अस्पष्ट और बड़े पैमाने पर भेजी गई धमकियों पर स्कूलों को अब स्वत: खाली नहीं कराया, बल्कि यह फैसला कानूनी एजेंसियों और सुरक्षा अधिकारियों के विवेक पर छोड़ दिया।

फॉर्म-6 में गड़बड़ी हुई तो छठी का दूध याद दिला देगी जनता : अखिलेश यादव

नई दिल्ली/लखनऊ

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने फॉर्म-6 को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जनता इनको छठी का दूध याद दिला देगी। अखिलेश ने कहा कि अगर किसी गलत तरीके से वोट जुड़ता है तो उसके लिए जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ सबूतों के साथ तत्काल रिपोर्ट दर्ज कराएंगे।



इसके अलावा अखिलेश यादव ने भाजपा पर नुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरे नामों के जरिए फर्जी वोट जोड़ने की साजिश का आरोप लगाया। कहा कि समाजवादी पार्टी इस पूरी प्रक्रिया पर बूथ स्तर से लेकर निर्वाचन आयोग तक नजर रखेगी। कहा कि अधिकारी याद रखें कि भाजपा किसी की सगी नहीं है। जब जेल में सजा भुगतते हुए ये भ्रष्ट अधिकारी अकेले में बैठकर अपने किये पर पछता रहे होंगे उसी समय जेल के बाहर उनके परिवार के लोग अपने रिश्तेदारों, मित्रों की उलाहना व कटाक्ष झेल रहे होंगे। अखिलेश ने कहा कि जनता की स्पष्ट चेतावनी है- न कोई बेईमान बचेगा, न किसी बेईमान को छोड़ा जाएगा।

क्या है ईरान का डर्टी बम जिसके निशाने पर यूएस के टॉप कमांडर?

वाशिंगटन। ईरान ने अमेरिका से बदला लेने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। यह दावा किया जा रहा है कि ईरान, अमेरिका के टॉप अधिकारियों को मारने के लिए केमिकल हथियार का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। ईरान ने इस हथियार को डर्टी बम कहा है। हालांकि डर्टी बम की खबरों को तेहरान ने सिरे से खारिज किया है। ष्टहह्र की रिपोर्ट के अनुसार, इस खुफिया जानकारी से वाकिफ सात अमेरिकी अधिकारियों ने बताया है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को साबुत मिले हैं कि ईरान वाशिंगटन, ष्टष्ट में ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाने की योजना बना रहा है। इसके लिए ईरान रेडियोएक्टिव डर्टी बम या रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। खुफिया जानकारी में अमेरिकी राजधानी में कुछ संभावित जगहों और लक्ष्यों का जिक्र है, जिसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने अपनी सुरक्षा को और दुरुस्त कर लिया है। हालांकि, अधिकारियों ने ष्टहह्र को बताया कि इन तैयारियों का मतलब यह नहीं है कि कोई हमला तुरंत होने वाला है या ईरान ने वास्तव में ऐसी किसी साजिश को अंजाम देने का फैसला कर लिया है।



व्हाइट हाउस ने कहा कि प्रशासन संभावित खतरों पर नजर रख रहा है, लेकिन साथ ही यह भी साफ किया कि अमेरिका पर अभी तुरंत कोई खतरा नहीं है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि यह खुफिया जानकारी इस बात का इशारा हो सकती है कि ईरान युद्ध को मध्य पूर्व से आगे बढ़ाने पर विचार कर रहा है, क्योंकि उसे अमेरिकी सैन्य दबाव और आर्थिक नाकेबंदी का सामना करना पड़ रहा है। दो अधिकारियों ने संभावित खतरे से निपटने के लिए बताया कि पिछले एक हफ्ते में कई बैठकें हुई हैं। यह खुफिया जानकारी ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे टकराव को खत्म करने के लिए राजनयिक प्रयास रुके हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते कहा था कि यह युद्ध काफी जल्दी खत्म हो जाएगा, जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव अभी भी बना हुआ है। खुफिया मामलों की जानकारी रखने वाले सूत्रों के हवाले से CNN ने बताया कि अमेरिकी अधिकारी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि तेहरान अमेरिकी क्षेत्र के अंदर हमले करने पर विचार कर सकता है।

हालांकि, अधिकारियों के बीच इस बात को लेकर मतभेद है कि क्या ईरान के पास ऐसा ऑपरेशन चलाने के लिए जरूरी लोग और क्षमता है या नहीं।

वहीं कुछ अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि हमले में इस्तेमाल किए जा सकने वाले रेडियोधर्मी पदार्थ या रासायनिक एजेंट पहले ही देश के अंदर पहुंचाए जा चुके हो सकते हैं। पिछले दस सालों से हमारी सीमा काफी असुरक्षित रही है, इसलिए किसी व्यक्ति का देश के अंदर आना बहुत आसान रहा होगा, जो बम के पुर्जे हासिल करके उन्हें कहीं फिट कर सकता है।

दक्षिण अफ्रीका में दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में 17 लोगों की मौत

जोहॉन्सबर्ग, वार्ता)। दक्षिण अफ्रीका में रविवार रात हुई दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में 17 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, ये दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी नहीं हैं और हत्याओं के पीछे के मकसद का अभी तक पता नहीं चल पाया है। देश में बढ़ते हिंसक अपराधों और गिरोहों की हिंसा के बीच पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है। बीबीसी के अनुसार, पहली घटना क्वाजुलु-नटाल प्रांत में पीटरमैरिट्सबर्ग शहर के बाहर हुई, जहां हमलावरों ने एक मिनीबस को गोलियों से छलनी कर दिया। पुलिस को मौके पर वाहन के अंदर गोलियों से छलनी आठ व्यक्तियों के शव मिले। पुलिस प्रवक्ता रॉबर्ट नेटशियुंडा ने बताया कि घटना के कारणों और संदिग्धों की पहचान का पता लगाने के लिए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है। दूसरी घटना इसके कुछ ही घंटों बाद प्रिटोरिया के पश्चिम में अट्टेरिगविले के जेफ्सविले अनियोजित बस्ती में हुई। यहां एक चार कमरों की झोपड़ी के अंदर छह पुरुषों और तीन महिलाओं के शव मिले। माना जा रहा है कि यह वारदात रविवार रात 10 से 11 बजे के बीच हुई।

गनशॉट की आवाज को स्थानीय लोगों ने शुरुआत में बिजली कड़कने की समझ लिया था। गौतेंग प्रांत की पुलिस आयुक्त ने संदिग्धों की तलाश के लिए क्राइम इंटेलिजेंस और ट्रैकिंग टीमों को तैनात कर दिया है।

जासूसी विवाद और मध्यावधि चुनाव में हार... ट्रंप की चिनफिंग से मुलाकात क्यों है अहम

वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप सोमवार को मनीला के लिए रवाना हुए। मध्यावधि चुनाव में उनकी रिपब्लिकन पार्टी की करारी हार और एनवीडिया मामले में संदिग्ध चीनी जासूस से जुड़े आरोपों ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ उनकी आगामी मुलाकात को और अहम बना दिया है। व्हाइट हाउस से रवाना होते समय ट्रंप ने कहा कि वह चीन में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से भी मिल सकते हैं। अगर यह मुलाकात होती है, तो यह एशिया की उनकी यात्रा का रुख बदल सकती है। ट्रंप पहले मनीला पहुंचेंगे, जहां मंगलवार को दक्षिण-पूर्व एशिया और क्षेत्र के अन्य नेताओं के साथ उनकी बैठकें होंगी। इसके बाद वह एशिया-



प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) मंच की बैठक के लिए चीन के शहर शेनझेन जाएंगे। बैठक से इतर वहां उनकी चीन के राष्ट्रपति से मुलाकात होगी और गुरुवार को चिनफिंग व रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ त्रिपक्षीय चर्चा भी करेंगे। ट्रंप ने कहा कि पुतिन और चिनफिंग के साथ बैठक में वह परमाणु निरस्त्रीकरण, ईरान और यूक्रेन के साथ-साथ व्यापार और अर्थव्यवस्था पर चर्चा करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हम किम जोंग उन से भी मिल सकते हैं। वह आ सकते हैं। मुझे नहीं पता। यह राष्ट्रपति शी चिनफिंग पर निर्भर है।

ट्रंप अपने 2017-2021 के कार्यकाल में उत्तर कोरियाई नेता से कई बार मिले थे। उन्होंने एक और मुलाकात में बार-बार दिलचस्पी जताई है। उत्तर कोरिया सार्वजनिक रूप से कह चुका है कि फिलहाल उसके नेता की अमेरिकी राष्ट्रपति से मिलने की कोई मंशा नहीं है। ट्रंप को लगता है कि चिनफिंग और पुतिन के साथ शिखर सम्मेलन से परमाणु हथियार नियंत्रण समझौते की दिशा में प्रगति हो सकती है। लेकिन चीनी विश्लेषकों के मुताबिक, चीन के लिए यह शुरुआत ही संभव नहीं है, क्योंकि उसके पास बाकी दोनों देशों की तुलना में बहुत कम परमाणु हथियार हैं। प्रस्तावित त्रिपक्षीय बैठक की तुलना रूस में 1945 के याल्टा सम्मेलन से की जा रही है। अमेरिका, ब्रिटेन और सोवियत संघ के बीच हुए उस सम्मेलन ने प्रभाव क्षेत्रों को औपचारिक रूप दिया था, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की व्यवस्था की नींव रखी थी और छोटी शक्तियों पर थोपी गई महाशक्ति-स्तरीय संधियों का पर्याय बन गया था।

श्रीदेवी सिर्फ एक ही हैं, तुम्हारी सुलु के नौ साल पूरे होने पर विद्या बालन का पुराना बयान फिर चर्चा में



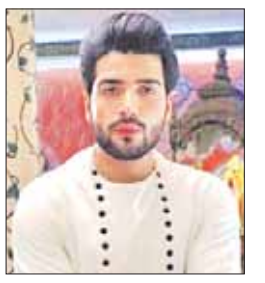
बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन की फिल्म तुम्हारी सुलु के नौ साल पूरे होने पर फिल्म का एक खास दृश्य फिर चर्चा में आ गया है। फिल्म में विद्या बालन ने दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की फिल्म मिस्टर इंडिया के लोकप्रिय गीत हवा हवाई को अपने अंदाज में प्रस्तुत किया था। इस दृश्य के जरिए उन्होंने श्रीदेवी के प्रति अपनी प्रशंसा और सम्मान जाहिर किया था।17 नवंबर 2017 को रिलीज हुई तुम्हारी सुलु में विद्या बालन ने सुलोचना यानी सुलु का किरदार निभाया था। फिल्म में हवा हवाई का सीक्वेंस पुरानी यादों को ताजा करने के साथ सुलु के उत्साह, आत्मविश्वास और जिंदगी को खुलकर जीने के अंदाज को भी दर्शाता है।फिल्म के प्रचार के दौरान इस गाने को लेकर विद्या बालन ने कहा था, हम इस गाने को वैसे दोबारा नहीं बना रहे हैं, जैसा यह मिस्टर इंडिया में था। हम बस इसके साथ मस्ती करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि श्रीदेवी सिर्फ एक ही हैं। मैं उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। उनके जैसा कोई नहीं है।विद्या के इस बयान से स्पष्ट था कि उनका उद्देश्य श्रीदेवी के यादगार अभिनय की नकल करना नहीं, बल्कि उनके प्रतिष्ठित गीत को अपने अंदाज में श्रद्धांजलि देना था। उन्होंने इस दृश्य में अपनी सहजता और खास अभिनय शैली के जरिए मूल गीत की लोकप्रियता और भावना को बरकरार रखा। तुम्हारी सुलु में यह दृश्य फिल्म की कहानी के साथ खूबसूरती से जुड़ता है। फिल्म में एक सामान्य घरेलू महिला के रेडियो जॉकी बनने के सपने और उसके आत्मविश्वास से भरे सफर को दिखाया गया है। हवा हवाई का यह सीक्वेंस भी जिंदगी की छोटी-छोटी खुशियों का उत्सव मनाने और बिना किसी झिझक के खुद को अभिव्यक्त करने का संदेश देता है। फिल्म के नौ साल पूरे होने पर विद्या बालन के श्रीदेवी के प्रति कहे गए सम्मान भरे शब्द एक बार फिर याद किए जा रहे हैं। दो पीढ़ियों की अभिनेत्रियों के बीच प्रशंसा और सम्मान का यह भाव इस सिनेमाई पल को और खास बनाता है।



मैसा का दूसरा गाना आओ री चिरैया रिलीज बाप-बेटी के रिश्ते की भावुक झलक आई सामने

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म मैसा का दूसरा गाना आओ री चिरैया रिलीज हो गया है। भावपूर्ण बोल और मधुर संगीत से सजे इस गाने में पिता और बेटी के बीच के खूबसूरत रिश्ते को बेहद संवेदनशील अंदाज में पेश किया गया है। गाना सुनकर श्रोता भावुक हो सकते हैं।फिल्म के टीजर को देशभर में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म अपनी दमदार एक्शन शैली, भव्य प्रस्तुति और गंभीर कथानक को लेकर चर्चा में है। खास बात यह है कि इसमें आदिवासी परिवेश की पृष्ठभूमि पर पिता और बेटी के रिश्ते को कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है। जहां भारतीय सिनेमा की कई बड़ी एक्शन फिल्मों में मां-बेटे के रिश्ते को प्रमुखता दी गई है, वहीं मैसा में पिता-बेटी के भावनात्मक संबंध को केंद्र में रखा गया है। फिल्म के पहले गाने को मिली लोकप्रियता के बाद निर्माताओं ने दूसरा ट्रैक आओ री चिरैया जारी किया है। जेक्स बिजॉय के संगीत निर्देशन में तैयार यह गाना अपने भावुक बोल और मधुर धुन के जरिए पिता और बेटी के अटूट स्नेह को अभिव्यक्त करता है। गाने के लिरिकल वीडियो में रश्मिका मंदाना का एक कोमल और भावनात्मक पक्ष सामने आता है, जो उनके अब तक के पर्दे पर दिखे अंदाज से अलग है।

सोशल मीडिया पर प्यार जताना आसान, असल जिंदगी में दिल की बात कहना मुश्किल : प्रणव कुमार



अभिनेता प्रणव कुमार ने कहा है कि आज की पीढ़ी सोशल मीडिया पर प्यार का इजहार करने में जितनी सहज है, वास्तविक जिंदगी में अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करने में उतनी ही मुश्किल महसूस करती है।शेमारूमी की सीरीज दिल पड़ोसी में इन्फ्लुएंसर और शेफ रोनक की भूमिका निभा रहे प्रणव कुमार ने आज के रिश्तों पर सोशल मीडिया के प्रभाव और बदलती पीढ़ी की सोच पर अपने विचार साझा किए।उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने प्यार जताने, तस्वीरें साझा करने और रिश्तों की खूबसूरत झलक दुनिया के सामने पेश करने को आसान बना दिया है, लेकिन इससे आपसी संवाद और भावनात्मक जुड़ाव की चुनौतियां कम नहीं हुई हैं। प्रणव ने कहा, आज हम सोशल मीडिया पर अपने प्यार और केमिस्ट्री को दिखाने में जितने सहज हैं, असल जिंदगी में उसके बारे में खुलकर बात करने में उतने सहज नहीं हैं। लोग प्यार भरी रील्स बना सकते हैं और साथ में तस्वीरें साझा कर सकते हैं, लेकिन वास्तव में वे क्या महसूस करते हैं, इस बारे में ईमानदारी से बात करना कई बार मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि अब रिश्ते केवल दो लोगों के बीच की निजी बात नहीं रह गए हैं। सोशल मीडिया पर उन्हें देखने वाले लोग भी अपनी राय और प्रतिक्रियाएं देते हैं, जिसका असर कई बार आपसी व्यवहार पर पड़ता है। किसी रिश्ते की अछी तस्वीर पेश करना अलग बात है, जबकि साथ रहने वाले व्यक्ति को समझने के लिए ईमानदार बातचीत जरूरी है।

तुम्बाड 2 के लिए फिर संगीत तैयार करेंगे अंतरराष्ट्रीय कंपोजर जेस्पर किड



चर्चित फिल्म तुम्बाड के सीक्वल तुम्बाड 2 में अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त डेनिश संगीतकार जेस्पर किड एक बार फिर संगीत की कमान संभालेंगे। अभिनेता-निर्माता सोहम शाह और पेन स्टूडियोज के डॉ. जयंतीलाल गड़ा के सहयोग से बन रही इस फिल्म में जेस्पर की वापसी से दर्शकों को पहली फिल्म के रहस्यमय और रोमांचक संगीत का अनुभव एक बार फिर मिलने की उम्मीद है। जेस्पर किड ने वर्ष 2018 में प्रदर्शित मूल फिल्म तुम्बाड का संगीत तैयार किया था। उनके संगीत ने फिल्म की लोककथा, रहस्य और पौराणिक पृष्ठभूमि को प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर उभारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह असैसिन्स क्रीड, हिटमैन और बॉर्डरलैंड्स जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित फ्रेंचाइजी के लिए भी संगीत तैयार कर चुके हैं। तुम्बाड 2 से जुड़ने पर जेस्पर किड ने कहा कि वह इस फिल्म की दुनिया में दोबारा लौटने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। निर्देशक आदेश प्रसाद ने सबसे पहले उन्हें तुम्बाड के लिए संपर्क किया था। फिल्म का शुरुआती संस्करण देखने के बाद उन्हें इसकी दुनिया बेहद अनूठी और प्रभावशाली लगी थी। अब वह संगीत के माध्यम से इस दुनिया को और गहराई से तलाशने के लिए उत्साहित हैं।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार का प्रथम सिवनी आगमन, जिला बैठक एवं कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने का किया आह्वान

सिवनी। स्वतंत्र मत। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, सिवनी में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय भगवान सिंह परमार जी के प्रथम सिवनी नगर आगमन पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उनके साथ पधारे अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री सौरभ बाबरिया जी, छिंदवाड़ा संभाग प्रभारी संतोष झरिया जी एवं जिला प्रभारी मनोज चौरे जी का भी पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिला बैठक एवं अनुसूचित जाति मोर्चा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार जी ने भारत रत्न, संविधान निर्माता परम पूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के जीवन संघर्ष, उनके विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।





उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का संपूर्ण जीवन सामाजिक समानता, शिक्षा, अधिकारों एवं सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। उन्होंने शिक्षा को समाज के उत्थान का सबसे बड़ा माध्यम बताया और ऐसे भारत का सपना देखा, जहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार एवं सम्मान प्राप्त हो। बाबा साहेब के विचार आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सम्मान पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने तथा बूथ स्तर पर सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष श्री वीरेंद्र डहेरिया ने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी एवं समाज के सर्वांगीण विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से पार्टी की विचारधारा और बाबा साहेब के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

जिला मीडिया प्रभारी ने दी कार्यक्रम की जानकारी

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा जिला सिवनी के जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र डहरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के प्रथम सिवनी आगमन पर जिला बैठक एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन की मजबूती, सामाजिक समरसता तथा बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष मीना बिसेन, बरघाट विधायक कमल मर्शकोले, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष तथा कटनी जिला संगठन प्रभारी सुजीत जैन, जिला महामंत्री संतोष अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष डॉ. अभिजीत चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेम तिवारी, पूर्व जिला महामंत्री अजय डागोरिया, जिला उपाध्यक्ष गोमती ठाकुर, जिला मंत्री पीयूष दुबे, पूर्व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सीता डहेरिया, जिला मंत्री आशा डहेरिया, नगरपालिका उपाध्यक्ष डॉली डागोर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निशा नाग एवं जिला सह कार्यालय मंत्री अलकेश रजक सहित भाजपा एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र डहेरिया एवं जिला उपाध्यक्ष अमित डागोर ने भी अपने साथियों के साथ प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार का स्वागत एवं अभिनंदन किया। नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती डॉली अमित डागोर भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं। उनके साथ पांडुरंग खड़से, पिंटू गोरले, राजू डोंगरे, सुनील बाघमारे, मोंटू चौहान, दीपांशु विश्वकर्मा, राहुल, अंकित रजक, सिंह बघेल, अहमद, अभिषेक सेड़के, पंकज लोखंडे एवं राम सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके साथ ही भीम डहेरिया, आशीष मानाठाकुर, नरेश मानाठाकुर, अजय भोर, सुनील डहेरिया, अमित डागोर, शिव चौधरी, जिला महामंत्री राजकुमार बामनिया, जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र डहेरिया, सुखदेव वंशकार, बी.डी. डहेरिया, उज्ज्वला सोमदेव, अशोक शिववेदी, राजकुमार फर्वे, कपिल कोरी, राहुल अहिरवार एवं संदीप बेलवंशी सहित अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती तथा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण एवं संगठनात्मक वातावरण में संपन्न हुआ।

बरघाट में छठ महापर्व पर उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रतियों ने किया व्रत का पारण



बरघाट। नगर में लोक आस्था का महापर्व छठ श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया।

चार दिवसीय छठ महापर्व का श्रद्धा, भक्ति और आस्था के साथ हुआ समापन, परिवार की सुख-समृद्धि की कामना

चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व का समापन उषा अर्घ्य के साथ हुआ। सुबह व्रतियों ने उगते सूर्यदेव को विधि-विधान से अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं निरोगी जीवन की कामना की।

छठ महापर्व के दौरान व्रतियों ने चार दिनों तक कठिन साधना, उपवास और पूजा-अर्चना कर सूर्यदेव एवं छठी मैया की आराधना की। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही व्रत का समापन हुआ।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। छठ महापर्व आस्था, विश्वास, अनुशासन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। पर्व के समापन पर श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं।

बाल विवाह रोकथाम के लिए मैरिज गार्डन एवं लॉन संचालकों को दी जा रही समझाइश

बाल विवाह रोकथाम के लिए मैरिज गार्डन एवं लॉन संचालकों को दी जा रही समझाइश

सिवनी। स्वतंत्र मत। प्रशासक वन स्टॉप सेंटर महिला एवं बाल विकास सिवनी ने जानकारी देकर बताया कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति की रोकथाम एवं समाज में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिले में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान 21 अक्टूबर से 21 दिसम्बर 2026 तक संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री मनोज लारोकर के मार्गदर्शन में अभियान के अंतर्गत विभिन्न



जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

देवउठनी ग्यारस सहित आगामी विवाह मुहूर्तों को ध्यान में रखते हुए वन स्टॉप सेंटर की टीम द्वारा जिले के लॉन एवं मैरिज गार्डन संचालकों को बाल विवाह की रोकथाम के संबंध में लगातार समझाइश दी जा रही है। इस दौरान संचालकों को बताया जा रहा है कि बाल विवाह न केवल सामाजिक कुरीति है, बल्कि कानूनन अपराध भी है। वर्तमान कानून के अनुसार विवाह के लिए बालिका की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा बालक की न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित है।

टीम द्वारा लॉन एवं मैरिज गार्डन संचालकों से अपील की गई है कि विवाह समारोह के लिए बुकिंग करते समय वर-वधू की आयु की पुष्टि अवश्य करें तथा किसी भी परिस्थिति में नाबालिगों के विवाह आयोजन में सहयोग न करें। यदि कहीं बाल विवाह होने की जानकारी प्राप्त होती है, तो तत्काल संबंधित विभाग, पुलिस अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 एवं आपातकालीन सेवा नंबर 112 पर सूचना दें। जिला प्रशासन ने जिलेवासियों एवं विवाह आयोजन से जुड़े सभी संचालकों से बाल विवाह की रोकथाम में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग प्रदान करने की अपील की है।

गोबर से निर्मित उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र

सिवनी। स्वतंत्र मत। सिवनी के जनपद पंचायत प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय दीपोत्सव आजीविका संगम मेले में श्री परमानंद गौशाला, सिवनी द्वारा गोबर से निर्मित आकर्षक, पर्यावरण-अनुकूल एवं धार्मिक उपयोग की सामग्री प्रदर्शित की गई। मेले में गौशाला के स्टॉल पर गोबर से तैयार पूजन सामग्री, स्वास्तिक, धार्मिक प्रतीक एवं विभिन्न सजावटी उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। पारंपरिक गोबर को सुंदर एवं उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित करने की इस पहल ने गौ-सेवा के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी सकारात्मक संदेश दिया। मेले का शुभारंभ करने पहुंचीं जिला कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा गोबर से निर्मित पूजन सामग्री की खरीदारी कर ऐसे स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित किया। श्री



परमानंद गौशाला की यह पहल दर्शाती है कि गौमाता के गोबर का उपयोग केवल पारंपरिक कार्यों तक सीमित न रहकर आकर्षक, उपयोगी एवं बाजार में विक्रय योग्य उत्पादों के निर्माण में भी किया जा सकता है।

एग्रीकल्चर स्टूडेंट की संदेहास्पद मौत, एक्सीडेंट या हत्या

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

हट्टा थाना क्षेत्र में लोहारा और परासपानी सड़क के बीच युवक रियांश पिता दिनेश चौहान (20) का शव लहुलुहान हालत में पूरी रात पड़ा रहा। मंगलवार को पुलिस ने घटनास्थल के आसपास एफएसएल टीम के साथ, जांच की। जिसके बाद परिजनों की मौजूदगी में शव पंचनामा कार्रवाई के बाद जिला अस्पताल में शव का पीएम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। बताया जाता है कि युवक नाहरवानी निवासी रियांश, परासपानी गांव में आयोजित मंडई कार्यक्रम देखने, दोस्त का एक्टिवा वाहन लेकर गया था। रात 10 बजे परिजनों से उसकी आखिरी बार बात हुई थी। उसने परिजनों को बताया था कि वह दोस्तो के साथ है और जल्द ही घर आ जाएगा। रात्रि करीब 3.30 बजे, परिजनों को



उसके एक्सीडेंट की सूचना, हट्टा पुलिस से मिली। जिसके बाद परिजन, जब घटनास्थल पहुंचे तो रियांश की मौत हो गई थी। रियांश की मौत एक्सीडेंट से हुई है या और कोई वजह है, यह तो जांच के बाद ही साफ हो पाएगा। घटना की जानकारी के बाद एसडीओपी दीपक तोमर, हट्टा थाना प्रभारी शैलेन्द्र पटेल सहित पुलिस अमला मौजूद रहा। थाना प्रभारी शैलेन्द्र पटेल ने बताया कि अभी मृतक युवक का शव बरामद कर उसे पीएम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट और जांच के बाद ही युवक की मौत की वास्तविकता सामने आ पाएगी। रियांश भाई के साथ जिले के सरदार पटेल कॉलेज में एग्रीकल्चर में बीएससी कर रहा था। बेटे की मौत को लेकर पिता दिनेश चौहान ने साजिश के तहत बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। पिता दिनेश चौहान ने बताया कि जिस प्रकार से बेटे की मौत हुई है, वह एक्सीडेंट नहीं है बल्कि सुनियोचित तरीके से उसकी हत्या की गई है। फिलहाल पुलिस मामले के हर पहलुओं पर जांच कर रही है।

नाइट राइडर्स और फ्रेंड्स ने जीता मैच : सर्वोदय गोल्ड कप सीजन-3

सिवनी। स्वतंत्र मत।सर्वोदय टेनिस बाल गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-3 में बड़े मिशन स्कूल मैदान सिवनी में आज दो मुकाबले खेले गए। दोनों ही मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

पहले मुकाबले में नाइट राइडर्स जूनियर तथा दूसरे मुकाबले में फ्रेंड्स क्लब ने जीत दर्ज की। पहले मुक़ाबला नाइट राइडर्स जूनियर विरुद्ध एमसीजी क्लब के मध्य खेला गया। इसमें राजा खान के नेतृत्व में नाइट राइडर्स पहले बल्लेबाजी करते हुए नाइट राइडर्स जूनियर की टीम ने निर्धारित 8 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 91 रन बनाए। टीम की ओर से शमीम ने मात्र 16 गेंदों में शानदार 32 रन तथा जीत ने 8 गेंदों में 19 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमसीजी क्लब की टीम निर्धारित 8 ओवर में 4 विकेट खोकर 71 रन ही बना सकी। इस तरह नाइट राइडर्स जूनियर ने 20 रनों से शानदार जीत दर्ज की। बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए शमीम को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरा मुकाबला पैंथर क्लब विरुद्ध फ्रेंड्स क्लब के मध्य खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए फ्रेंड्स क्लब ने निर्धारित 8 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 73 रन बनाए। टीम की ओर से अरशद ने 12 गेंदों में 26 रन तथा इरफान ने 16 गेंदों में 21 रन का योगदान दिया। 74 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पैंथर क्लब की टीम निर्धारित 8 ओवर में 7 विकेट खोकर 72 रन ही बना सकी। इस तरह फ्रेंड्स क्लब ने बेहद रोमांचक मुकाबले में मात्र 1 रन से जीत हासिल की। पैंथर क्लब की ओर से टीनू ने 7 गेंदों में 15 रन तथा विजय ने 21 गेंदों में शानदार 37 रन बनाए। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए अरशद खान को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पत्रकार संघ के अध्यक्ष अयोध्या विश्वकर्मा, लीडर बैटरी के संचालक राजा भाई एवं आनंद चाय के डिस्ट्रीब्यूटर अरविंद राय सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

आयोजन समिति की ओर से अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह, संरक्षक आसिफ पटेल एवं दीपक रघुवंशी तथा आयोजक तन्नू भाई, एडवोकेट फिरोज कुरैशी एवं आरिफ भाई की उपस्थिति में अतिथियों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर समिति के मीडिया प्रभारी सिराज एवं तन्नू, स्कोरिंग व्यवस्था में अन्नू पटेल, मोनू कटर, इमरान, सिराज, धन्नू, बाबू, कलीम खान, पवन बरमैया, महेंद्र एवं आसिफ खवासा तथा ग्राउंड व्यवस्था में पारस एवं जावेद सहित समिति के अन्य सदस्यों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खैरलांजी में दो बाईक की भिड़ंत में दोनों चालक घायल

खैरलांजी (स्वतंत्र मत)। वन विभाग कार्यालय के सामने 17 नवम्बर को दो मोटरसाइकिलों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भंडारबोडी निवासी युगल किशोर लिल्हारे (52), जो वन विभाग में वनरक्षक के पद पर पदस्थ हैं, अपनी मोटरसाइकिल से कार्यालय लौट रहे थे। इसी दौरान सुबह 11 बजे करीब पीछे से आ रहे पिपरिया निवासी रंजित लिल्हारे (24) की मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों चालक सड़क पर गिर पड़े। हादसे में युगल किशोर के पैर और सीने में, जबकि रंजित के सिर और पीठ में गंभीर चोटें आई हैं। घायल युगल किशोर ने बताया कि वे बनोटे की चाय दुकान पर चाय पीकर वन विभाग कार्यालय लौट रहे थे, तभी पीछे से उनकी बाइक को टक्कर मार दी गई। वहीं, बताया जा रहा है कि रंजित अपनी बहन को छोड़कर पिपरिया वापस जा रहे थे। इसी दौरान यह दुर्घटना हुई।

एयर होस्टेस वर्षा हत्याकांड में फ्रेंड नितेश पर शक!

मप्र और महाराष्ट्र पुलिस के चार दिन बाद भी हाथ खाली... परिजनों ने कहा आरोपी को बचाने की हो रहीं कोशिश

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

माता-पिता ने अपनी बेटी वर्षा तूरकर को पढ़ा-लिखाकर इस काबिल बनाया कि वह आसमान में उड़कर अपने सपनों को नई उड़ान दे सके। लेकिन किसे पता था कि दीपावली की छुट्टियां मनाने मायके आई वर्षा की बेरहमी से हत्या कर दी जाएगी। इस हत्याकांड के बाद परिजनों ने उसके साथी नितेश अग्रवाल पर आशंका जताई हैं। परिजनों का दावा है कि वर्षा की हत्या के पीछे पैसों का विवाद हो सकता है। शुरुआत में वर्षा के साथ लूटपाट कर हत्या किए जाने की आशंका जताई गई थी, लेकिन खैरलांजी पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वर्षा के साथ कोई लूटपाट नहीं हुई। उसके शरीर पर धारदार हथियार से तीन वार किए गए हैं, जो लगभग एक समान हैं। पुलिस के मुताबिक, उसके गले की चेन, अंगूठी और कान के बाले भी सुरक्षित मिले हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर वर्षा की हत्या क्यों की गई? इस मामले की जांच मध्यप्रदेश की खैरलांजी पुलिस और महाराष्ट्र की दौनीवाड़ा पुलिस कर रही हैं। वहीं, वर्षा के साथी नितेश अग्रवाल को महाराष्ट्र पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की है। हालांकि, हत्या के तीन दिन बाद भी इस हत्याकांड की गुत्थी नहीं सुलझ पाई है। दरअसल, 35 वर्षीय वर्षा तूरकर दो बहनों और दो भाइयों में से



एक थी। उसके माता-पिता खेती-किसानी करते हैं। वर्षा की पढ़ाई-लिखाई और परवरिश में उसके मामा का भी अहम योगदान रहा। वर्ष 2010 में उसने गो एयर पुणे से अपने एयरलाइंस करियर की शुरुआत की। इसके बाद विस्तारा एयरलाइंस में काम किया और वर्तमान में एयर इंडिया से जुड़ी हुई थी। करीब 16 वर्षों से वह पुणे में एयरलाइंस की नौकरी कर रही थी। वर्ष 2022 में उसने समर सैयद के साथ प्रेम विवाह किया था। दोनों की ढाई साल की एक बेटी है। उसके पति समर सैयद भी इंदौर में एयरलाइंस में नौकरी करते हैं। दीपावली का त्योहार मनाने वर्षा अपनी बेटी के साथ बालाघाट जिले के ग्राम किन्ही आई हुई थी। परिजनों ने पुलिस की जांच पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि नितेश अग्रवाल प्रभावशाली और करोड़पति व्यक्ति है, इसलिए उसे बचाने की कोशिश की जा रही है। 14 नवंबर की शाम वह खैरलांजी स्थित अपनी बहन की कपड़े की दुकान पर थी। इसी दौरान उसका दोस्त गोंदिया निवासी नितेश अग्रवाल अपनी वीआईपी नंबर वाली कार लेकर वहां पहुंचा। उसने वर्षा से घूमने चलने की बात कही। इसके बाद नितेश ने पहले संतरा, केला और सिंघाड़े खरीदे। फिर महाराष्ट्र के दौनीवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम बोंडरानी में वैनगंगा नदी के किनारे चले गए। शाम करीब 5.53 मिनट पर नितेश ने वर्षा के बहनोई अश्विनी को फोन कर बताया कि उनके साथ लूटपाट हुई है और वर्षा सहित उसे चाकू मारे गए हैं। सूचना मिलते ही अश्विनी अपने



दोस्तों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। बहनोई अश्विनी ने बताया कि जब वे घटनास्थल पर पहुंचे तो शिव मंदिर के पीछे जंगल में गाड़ी के पास वर्षा खून से लथपथ और बेहोशी की हालत में पड़ी थी, जबकि नितेश अग्रवाल कुछ दूरी पर खड़ा था। वे तत्काल वर्षा को उठाकर खैरलांजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां नर्सों ने घटना के बारे में पूछा तो नितेश ने पहले बताया कि एक्सीडेंट हुआ है। इस पर अश्विनी ने बताया कि यह हादसा नहीं, बल्कि किसी ने वर्षा को चाकू मारा है। इसके बाद डॉक्टरों ने सीपीआर भी दिया, लेकिन तब तक वर्षा की मौत हो चुकी थी। वर्षा की छोटी बहन ने बताया कि खैरलांजी में उसकी कपड़े की दुकान है। 14 नवंबर को शाम 4 बजे क़रीब नितेश अग्रवाल दुकान पर आया था। उसने बच्चों के लिए खाने-पीने का सामान लेने और फिर घर जाने की बात कही थी। कुछ देर बाद अस्पताल पहुंचने का फोन आया। जब अस्पताल पहुंचे तो वर्षा की मौत हो चुकी थी। शुरुआत में उन्हें बताया गया कि वर्षा के साथ लूटपाट हुई है, लेकिन उसके गले में चेन, अंगुली में अंगूठी और कानों में बालियां सुरक्षित थीं। वहीं, नितेश के शरीर पर किसी तरह की चोट के निशान नहीं थे। बहन का आरोप है कि नितेश के बयानों और घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए उसी पर संदेह है। उसने दोषी को सजा दिलाने और अपनी बहन को न्याय दिलाने की मांग की है। वर्षा की मां प्रमिला तूरकर ने बताया कि नितेश अग्रवाल का उनके घर आना-जाना था और परिवार के साथ उसके अच्छे संबंध थे। वह वर्षा से भी बातचीत करता था। मां के मुताबिक, नितेश ही वर्षा को अपने साथ लेकर गया, उसी ने फोन कर बताया कि वर्षा को चाकू मारे गए हैं और वही उसे अस्पताल लेकर पहुंचा। मां ने हत्या के पीछे पैसों के विवाद की आशंका जताई है। उनका कहना है कि वर्षा ने नागपुर में अपना प्लॉट करीब 60 लाख रुपये में बेचा था। इस रकम को बिजनेस में लगाने के लिए नितेश अग्रवाल ने मांगा था। बाद में पैसों को लेकर दोनों के बीच विवाद भी हुआ था। मां के मुताबिक, वर्षा 7 नवंबर को गांव पहुंची थी।

न्यायालय :- न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, मंडला (म.प्र.)

(पीठासीन अधिकारी वत्सला प्रजापति)

प्रति,

प्रो.क्र.- 978/26
पेशी दिनांक 21.12.2026
गणेश चक्रवर्ती पिता स्व. संतोष चक्रवर्ती, आयु 37 वर्ष, पेशी-21-12-26
निवासी ग्राम ढुटेरा, थाना केवलारी
पोस्ट- पलारी तहसील केवलारी जिला सिवनी (म.प्र.)

// उपस्थिति की सूचना//

इस न्यायालय के समक्ष आवेदिका श्रीमति सुमन चक्रवर्ती पति गणेश चक्रवर्ती आयु 33 वर्ष, निवासी ग्राम घुघरी, थाना घुघरी, जिला मंडला (म.प्र.) ने आपके विरुद्ध प्रकरण क्र. एमजीसी आर/627/2025 अंतर्गत धारा 12 नियम 6 (1) घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 के तहत आवेदन पत्र पेश कर अधिनियम की धारा 18, 19, 20, 22, 23 के तहत अनुतोष चाहा है। इस न्यायालय के द्वारा आपकी उपस्थिति हेतु कई बार सूचना पत्र प्रेषित किये गये किंतु वे अदम तामील वापिस प्राप्त हुये है। इस कारण आपकी उपस्थिति हेतु यह प्रकाशन कराया जा रहा है। उक्त प्रकरण की पेशी इस न्यायालय के समक्ष दिनांक 21.12.2026 को आपकी उपस्थिति हेतु नियत है। अतः आप स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत पेशी दिनांक 21.12.2026 तक यदि आप न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होते है तो आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर प्रकरण अग्रिम कार्यवाही हेतु नियत कर दिया जावेगा। अतः प्रकाशन पत्र आज दिनांक 17-11-26 को मेरे हस्ताक्षर एवं मुद्रा से जारी किया गया।

नोट :- यदि किसी कारण वश उक्त नियत दिनांक को अवकाश हो जाता है तो आप आगामी कार्य दिवस पर उपस्थित हो सकते हैं।

(सुश्री वत्सला प्रजापति)
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
मण्डला(मप्र)

वेंकट लाइब्रेरी में सोनिया गांधी की पुस्तक बिलॉगिंग : ए जर्नी ऑफ लव भेंट

दिव्यांशु मिश्रा-अंशु ने कांग्रेसजनों के साथ पहुँचकर लाइब्रेरी प्रबंधन को सौंपी पुस्तक



कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के हृदयस्थल पर स्थित वेंकट लाइब्रेरी में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी की चर्चित पुस्तक बिलोंगिंग:ए जर्नी आफ लव भेंट की गई। कांग्रेस नेता दिव्यांशु मिश्रा-अंशु ने कांग्रेसजनों के साथ लाइब्रेरी पहुँचकर प्रबंधन को पुस्तक सौंपी, ताकि यहाँ नियमित रूप से आने वाले विद्यार्थी, युवा एवं पुस्तक प्रेमी इसे पढ़ सकें और सोनिया गांधी के जीवन तथा उनके राजनीतिक सफर को करीब से समझ सकें। इस अवसर पर मीडिया से चर्चा करते हुए दिव्यांशु मिश्रा-अंशु ने कहा कि सोनिया गांधी का जीवन केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व की कहानी नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग, धैर्य, संघर्ष और सार्वजनिक जीवन के प्रति समर्पण की प्रेरणादायक यात्रा है। उन्होंने कहा कि पुस्तक में वर्ष 1965 में कैम्ब्रिज में राजीव गांधी जी से पहली मुलाकात, उनके प्रेम और वर्ष 1968 में विवाह के बाद भारत को अपना घर बनाने के अनुभवों का बेहद आत्मीय वर्णन है। राजीव गांधी जी के साथ बिताए पारिवारिक जीवन की स्मृतियाँ इस पुस्तक को विशेष बनाती हैं। वहीं वर्ष 1980 में संजय गांधी का निधन, वर्ष 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या और 21 मई 1991 को राजीव गांधी की असामयिक शहादत जैसी घटनाओं ने उनके जीवन को गहरे रूप से प्रभावित किया।

पुस्तक में इन कठिन परिस्थितियों और व्यक्तिगत पीड़ा के बीच स्वयं को संभालने के अनुभव भी साझा किए गए हैं। अंशु ने कहा कि राजीव गांधी की शहादत के बाद सोनिया गांधी ने लंबे समय तक सक्रिय राजनीति से दूरी बनाए रखी, लेकिन वर्ष 1998 में कांग्रेस की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने ऐसे समय में पार्टी का नेतृत्व किया, जब कांग्रेस अनेक राजनीतिक चुनौतियों से गुजर रही थी। पुस्तक में वर्ष 1999 के राजनीतिक घटनाक्रम और उस दौर में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्वर्गीय अर्जुन सिंह जी की राजनीतिक सलाह का भी उल्लेख है। अर्जुन सिंह जी जैसे अनुभवी नेताओं की भूमिका उस दौर की कांग्रेस राजनीति को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। वहीं दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं का योगदान भी कांग्रेस के राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश के राजनीतिक सफर का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2004 में कांग्रेस के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने और प्रधानमंत्री पद स्वीकार न करने का सोनिया गांधी का निर्णय भारतीय राजनीति की महत्वपूर्ण घटनाओं में शामिल है। उनके नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन ने लगातार दो बार केंद्र में सरकार बनाई। पुस्तक में डॉ. मनमोहन सिंह के साथ कार्यकाल, पार्टी और सरकार के बीच समन्वय, राजनीतिक चुनौतियों तथा सार्वजनिक जीवन के अनेक अनुभवों पर भी प्रकाश डाला गया है। पुस्तक में 2024 के लोकसभा चुनाव, गठबंधन के गठन, संविधान एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा, सामाजिक सद्भाव और भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति को लेकर सोनिया गांधी के विचार भी पढ़ने योग्य हैं। यह पुस्तक व्यक्तिगत स्मृतियों के साथ-साथ देश की लोकतांत्रिक और राजनीतिक यात्रा को समझने का अवसर प्रदान करती है। अंशु ने कहा कि पुस्तकालय केवल किताबें रखने का स्थान नहीं होते, बल्कि वे विचारों, ज्ञान और वैचारिक संवाद के केंद्र होते हैं।

वेंकट लाइब्रेरी कटनी के उन प्रमुख स्थानों में से है, जहाँ बड़ी संख्या में विद्यार्थी, युवा और पुस्तक प्रेमी अध्ययन के लिए पहुँचते हैं। इस पुस्तक को यहाँ उपलब्ध कराने का उद्देश्य है कि आम नागरिक, विशेषकर युवा, इसे पढ़ें और एक वरिष्ठ राजनीतिक व्यक्तित्व के जीवन अनुभवों के माध्यम से देश के इतिहास, लोकतंत्र और सामाजिक विविधता को समझ सकें। हमारा प्रयास है कि महत्वपूर्ण पुस्तकों और विचारों तक आम नागरिकों की पहुँच आसान हो। पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना और नई पीढ़ी को साहित्य, इतिहास तथा समकालीन राजनीतिक विमर्श से जोड़ना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने भी पुस्तकालय में पुस्तक उपलब्ध कराने की इस पहल को सराहनीय बताते हुए इसे शहर के पाठकों और युवाओं के लिए उपयोगी प्रयास बताया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष आनंद पटेल, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय खटिक, युंका राष्ट्रीय प्रवक्ता सौम्या रंधेलिया, आदित्य कटारे, सोशल मीडिया प्रदेश उपाध्यक्ष शशांक गुप्ता, राहुल पटेरियां, यंका विधानसभा अध्यक्ष सचिन गर्गएआईटी जिला अध्यक्ष सुरेंद्र राणा, श्याम पहुजा, चोखे भाईजान, सूर्यकांत कुशवाहा, अभिषेक प्यासी, मीनाक्षी बलवी, श्याम यादव, रमेश अहिरवार, अनुराग दाहिया, रश्मि अग्रवाल, इकलाख अहमद, प्रिंस वंशकार, अभिषेक गुप्ता, सत्यम द्विवेदी, अनुराग पटेल, राजन साहू, मनीषा सिंह, अमित पटेल, अभिषेक परिहार, रवि जायसवाल, देवाश बाजपेयी आदि उपस्थित हुए।



महापौर के नेतृत्व में एकजुट हुआ भाजपा पार्षद परिवार

ओमप्रकाश बल्ली सोनी को लेकर आज एक सुखद परिणाम सामने आया

कटनी (स्वतंत्रमत)।

वार्ड में विकास कार्य न हो पाने की वजह से आवेश में आकर बल्ली सोनी ने सदन में इस्तीफा दे दिया था। आज भाजपा पार्षद साथियों एवं वार्ड के स्थानीय निवासियों की मौजूदगी में महापौर ने उन्हें समझाइश दी। महापौर ने कहा कि आपके वार्ड में पिछले 15 वर्षों तक विकास कार्य नहीं हो पाने का एक बड़ा कारण अवैध कॉलोनी का होना था। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने मध्यप्रदेश में अवैध कॉलोनियों को वैध करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया, जिसके बाद विकास का रास्ता खुला। महापौर पूरे शहर की महापौर हैं, उन्हें हर वार्ड के पार्षदों का ध्यान देना पड़ता है। उनके नेतृत्व में आपके वार्ड में जितने काम अभी हुए हैं, इतने पहले कभी नहीं हुए। आज आपके वार्ड में लगभग 5 करोड़ रुपये से ऊपर के विकास कार्य हो चुके हैं और आगे भी विकास कार्य होंगे। महापौर ने जल्द से जल्द शेष कार्य करवाने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि मैं आपके साथ हूं, धैर्य रखिए, भाजपा और संगठन पर विश्वास रखिए। विकास की लड़ाई में मैदान नहीं छोड़ते, बल्कि मिलकर रास्ता निकालते हैं। भाजपा एक परिवार है, विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है। परिवार में मतभेद हो सकते हैं, मनभेद नहीं होना चाहिए। बल्ली सोनी ने भी महापौर के नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए अपना इस्तीफा वापस लिया और वार्ड और पूरे कटनी के विकास के लिए साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। महापौर की सबसे बड़ी खासियत है कि वे सभी पार्षदों को साथ लेकर चलना चाहती हैं। यही मजबूत नेतृत्व की पहचान है। आइए, आपसी मतभेद भुलाकर मिलकर काम करें और भाजपा संगठन को और मजबूत बनाएं। उपरांत महापौर पार्षद साथियों के साथ ओमप्रकाश बल्ली सोनी के निवास पर जाकर उनकी माता का कुशल छेम पूछा। इस मौके पर भाजपा संगठन जिले के महामंत्री सुखदेव चौधरी जो वर्तमान में पार्षद भी हैं, एमआईसी सदस्य सुभाष शिब्बू साहू, डॉ. रमेश सोनी, सुरेंद्र गुप्ता, जयनारायण निषाद, ओमेंद्र अहिरवार, पार्षद श्याम पंजवानी, बंदना राजकिशोर यादव, रेखा संजय तिवारी, शकुंतला सोनी, भट्टू यादव, सुनीता कमलेश चौधरी, एल्डरमैन नरेश अग्रवाल, पूर्व पार्षद जीवन चौधरी, पूर्व पार्षद राजू माखीजा, पूर्व पार्षद डब्बू रजक एवं वार्ड के स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।



भारतीय जैन मिलन, क्षेत्र क्रमांक-10 की तृतीय क्षेत्रीय कार्यकारिणी बैठक संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)। भारतीय जैन मिलन, क्षेत्र क्रमांक-10 की तृतीय क्षेत्रीय कार्यकारिणी बैठक रविवार, दिनांक 15 नवंबर को जैन मिलन कटनी एवं महिला जैन मिलन कटनी के संयुक्त आतिथ्य में जैन हायर सेकेंडरी स्कूल, कटनी में आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिवीर कमलेन्द्र जैन उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिवीर इंजीनियर महेश जैन ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय चेयरमैन वीर सुभाष सिंघई सहित अनेक राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी, गणमान्य अतिथि तथा जैन मिलन के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अतिवीर अरुण चंदेरिया, वीर जिनेश बहरोल, अतिवीर प्रमोद भाई, वीर मनीष विद्यार्थी, वीर अरविंद जैन, वीर संजय शक्कर, अतिवीरांगना मंजू जैन सतभैया, वीरांगना ममता जैन, वीरांगना ज्योति जैन रोडा, वीरांगना सारिका जैन, वीरांगना ज्योति जैन, वीर सुकीर्ति जैन (पूर्व अध्यक्ष), सौम्या रांधेलिया (युवा नेता), वीर आशीष जैन, वीर राजकुमार जैन, वीर मनीष जैन, वीर वैभव जैन, वीर संचित जैन (मंत्री), वीर विभोर जैन, वीर आतिश जैन, वीर विकास जैन एवं वीर दीपक जैन उपस्थित रहे। महिला शाखा से वीरांगना निशा जैन (महिला अध्यक्ष), वीरांगना नीतू जैन (मंत्री), वीरांगना मीनू जैन, वीरांगना सरद जैन, वीरांगना नम्रता जैन, वीरांगना रंजना जैन, वीरांगना रचना जैन, वीरांगना नम्रता जैन, वीरांगना अनमोल जैन, वीरांगना प्रिया जैन, वीरांगना निहारिका जैन, वीरांगना दीपांशी जैन, वीरांगना ज्योति जैन एवं वीरांगना स्वाति जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सराफा बाजार की सुरक्षा को लेकर पुलिस एवं सराफा व्यापारियों की संयुक्त बैठक आयोजित

सीसीटीव्ही कैमरे, रात्रि गश्त, कर्मचारियों का सत्यापन एवं दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए गए महत्वपूर्ण सुझाव



कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा शहर के मध्य स्थित सराफा बाजार की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं व्यापारियों के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षा संबंधी आवश्यक उपाय सुनिश्चित करने हेतु संयुक्त बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके पालन में दिनांक 16 नवम्बर को थाना कोतवाली कटनी परिसर में पुलिस एवं सराफा व्यवसायियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय, सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं शहर के प्रमुख सराफा व्यवसायी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सराफा बाजार की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा उपस्थित व्यवसायियों से सुरक्षा संबंधी सुझाव प्राप्त किए गए। पुलिस अधिकारियों द्वारा सराफा बाजार में कार्यरत कारीगरों एवं कर्मचारियों, विशेषकर बाहरी राज्यों से आने वाले व्यक्तियों का अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराने के उपरांत ही काम पर रखने की अपील की गई। इसके अतिरिक्त सराफा दुकानों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने हेतु निम्नलिखित सुझाव दिए गए-1. दुकानों में उच्च गुणवत्ता के सीसीटीव्ही कैमरे स्थापित किए जाएं तथा उनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। 2. दुकानों में मजबूत एवं सुरक्षित लॉकर तथा डबल इंटरलॉकिंग सिस्टम लगाया जाए। 3. चोरी की घटनाओं से बचाव हेतु थेफ्ट अलार्म एवं अन्य आधुनिक सुरक्षा उपकरण लगाए जाएं। 4. दुकानों में पुराने सोने-चांदी के जेवरात बेचने आने वाले व्यक्तियों का आधार कार्ड, मोबाइल नंबर एवं अन्य आवश्यक जानकारी लेकर उसका रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। 5. सराफा बाजार में संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखी जाए तथा किसी भी संदिग्ध परिस्थिति की सूचना तत्काल पुलिस को दी जाए। 6. बाजार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रात्रि गश्त एवं पुलिस निगरानी को प्रभावी बनाने के संबंध में भी चर्चा की गई। बैठक के अंत में सभी सराफा व्यवसायियों द्वारा पुलिस प्रशासन के सुझावों पर अमल करने तथा सराफा बाजार की सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया।

थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य पुलिस एवं सराफा व्यवसायियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सराफा बाजार की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना तथा चोरी, धोखाधड़ी एवं अन्य आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाना है।



सेक्रेड हार्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल में कैरियर कॉन्क्लेव

देशभर की 30 यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि हुए शामिल

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सेक्रेड हार्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल में आज कैरियर कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। देशभर के 30 विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर छात्र छात्राओं को प्रोफेशनल कोर्सेस को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी। 10 वीं और बारहवीं के बाद बच्चे अपने कैरियर को लेकर कौन सी फील्ड चुनें। किस पाठ्यक्रम के साथ आगे बढ़ें, इस पर खास फोकस किया गया। हर यूनिवर्सिटी के अलग काउंटर लगाए गए, जिनमें संचालित कोर्सेस से छात्र अवगत हुए। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत के उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा मौजूद रहे। गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में यशभारत के संपादक आशीष सोनी की मौजूदगी रही। दोनों अतिथियों ने अपने उद्बोधन में सेक्रेड हार्ट स्कूल प्रबंधन द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए इस नवाचार को छात्रों के भविष्य की नींव मजबूत करने में महत्वपूर्ण बताया। इस मौके पर डॉ राजेंद्र प्रसाद एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष श्रीकांत गट्टानी, सचिव रामहित सोनी, प्रिंसिपल नुपुर कपूर ने अतिथियों को सम्मानित भी किया।

लोक आस्था और सूर्य उपासना का पर्व है छठ : अशोक विश्वकर्मा

छठ महापर्व पर छपरवाह के हनुमानघाट पहुंचकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने दी शुभकामनाएं

कटनी (स्वतंत्रमत)।



लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ के अवसर पर छपरवाह के हनुमान घाट में बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने रविवार की शाम डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत कटनी के उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने छपरवाह के हनुमान घाट पहुंचकर समस्त नगरवासियों, छठ व्रतधारी माताओं, बहनों एवं श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस पावन पर्व पर सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए छठी मैया एवं भगवान सूर्य से सभी पर अपनी कृपा बनाए रखने की कामना। विश्वकर्मा ने कहा कि छठ पर्व भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा, लोक आस्था, श्रद्धा, पवित्रता एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम प्रतीक है। यह पर्व भगवान सूर्य की उपासना और छठी मैया की आराधना के माध्यम से मानव जीवन में अनुशासन, संयम, निष्ठा एवं समर्पण का संदेश देता है। इस पावन पर्व पर व्रतधारी श्रद्धालु पूरी श्रद्धा एवं भक्ति के साथ कठिन व्रत रखकर अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं तथा परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हैं।

उन्होंने कहा कि छठ महापर्व हमारी सांकृतिक विरासत एवं पारिवारिक मूल्यों को सहेजने के साथ ही सामाजिक एकता, सद्भाव और आपसी भाईचारे को भी मजबूत करता है। इस पर्व की विशेषता इसकी सादगी, पवित्रता, स्वच्छता एवं प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना में निहित है। घाटों पर एक साथ एकत्रित होकर श्रद्धालुओं द्वारा सूर्य उपासना करना सामाजिक समरसता और सामूहिक आस्था का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करता है। उन्होंने समस्त व्रतधारी श्रद्धालुओं के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कामना की कि छठी मैया एवं भगवान सूर्य का आशीर्वाद प्रत्येक परिवार पर बना रहे। सभी के जीवन में सुख-शांति, आरोग्य, समृद्धि एवं सकारात्मकता का संचार हो तथा कटनी नगर निरंतर विकास, सौहार्द एवं खुशहाली के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

तेवरी बायपास पर तेज रफ्तार वाहनों की भिड़ंत, बुजुर्ग दंपति की मौके पर मौत

टीवीएस एक्सएल और तूफान सवारी वाहन के बीच हुई जोरदार टक्कर, हादसे के बाद मचा हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले के तेवरी बायपास पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने दो परिवारों को गहरे शोक में डुबो दिया। कॉकटेल ढाबा के सामने टीवीएस एक्सएल दोपहिया वाहन और तूफान सवारी वाहन के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि टीवीएस एक्सएल पर सवार बुजुर्ग दंपति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों वाहनों के बीच टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बुजुर्ग दंपति को संभलने तक का मौका नहीं मिला। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्लीमनाबाद थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

हृदयविदारक घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल-फिलहाल मृतक दंपति की पहचान और उनके निवास स्थान के संबंध में जानकारी सामने नहीं आ सकी है। पुलिस उनकी शिनाख्त करने के साथ ही हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है। तेवरी बायपास पर हुई इस हृदयविदारक घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है।



पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहित सभी अनुभागों के राजपत्रित पुलिस अधिकारी जनसुनवाई में रहे उपस्थित आमजन की समस्याएं सुनीं, त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के दिए निर्देश



कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी पुलिस द्वारा पीड़ित को न्याय दिलाने पर एक फरियादी धन्यवाद प्रेषित करने भी आया जनसुनवाई में। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं समस्याओं के प्रभावी समाधान के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में दिनांक 17 नवंबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय कटनी में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतें ध्यान पूर्वक सुनी फरियादियों से गहन चर्चा कर समस्या को जानकर एवं उनके समाधान हेतु थाना प्रभारियों को निर्देश दिए। जनसुनवाई में उपस्थित सभी अनुभागों के अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों ने जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए आवेदकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। प्राप्त आवेदनों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कई प्रकरणों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए, जबकि कुछ मामलों में दूरभाष के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में प्रमुख रूप से पारिवारिक विवाद, पड़ोस संबंधी विवाद, दस्तावेजों का दुरुपयोग कर ऋण लेने से संबंधित धोखाधड़ी, पैसों के लेन-देन के विवाद, मकान एवं दुकान पर अवैध कब्जे की शिकायत, महिला द्वारा ब्लैकमेलिंग, वित्तीय धोखाधड़ी, पुलिस द्वारा सुनवाई नहीं किए जाने की शिकायत, प्लॉट एवं भूमि संबंधी विवाद, महिला अपराध सहित अन्य पुलिस संबंधी प्रकरण सामने आए। पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रत्येक आवेदक की समस्या एवं व्यथा को संवेदनशीलता और गंभीरता से सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को शीघ्र, निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, डीएसपी हेडक्वार्टर रत्नेश मिश्रा, एसडीओपी विजयराघवगढ़ वीरेंद्र धार्वे, एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी, डीएसपी अनिमेष द्विवेदी उपस्थित रहे।

धोनी ने आईपीएल से लिया संन्यास

अब सीएसके के मेंटर के रूप में काम करेंगे

चेन्नई (वार्ता)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी एम.एस. धोनी ने मंगलवार को आईपीएल से संन्यास की घोषणा कर दी है। 2008 में आईपीएल की शुरुआत से ही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से जुड़े रहे धोनी ने अपनी कप्तानी में टीम को 5 बार चैंपियन बनाया है। अब 2027 के सीजन से वे सीएसके के मेंटर के तौर पर अपनी नई पारी की शुरुआत करेंगे। धोनी ने रिकॉर्ड 10 बार फाइनल में जगह बनाई है। उनकी कप्तानी में सीएसके ने 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में आईपीएल का खिताब जीता है - जो किसी भी कप्तान द्वारा जीते गए सबसे ज्यादा खिताबों की बराबरी है। इसके अलावा, 2008, 2012, 2013, 2015 और 2019 में टीम उपविजेता रही। उन्होंने सुपर किंग्स को 2 बार चैंपियंस लीग टी20 का खिताब भी जिताया है, जो किसी भी कप्तान के लिए सबसे ज्यादा है।

एक ऐसा खिलाड़ी जो जीवन में बस एक बार मिलता है

धोनी की नई भूमिका की घोषणा करते हुए, सीएसके ने एक्स (ट्विटर) पर लिखा, आधिकारिक घोषणा। एक ऐसा खिलाड़ी जो जीवन में बस एक बार मिलता है। एक नई भूमिका। एक ऐसा रिश्ता जो हमेशा कायम रहेगा। टीम



ने आगे कहा, महेंद्र सिंह धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के टीम मेंटर बन गए हैं! अनगिनत जीत, मुश्किल दौर और ऐसी यादें जो हमेशा हमारे दिलों में रहेंगी - एमएस शुरुआत से ही हमारे इस सफर का अहम हिस्सा रहे हैं। हमें जीत दिलाने से लेकर सुपर किंग्स की अगली पीढ़ी का मार्गदर्शन करने तक, थाला हमेशा हमारी पहचान का हिस्सा रहेंगे। और चेन्नई हमेशा उनका घर रहेगा।

धोनी इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक

एक बेहतरीन कप्तान होने के साथ-साथ, धोनी इस लीग के इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक हैं। वे 5,314 रनों के साथ सुपर किंग्स के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं और 272 मैचों के साथ सीएसके के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी हैं। आखिरी गेंद पर मैच जिताने वाले उनके कारनामे और मशहूर हेलीकॉप्टर शॉट सीएसके और आईपीएल के इतिहास का एक खास हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन आंकड़ों से परे, धोनी क्रिकेट और सीएसके के एक आम दिग्गज से कहीं ऊपर उठ चुके हैं। तनावपूर्ण मैचों के दौरान जब प्रशंसक घबराहट में अपनी उंगलियां चबा रहे होते थे, तब धोनी का शांत स्वभाव; पलक झपकते ही स्टंपिंग करके बल्लेबाजों को चौंका देना; और उनकी लीक से हटकर सोचने की अनोखी क्षमता-इन सबने लाखों प्रशंसकों को भरोसा करने की एक वजह दी।

धोनी के बिना सीएसके का कोई अस्तित्व नहीं

सीएसके के मालिक एन. श्रीनिवासन ने बताया कि एमएस धोनी आईपीएल 2027 से चेन्नई सुपर किंग्स के साथ टीम मेंटर के रूप में एक नए अध्याय की शुरुआत करेंगे। फ्रेंचाइजी के लिए धोनी के महत्व पर बात करते हुए उन्होंने कहा, एमएस धोनी के बिना सीएसके का कोई अस्तित्व नहीं है। लगभग दो दशकों तक, हमने जीत, हार और हर तरह के उतार-चढ़ाव के बीच एक-दूसरे का साथ दिया है और साथ मिलकर आगे बढ़े हैं। हमारा रिश्ता इतना मजबूत इसलिए है क्योंकि हम एक-दूसरे के इरादों पर कभी सवाल नहीं उठाते। इसी भरोसे ने इस सफर को मुमकिन बनाया है। श्रीनिवासन ने कहा, 2008 में, मैंने जोर देकर कहा था कि धोनी को सीएसके का हिस्सा होना चाहिए... और यह मेरा अब तक का सबसे बेहतरीन फैसला साबित हुआ। सिर्फ इसलिए नहीं कि उन्होंने फ्रेंचाइजी के लिए इतनी उपलब्धियां हासिल कीं, बल्कि इसलिए कि वे एक बेहतरीन इंसान हैं। उन्होंने आगे कहा, धोनी हमेशा हमारी पहचान का हिस्सा रहेंगे। यह हमेशा उनका घर रहेगा।

धोनी जैसा खिलाड़ी जिंदगी में बस एक बार ही आता है

सीएसके की मालकिन रूपा गुरुनाथ ने कहा, एमएस धोनी जैसा खिलाड़ी जिंदगी में बस एक बार ही आता है। हम बहुत भाग्यशाली हैं और तहे दिल से आभारी हैं कि वे सीएसके की शुरुआत से ही हमारे साथ रहे हैं और इस टीम की नींव रखी है। उन्होंने कहा, एमएस धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के एक दिग्गज से कहीं बढ़कर हैं। मैदान के अंदर और बाहर, उन्होंने हमें जो कुछ भी दिया है, वह अनमोल है। उनका नेतृत्व, विनम्रता, समर्पण और लाखों प्रशंसकों के साथ उनका जुड़ाव वाकई खास है। इतने सालों में उन्होंने एक ऐसी विरासत बनाई है और हमें ऐसी यादें दी हैं, जिन्हें हम जीवन भर संजोकर रखेंगे। उन्होंने आगे कहा, एमएस एक मेंटर के तौर पर सीएसके परिवार का हिस्सा बने रहेंगे। उनका अनुभव और विशेषज्ञता हमारे लिए बहुत कीमती है, खासकर बदलाव के इस दौर में। टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं, और उनका मार्गदर्शन सीएसके की अगली पीढ़ी को तैयार करने में मदद करेगा।

वे हमारे खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे

सीएसके के एमडी केएस विश्वनाथन ने कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर एमएस धोनी ने जो हासिल किया है, वह हर प्रशंसक के जेहन में बसा हुआ है। लेकिन जो बात धोनी को सच में खास बनाती है, वह यह है कि वे किस तरह पूरी तरह से चेन्नई का हिस्सा बन गए। उन्होंने इस शहर को अपनाया, और शहर ने भी उन्हें अपने ही एक सदस्य की तरह अपना लिया। उन्होंने कहा, जब हम पीछे मुड़कर देखेंगे, तो हमें ट्रॉफियां तो याद रहेंगी ही, साथ ही यह भी याद रहेगा कि हमने उन्हें कैसे जीता। यही उनकी असली विरासत है। भले ही हम उन्हें मैदान पर पीली जर्सी में नहीं देख पाएंगे, लेकिन हमें खुशी है कि वे हमारे खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। यह रिश्ता आगे भी मजबूत होता रहेगा और आने वाले कई सालों तक इस टीम को आकार देता रहेगा। सीएसके को उम्मीद है कि धोनी अब एक नई भूमिका में नजर आएंगे।



सात्विक-चिराग ने रोमांचक जीत के साथ हार का सिलसिला तोड़ा

हांगकांग (वार्ता)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने मंगलवार को हांगकांग ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में कड़ी टक्कर के साथ जीत हासिल करके लगातार तीन बार पहले राउंड से बाहर होने का सिलसिला खत्म किया। दुनिया की नंबर 6 भारतीय बैडमिंटन जोड़ी ने एक घंटे आठ मिनट तक चले शुरुआती राउंड के मैच में चीनी ताइपे के 15वीं रैंक वाले ली जे-हुई और यांग पो-हसुआन को 15-21, 21-17, 28-26 से हराया। इस जीत से सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का चीनी ताइपे की जोड़ी के खिलाफ बिना हारे हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-0 हो गया। पांचवीं सीड सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने अच्छी शुरुआत की और शुरुआती गेम में 6-3 की बढ़त बना ली। हालांकि, चीनी ताइपे की जोड़ी ने धीरे-धीरे वापसी करते हुए 11-11 की बराबरी कर ली। स्कोर 14-14 से बराबर होने पर, मुकाबला बराबरी का था, लेकिन ली और यांग ने कंट्रोल कर लिया। 16-15 से आगे चल रहे, उन्होंने लगातार पांच पॉइंट जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम भी कांटे का रहा, जिसमें दोनों जोड़ियां 11-11 से बराबर थीं। भारतीय जोड़ी ने लगातार पांच पॉइंट जीतकर 16-11 की बढ़त बना ली और आखिरकार मैच को निर्णायक गेम्स तक ले गए। इसके बाद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी निर्णायक गेम की शुरुआत में 7-3 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद मुकाबला कड़ा रहा, दोनों जोड़ियों ने बढ़त बदली, इससे पहले कि इंडियंस 20-18 से दो पॉइंट आगे हो गए। ली और यांग, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, ने लगातार तीन पॉइंट बनाकर 21-20 का मैच पॉइंट हासिल किये सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने फिर 22-21 पर अपना मैच पॉइंट हासिल किया, लेकिन उनके अपोनेंट्स ने जवाब देकर मुकाबला ज़िंदा रखा। दोनों जोड़ियों ने एक-दूसरे पर वार करना जारी रखा, जिसमें भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने चार मैच पॉइंट बचाए। मुकाबला 26-26 तक बराबरी पर रहा, फिर सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने आखिरकार जीत हासिल की। इस बीच, भारत के ध्रुव कपिला और राधिका शर्मा क्वालिफाइंग राउंड से आगे बढ़कर मिक्स्ड डबल्स के मेन ड्रॉ में पहुंच गए।

मनु भाकर आईएसएसएफ एथलीट कमेटी की सदस्य चुनी गई



नयी दिल्ली (वार्ता)। दोहरे ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को 2026-2030 के लिए अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी स्पोर्ट संघ (आईएसएसएफ) एथलीट कमेटी का सदस्य चुना गया है। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने मंगलवार को ग्लोबल गवर्निंग बॉडी से भाकर के सदस्य चुने जाने की आधिकारिक पुष्टि की है। सोमवार को म्यूनिख से जारी एक आधिकारिक बातचीत में,आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी और महासचिव एलेसेंड्रो निकोत्रा डि सैन जियाकोमो ने मनु को उनकी नियुक्ति पर बधाई दी। उनका चुनाव दो बड़े कॉम्पिटिशन के दौरान सक्रिय अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजों के बीच हुई ऑनलाइन वोटिंग के बाद हुआ। वोटिंग काहिरा में आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 300मी राइफल और दोहा में आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल/शॉटगन के दौरान हुई। मनु उन छह एथलीट्स में से एक थीं जिन्हें 20 सदस्यीय फेडरेशन के 22 उम्मीदरों में से राइफल, पिस्टल और शॉटगन में कमेटी के लिए चुना गया था। हर डिसिप्लिन से दो रिप्रेजेंटेटिव उनके साथी कॉम्पिटिटर ने चुने। आईएसएसएफ एग्जीक्यूटिव कमेटी अब पैनल को पूरा करने के लिए बाकी मेंबर को नॉमिनेट करेगी। कमेटी का सदस्य चुने जाने पर मनु भाकर ने कहा, एथलीट कमेटी के सदस्यों के तौर पर चुने जाने पर गर्व महसूस कर रही हूं, और अपने साथी शूटर्स के भरोसे के लिए सच में शुक्रगुजार हूं। हर दिन फायरिंग लाइन पर रहना दिखाता है कि एथलीट्स को क्या चाहिए-साफ नियमों और शेड्यूल से लेकर मजबूत सपोर्ट सिस्टम तक।

वर्ल्ड नंबर 1 कार्लसन सेमीफाइनल से बाहर

बुडापेस्ट (वार्ता) वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने शुरुआती ब्लिट्ज़ इवेंट में बिना कोई मैच हारे टॉप किया, लेकिन इसके बाद हुए ग्रुप स्टेज में वे एक भी गेम नहीं जीत सके। इस वजह से, बुडापेस्ट में आयोजित पहले टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप टूर पायलट के सेमीफाइनल में वे जगह नहीं बना पाए। नॉर्वे के इस ग्रैंडमास्टर ने 10 नवंबर को हुए शुरुआती ब्लिट्ज़ इवेंट में पांच जीत और चार ड्रॉ के साथ पहला स्थान हासिल किया था। लेकिन इसके बाद हुए फास्ट क्लासिक ग्रुप स्टेज में, उन्होंने नौ ड्रॉ खेले और एक मैच हारे। इस तरह वे 9 अंकों के साथ ग्रुप सी में पांचवें स्थान पर रहे। हर ग्रुप के केवल विजेता ही चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे, जिससे कार्लसन ओवरऑल खिताब की दौड़ से बाहर हो गए। हालांकि, वे अभी भी प्लेसमेंट नॉकआउट स्टेज में हिस्सा लेंगे।

आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन पर गुरनूर बरार को लगी फटकार

दुबई (वार्ता)

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने भारत के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को माउंट माउंगानुई में न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई है। बरार को आईसीसी प्लेयर्स और प्लेयर सपोर्ट स्टाफ़ के लिए आईसीसी आचार संहिता आर्टिकल 2.5 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो च्अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी बल्लेबाज के आउट होने पर ऐसी भाषा, हरकतें या इशारे करना जिससे उसका अपमान हो या जिससे वह आक्रामक रिएक्शन दे सके से जुड़ा है। इसके अलावा, बरार के डिसिप्लिनरी रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया है, उनके लिए यह 24 महीने के समय में दूसरी गलती थी, जिससे उनके कुल डिमेरिट पॉइंट दो हो गए। यह घटना शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे के 12वें ओवर के आखिर में टिम सीफ़र्ट के आउट होने



के बाद हुई। बरार ने आक्रामक तरीके से जश्न मनाया, जिसे बैटर को नीचा दिखाने वाला माना जा सकता था, जिससे शायद बैटर भी उतना ही आक्रामक रिएक्शन दे सकता था। बरार ने गलती मान ली और एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ़ मैच रेफरी के रंजन मदुगले की सज़ा भी मान ली, इसलिए फॉर्मल सुनवाई की कोई ज़रूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर क्रिस ब्राउन और कुमार धर्मसेना, थर्ड अंपायर पॉल रीफेल और फोर्थ अंपायर वेन नाइट्स ने चार्ज लगाया। लेवल 1 के उल्लंघन में कम से कम आधिकारिक फटकार, ज़्यादा से ज़्यादा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमेरिट पॉइंट मिलते हैं।

शेयर बाजारों में दूसरे दिन भी जारी रही तेजी

बैंकिंग और लार्ज कैप शेयरों की ओर निवेशकों का झुकाव

मुंबई (वार्ता)

रुपये की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के रुख के बीच स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को चुनिंदा खरीदारी के बीच प्रमुख शेयर सूचकांकों में लगातार दूसरे दिन सुधार जारी रहा। सावधानी भरे कारोबारी वातावरण के बीच बैंकिंग, वित्तीय सेवा और वास्तविक अर्थव्यवस्था की प्रमुख कंपनियों के शेयरों में निवेशकों का समर्थन था जबकि सूचना प्रौद्योगिकी के शेयरों में रुख मिला जुला था। बीएसई का 30 प्रमुख शेयरों वाला सेंसेक्स 427.40 अंक (0.52 प्रतिशत) सुधर कर 82,532.19 अंक पर बंद हुआ। कल बाजार 82,104.79 बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स 82,150.62 पर खुलने के बाद ऊपर 82,897.49 और नीचे 82,091.90 अंक तक गया था। सेंसेक्स के 18 शेयर लाभ और 12 हानि में रहे। लाभ में रहे प्रमुख शेयरों में एक्सिस बैंक 2.08 प्रतिशत , रिलायंस 2.01, एसबीआई 1.74 , टीसीएस 1.67, अडाणी पोर्ट 1.56 और महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.49 प्रतिशत लाभ में बंद हुआ। एशियन पेंट्स , इंडिगो, बजाज फिनसर्व, इटर्नल, आईसीआईसीआई बैंक , कोटक बैंक , सन फार्मा, मारुति और अल्ट्रा टेक सीमेंट जैसे शेयर शामिल है। गिरावट में रहे प्रमुख शेयरों में एचसीएल टेक 1.95 प्रतिशत गिरा जबकि पावर ग्रिड 1.53 , टेक महिंद्रा 1.43 , इन्फोसिस 1.20, और आईटीसी 0.61 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ। ट्रेंट, टाटा स्टील, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, टाइटन , बीईएल



और भारतीय एयरटेल जैसे प्रमुख शेयर भी गिरावट में बंद हुए। बीएसई बैंकेक्स 1.18 प्रतिशत लाभ में रहा जबकि बीएसई आईटी सूचकांक में 0.63 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी कल की तुलना में 96.30 (0.38 प्रतिशत) बढ़ कर 25,387.40 पर बंद हुआ। निफ्टी 25,277.30 पर खुल कर ऊपर में 25,501.35 और नीचे में 25,267.30 तक गया। पीएच कैपिटल के मुख्य व्यवसाय अधिकारी (एडवाइजरी एवं डीलिंग) विक्रम कसात ने एक संक्षिप्त टिप्पणी में कहा, च्भारतीय शेयर बाजार में आई रिकवरी यह संकेत देती है कि घरेलू निवेशकों का भरोसा और बाजार की अंतर्निहित मजबूती अभी भी बरकरार है। बैंकिंग, रियल्टी और चुनिंदा साइक्लिकल शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है। हालांकि, मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों का अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन दर्शाता है कि निवेशक अभी व्यापक स्तर पर जोखिम लेने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड के 92 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने और डॉलर के मुकाबले रुपये की मजबूती से व्यापक आर्थिक मोर्चे पर कुछ राहत हुई है। ये दोनों कारक भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था आयातित ऊर्जा पर काफी हद तक निर्भर करती है। इस बीच आज सोने की कीमत लगभग 1,34,423 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 1,69,710 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास बनी रहीं। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कीमती धातुओं की मांग बनी हुई है। सोमवार 16 नवंबर को विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से 4,865 करोड़ रुपये की खरीदारी बाजार के लिए उत्साहजनक संकेत है। हालांकि, बाजार की तेजी को बनाए रखने के लिए संस्थागत निवेशकों की लगातार भागीदारी महत्वपूर्ण होगी। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के अनुसंधान प्रमुख एवं विश्लेषक विनोद नायर ने कहा, वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में तेजी दर्ज की गई। विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने भारत की तुलनात्मक व्यापक आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान की। बाजार में विदेशी निवेशक लगातार शुद्ध खरीदार बने हुए हैं और उनका झुकाव मुख्य रूप से लार्जकैप शेयरों की ओर रहा। बैंकिंग शेयरों में मजबूत खरीदारी देखने को मिली, जिसके चलते बैंकिंग इंडेक्स ने नया उच्च स्तर छुआ। ऑटोमोबाइल और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में भी बढ़त दर्ज की गई। इसके विपरीत, वैश्विक स्तर पर महंगे एआई से जुड़े निवेशों में मुनाफावसूली के कारण आईटी सेक्टर का प्रदर्शन कमजोर रहा। वहीं, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी सीमित गतिविधियां देखने को मिलीं।

डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे मजबूत



मुंबई, (वार्ता)। अंतर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में 25 पैसे की मजबूती दर्ज की गयी और बाजार बंद होने के समय विनिमय दर प्रति डॉलर 94.19 रुपये थी। बाजार खुलने के समय डॉलर 94.22 रुपये के भाव पर था और कारोबार के दौरान 94.255 रुपये तक चढ़ गया था। बाद में रुपये में मजबूती आने लगी और रुपये की विनिमय दर मजबूत हो कर 93.91 रुपये प्रति डॉलर तक पहुंच गयी थी। बाजार बंद होने के समय डॉलर 94.19 के भाव पर चल रहा था जो पिछले बंद की तुलना में रुपये में 25 रुपये की मजबूती दर्शाता है। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष एवं जिंस एवं फारेक्स विश्लेषक जतीन त्रिवेदी ने कहा कि रुपये को हाल के सप्ताहों में देश में 50,000 करोड़ रुपये से अधिक के मजबूत विदेशी संस्थागत निवेश से समर्थन मिला है। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय खनिज तेल और जिंस बाजार की कीमतों में नरमी ने भी घरेलू मुद्रा को मजबूती प्रदान की है, क्योंकि इससे आयात बिल बढ़ने की चिंताएं कम हुई हैं। श्री त्रिवेदी की राय में आगे भी रुपये में सकारात्मक रुझान जारी रहने की संभावना है। वित्तीय बाजारों में कर से संबंधित संभावित बदलावों से विदेशी निवेशकों का निवेश और बढ़ सकता है, जिससे रुपये को अतिरिक्त समर्थन मिलने की उम्मीद है। हालांकि, उनकी राय में डॉलर की चाल और वैश्विक जोखिम लेने की धारणा ऐसे महत्वपूर्ण कारक होंगे, जिन पर आगे भी नजर रखनी होगी। उनका अनुमान है कि निकट भविष्य में डॉलर- रुपया विनिमय दर 93.50 से 94.25 के दायरे में रह सकती है। इस बीच प्रमुख मुद्राओं के समूह के साथ डॉलर की घट-बढ़ का संकेत देने वाला डॉलर इंडेक्स यह समाचार लिखे जाने के समय 0.15 प्रतिशत मजबूत हो कर 103.473 पर चल रहा था।

मलाबार ग्रुप के स्थापना दिवस पर चला स्वच्छता अभियान



जबलपुर। मलाबार ग्रुप के 34वें स्थापना दिवस के अवसर पर देशव्यापी स्वच्छता अभियान के अंतर्गत मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के जबलपुर शोरूम द्वारा ग्वारीघाट स्थित उमाघाट पर स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नगर निगम एवं स्थानीय निकायों के सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम. पी. अहमद ने कहा, कंपनी अपने व्यावसायिक कार्यों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी, सामाजिक प्रतिबद्धता, पारदर्शिता और नैतिक सुशासन को शामिल करते हुए श्वस्त्र सिद्धांतों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में अपने प्रयासों के तहत ग्रुप का लक्ष्य अगले एक वर्ष में पूरे भारत में लगभग 1 लाख पेड़ लगाना है।

दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में तेजी

नयी दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली थोक जिंस बाजार में सोमवार को चावल, गेहूं और आटा के भावों में गिरावट रही जबकि विदेशों में गिरावट के विपरीत स्थानीय बाजार में तेल सरसों को छोड़ कर प्रमुख खाद्य तेलों में तेजी बनी रही। दालों में मिला जुला रुख रहा जबकि खाद्य तेल तथा गुड़ चीनी में मिला जुला रुख दिखा। विदेशों में पाम और सोया वादा बाजार में नरमी जारी थी। खाद्य तेलों में तेजी सप्ताह के दूसरे दिन भी बरकरार रही। सरसों को छोड़ सभी प्रमुख खाद्य तेलों के भाव चढ़े हुए थे। तेल मूंगफली हल्की तेजी के साथ कल की तुलना में प्रति क्विंटल 9 रुपये महंगा बिका। वनस्पति 39 और सोया तेल 37 रुपये तेज रहा।

आईसीआईसीआई लाइफ सिग्नेचर पेंशन में संपत्ति सृजन और करमुक्त विरासत की सुविधा

मुंबई।

आईसीआईसीआई लाइफ सिग्नेचर पेंशन लोगों को बाजार संबद्ध रिटर्न के जरिए संपत्ति सृजन और कर-मुक्त विरासत तैयार करने की योजना बनाने का विकल्प प्रदान करता है। इसमें 90 साल की उम्र तक निवेश बनाए रखने के विकल्प है, जिससे ग्राहक40 की उम्र में भी इस प्लान को शुरू कर सकते हैं और लंबे समय तक निवेश बनाए रखकर चक्रवृद्धि का लाभ उठा सकते हैं। आईसीआईसीआईलाइफ इंश्योरेंस के मुख्य उत्पाद अधिकारी विकास गुप्ता ने इस उत्पाद के बारे में कहा, सेवानिवृत्ति और विरासत की योजनाएँ एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं। हालाँकि, ऐसी वित्तीय योजनाएँ जटिल हो सकती हैं और इनमें कर से जुड़े विभिन्न पहलू भी शामिल हो सकते हैं। आईसीआईसीआई लाइफ सिग्नेचर पेंशन को इस तरह तैयार किया गया है कि यह इन दोनों समस्याओं को हल करता है। यह उत्पाद ग्राहकों को कई तरह के फंड विकल्पों के साथ मार्केट-लिंक्ड कोष तैयार में मदद करता है। सेवानिवृत्ति के समय, कुल फंड का 60 प्रतिशत तक हिस्सा कर-मुक्त निकाला जा सकता है, जिसे अगली पीढ़ी को विरासत के रूप में दिया जा सकता है। बाकी बची हुई राशि का इस्तेमाल एन्युटी उत्पाद खरीदने के लिए किया जा सकता है, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद आजीवन सुनिश्चित आय मिलती है। उन्होंने कहा, आईसीआईसीआईलाइफ सिग्नेचर पेंशन में ग्राहकों को मृत्यु लाभ भी मिलता है, जो कुल जमा प्रीमियम का 105 प्रतिशत या कोष मूल्य, इनमें से जो भी अधिक हो, उसके बराबर होता है। इसलिए, यदि दुर्भाग्य से पॉलिसीधारक की मृत्यु हो जाती है, तो नॉमिनी को यह मृत्यु लाभ मिल जाता है। यदि पॉलिसी जॉइंट लाइफ के आधार आधार पर ली गई है, तो मुख्य पॉलिसीधारक की मृत्यु होने पर प्रीमियम माफ हो जाता है, जिससे दूसरे पॉलिसीधारक के लिए पॉलिसी जारी रहती है। ऐसे मामलों में, दूसरे पॉलिसीधारक की मृत्यु होने पर नॉमिनी को मृत्यु लाभ का भुगतान किया जाता है। इस तरह, पॉलिसी से मिलने वाली राशि विरासत बन सकती है। इससे ग्राहकों को इक्विटी बाज़ार में 100 प्रतिशत तक निवेश करने और कई तरह के फंड विकल्पों में से चुनने का विकल्प मिलता है, जिससे वे विशाल पूँजी तैयार कर सकते हैं।

पंचकोशी मार्ग के सभी पड़ाव पर्यटक ग्राम घोषित होंगे : डॉ. मोहन यादव

उज्जैन जिले के बोरेश्वर-दंगवाड़ा, गजनी खेड़ी और रुणीजा ग्राम को भी पर्यटन से जोड़ेंगे

होटल व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए उज्जैन में सिंगल विंडो केंद्र बनेगा



भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आगामी सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर उज्जैन में पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए समुचित आवास व्यवस्था के लिए व्यवसाईयों से होटल, टेन्ट सीटी बनाने का आहवान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यवसाई आगे आकर उज्जैन आगामी सिंहस्थ की आवश्यकताओं को देखते हुए होटल बनाएं। पर्यटन विकास निगम इसके लिए 30 प्रतिशत तक अनुदान देगा। उन्होंने होमस्टे भी बढ़ाने के लिए निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि पंचकोशी मार्ग के 118 किमी लंबे रास्ते पर आने वाले सभी पड़ावों को पर्यटक ग्राम घोषित किया जाएगा और उनका विकास किया जाएगा। उन्होंने उज्जैन जिले के दंगवाड़ा, रुणीजा और गजनी खेड़ी जैसे अन्य ग्रामों को भी ग्रामीण पर्यटन से जोड़ने के कहां।

होटल व्यवसाईयों से वन-टू-वन परिचर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज उज्जैन के निजी होटल में उज्जैन और इंदौर के बड़े होटल व्यवसाईयों से वन-टू-वन परिचर्चा की तथा उन्हें उज्जैन में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने होटल व्यवसाईयों के प्रश्नों का समाधान करते हुए कहा कि अब उज्जैन में होटल व्यवसाय से जुड़ी हुई समस्त एनओसी प्राप्त करने के लिए एक स्पेशल सेल बनाया जाएगा। जिससे सिंगल विंडो जैसा सिस्टम तैयार करके सभी अनुमतियाँ एक ही स्थान पर दी जाएगी। सिंहस्थ निकट है और इस कार्य में किसी भी तरह का विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

30 से 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ के लिए अधोसंरचना विकास कार्य पूर्णता की ओर बढ़ रहा है। लेकिन अभी भी 30 से 40 करोड़ श्रद्धालुओं के यहां ठहरने और अन्य प्रबंधन की व्यवस्था पर विचार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस भव्य आयोजन में समाज को भी आगे आकर सहयोग करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि होटल्स के कमरों की संख्या 2016 में जहाँ 570 थी, वहीं यह संख्या 2028 तक 16,500 हो जाएगी। इनकी संख्या भी बढ़ाने की आवश्यकता लग रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ में 30 से 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

2027 के बाद लोगों को एक नया उज्जैन दिखाई पड़ेगा

कार्यक्रम के प्रारंभ में उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी ने कहां की मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विजन से ही उज्जैन में चहुँमुखी विकास हो रहा है। श्रद्धालुओं के स्नान के लिए लगभग 30 किलोमीटर के घाट निर्मित हो रहे हैं। सिलार खेड़ी योजना से शिप्रा के जल से सिंहस्थ में स्नान करने की योजना फलीभूत हुई है। उन्होंने कहा 2027 के बाद लोगों को एक नया उज्जैन दिखाई पड़ेगा। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद उमेश नाथ जी महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी, महापौर मुकेश टटवाल, मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ठाकुर, सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल,संजय अग्रवाल, राजेश धाकड़, रवि वर्मा, अमित श्रीवास्तव, विजय खंडेलवाल मौजूद थे।

सुनार नदी में गंदे नाले का पानी मिलने से बढ़ा प्रदूषण

सुरई और घुराघाट पर गंदगी का अंबार

हटा (स्वतंत्र मत)।

हटा नगर की जीवनदायिनी सुनार नदी इन दिनों प्रदूषण और गंदगी की समस्या से जूझ रही है। नदी का जलस्तर कम होने के कारण गंदे नाले का पानी नदी में अधिक मात्रा में जमा हो रहा है जिससे नदी का पानी प्रदूषित होकर अनुपयोगी होता जा रहा है। स्थिति यह है कि नदी का पानी अब लोगों के नहाने, मुंह-हाथ धोने तक के उपयोग के लायक नहीं रह गया है। वहीं, प्रतिमा विसर्जन और पूजन सामग्री के विसर्जन के चलते नदी के विभिन्न घाटों पर गंदगी जमा हो गई है। विशेष रूप से सुरई घाट और घुराघाट की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। यहां घाटों पर गंदगी का अंबार लगा है और नदी के पानी की सतह पर हरी परत दिखाई देने लगी है। घाटों पर इतनी गंदगी है कि लोगों को खड़े होने तक में परेशानी हो रही है। नगरवासियों का कहना है कि सुनार नदी हटा की जीवनरेखा है और धार्मिक, सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ दैनिक उपयोग में भी इसका महत्वपूर्ण स्थान रहा है। इसके बावजूद गंदे नाले का पानी सीधे नदी में मिलने और घाटों की नियमित सफाई नहीं होने से नदी की स्थिति लगातार खराब हो रही है। नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए गंदे नाले पर बोरी बांध बनाकर दूषित पानी के प्रवाह को नियंत्रित करने तथा सुरई घाटए घुराघाट सहित अन्य घाटों की तत्काल सफाई कराए जाने की आवश्यकता है ताकि नदी का पानी और घाट फिर से उपयोग के योग्य हो सकें। सीएमओ ने दिया सफाई और बोरी बांध बनवाने का आश्वासन इस संबंध में नगर पालिका सीएमओ राजेंद्र खरे ने बताया कि सफाई कर्मचारियों को भेजकर नदी के घाटों की सफाई कराई जाएगी। साथ ही गंदे नाले पर बोरी बांध भी बनवाए जाएंगे जिससे नदी की स्थिति में सुधार हो सके।





पुलिस प्रशासन को सूचना देकर किया था सांसद बंगला के बाहर पुतला दहन : नितिन मिश्रा

दमोह (स्वतंत्र मत)। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा द्वारा हमारे अन्नदाताओं के खिलाफ नशेड़ी, गंजेडी जैसे अमर्यादित शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया गया था, जिससे हम सभी कांग्रेस परिवार एवं किसानों की भावनाओं को ठेस पहुंची थी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार किसान कांग्रेस एवं जिला कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता दिनांक 15.11.2026 को दोपहर 2:30 बजे दमोह सांसद राहुल सिंह के कार्यालय के सामने शांतिपूर्ण तरीके से रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा का पुतला दहन करने पहुंचे थे। जिसकी पूर्व सूचना हमारे द्वारा श्रीमान डिप्टी कलेक्टर, अति. पुलिस अधीक्षक एच आर पांडेय व दमोह कोतवाली टीआई मनीष कुमार एवं तहसीलदार महोदय दमोह को दी गई थी। सूचना के आधार पर ही कार्यक्रम स्थल पर पुलिस बल एवं फायर ब्रिगेड पूर्व से ही मौजूद था। यदि सरकार के मंत्री या सांसद किसी भी प्रकार के अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल कर किसी का अपमान करती हैं, तो लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व है कि वह गांधीवादी तरीके से अपना विरोध प्रदर्शन करे। दमोह सांसद राहुल सिंह द्वारा सत्यता की जांच किये बिना सोशल मीडिया के माध्यम से कहा गया कि कांग्रेस के लोगो से मैं कहना चाहता हूँ कि आप एक सप्ताह पहले से बताकर आईये तुम लोगो मे कितना दम है।

वेदी प्रतिष्ठा, कलशारोहण एवं विश्व शांति महायज्ञ संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)।

नगर के प्राचीनतम जिनालय देव पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में भव्य वेदी प्रतिष्ठा, कलशारोहण एवं विश्व शांति महायज्ञ महोत्सव भक्ति मय उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर के शिखर पर कलशारोहण के दौरान श्रावकजनों के बीच उत्साह का माहौल देखने को मिला। दमोह नगर के सबसे प्राचीन जिनालय देव पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर एवं आचार्यश्री समयसागर के मंगल आशीर्वाद एवं निर्यापक श्रमण मुनिश्री सुधासागर की पावन प्रेरणा से आयोजित वेदी प्रतिष्ठा, स्वर्ण कलशारोहण एवं विश्व शांति महायज्ञ महोत्सव का अत्यंत भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर नवीन एवं अत्यंत मनोहारी वेदी में भगवान आदिनाथ, भरत स्वामी एवं बाहुबली स्वामी की दिव्य एवं मनोहारी प्रतिमाओं को विधिविधान से विराजमान किया गया महोत्सव के अंतर्गत चार दिनों तक धार्मिक एवं मांगलिक अनुष्ठान संपन्न हुए।



प्रथम दिवस महोत्सव का शुभारंभ प्रात:काल बैंड-बाजों और जयकारों के साथ निकाली गई भव्य घटयात्रा से हुआ। इसके पश्चात मंदिर परिसर में विधिवत ध्वजारोहण किया गया और मांगलिक क्रियाओं के लिए सौभाग्य शाली पात्रों का चयन हुआ। संध्याकाल में भव्य महाआरती का आयोजन किया गया।

19 एवं 20 नवंबर को मनाया जाएगा संत शिरोमणि नामदेव महाराज का 656वां जयंती महोत्सव

दमोह (स्वतंत्र मत)। संत शिरोमणि नामदेव महाराज की 656वीं जयंती के अवसर पर आदर्श नामदेव सेवा समिति एवं नामदेव समाज दमोह के तत्वावधान में दो दिवसीय जयंती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। नामदेव समाज जिलाध्यक्ष राजकुमार नामदेव ने बताया कि आयोजन के प्रथम दिन 19 नवंबर को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक बेलाताल टापू स्थित श्री शिव साईं मंदिर प्रांगण में संत नामदेव महाराज का पूजन एवं दीप प्रज्वलन किया जाएगा। इसके पश्चात सामाजिक सहभोज आयोजित होगा। कार्यक्रम में ग्वाल टोली द्वारा पारंपरिक दिवारी नृत्य एवं ढिमरियाई की प्रस्तुति भी दी जाएगी। वहीं दूसरे दिन 20 नवंबर को सुबह 9 बजे से बेलाताल टापू स्थित संत नामदेव मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस अवसर पर स्वर्गीय श्रीमती सुशीला देवी नामदेव इलाहाबाद वाले के परिवार द्वारा हवन, पूजन, महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि संत शिरोमणि नामदेव महाराज की जयंती समाज की एकता, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का अवसर है। इस आयोजन के माध्यम से सामाजिक समरसता एवं आपसी भाईचारे का संदेश दिया जाएगा।

आधा गिलास पानी अभियान में झाबुआ के शारदा समूह ने रचा इतिहास

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम



झाबुआ। जनजातीय नायक, स्वतंत्रता सेनानी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के जल, जंगल, जमीन हमारा है, हम ही इसकी रक्षा करेंगे! के अमर संदेश को चरितार्थ करते हुए उनकी पावन धरा झाबुआ के शारदा समूह ने सोमवार को जल संरक्षण के क्षेत्र में एक नया विश्व इतिहास रच दिया है। कार्तिक शुक्ल पक्ष सप्तमी, विक्रम संवत् 2083 (युगाब्द संवत् 5128) के पावन अवसर पर शारदा समूह, झाबुआ एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में केशव इंटरनेशनल स्कूल, बाडकुआँ प्रांगण में "आधा गिलास पानी - जल संरक्षण अभियान' का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन संपन्न हुआ। पानी की बर्बादी रोकने, विद्यार्थियों में जल संरक्षण की जिम्मेदारी विकसित करने, परिवार और समाज में जागरूकता बढ़ाने तथा आवश्यकता अनुसार पानी लेने की आदत बनाने के मुख्य उद्देश्यों को लेकर आयोजित इस अनूठे कार्यक्रम में हज़ारों प्रतिभागियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने एक साथ सामूहिक जल शपथ लेकर अपना नाम 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज कराया। इस ऐतिहासिक आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश की महिला एवं बाल विकास कैबिनेट मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, रतलाम-झाबुआ-अलीराजपुर सांसद श्रीमती अनिता नागर सिंह चौहान, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी, दाहोद विधायक कन्हैया किशोरी शिवगंगा झाबुआ के राजाराम कटारा, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के एशिया हेड मनीष विश्नोई, बुंदेलखंड में वाटर मैन के नाम से प्रसिद्ध रामबाबू तिवारी, झाबुआ कलेक्टर डॉ. योगेश भरसट तथा पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार विशेष रूप से उपस्थित रहे। मंचासीन विशिष्ट अतिथियों द्वारा देश की विभिन्न पवित्र नदियों से लाए गए जल का एक कलश में संगम कर जल संरक्षण और राष्ट्रीय एकात्मता का संदेश दिया गया। इसके उपरांत आयोजक संस्थाओं के पदाधिकारियों द्वारा सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। स्वागत की इसी कड़ी में ओम प्रकाश शर्मा ने कार्यक्रम की विस्तृत प्रस्तावना प्रस्तुत की। उन्होंने अभियान के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शारदा समूह द्वारा आधा गिलास पानी अभियान वर्ष 2012 से निरंतर चलाया जा रहा है, जिसे अब व्यापक सामाजिक स्तर तक ले जाने की यह एक बड़ी मुहिम है।

उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में अक्सर हम पूरा गिलास पानी लेते हैं और आधा पीकर शेष फेंक देते हैं, जिससे प्रतिदिन लाखों लीटर स्वच्छ जल व्यर्थ बह जाता है; आवश्यकतानुसार आधा गिलास पानी लेने की यह छोटी-सी आदत आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करेगी। श्री शर्मा जी ने विश्वास व्यक्त किया कि जल संरक्षण का यह अनूठा अभियान केवल झाबुआ तक सीमित नहीं रहेगा, वरन विश्व पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ेगा।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक LIG-1179 श्री शशांक विश्वकर्मा पिता, स्व.श्री वीरेन्द्र विश्वकर्मा के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 22.06.2019 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री शशांक विश्वकर्मा पिता स्व.श्री वीरेन्द्र विश्वकर्मा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 17.10.2019 के माध्यम से श्रीमति लालिमा खरे पिता स्व.श्री लीलाधर खरे को विक्रय किया है। अतः श्रीमति लालिमा खरे पिता स्व. श्री लीलाधर खरे द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर जबलपुर में भवन क्रमांक LIG-168 श्रीमती अंजु पति श्री सुरेश के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 21.06.2016 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन के आवंटी श्रीमती अंजू की मृत्यु दिनांक 16.12.2024 को हो गयी है। उनकी पुत्री श्रीमती पूनम कुड़े पति श्री अजय कुड़े के द्वारा उक्त संपत्ति अपने नाम करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र संलग्न दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किये हैं, प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त संपत्ति का लीज हस्तांतरण/नामांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण बावत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित हाथीताल कालोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक MIG-29 श्री होशियार सिंह पिता श्री सरदार हुकूमत सिंह को आंवटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 09. 02.2010 को निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री होशियार सिंह का निधन दिनांक 19.06.2021 को हो गया है। उनकी पत्नि श्रीमती मनजीत कौर पति स्व. श्री होशियार सिंह के द्वारा नामांतरण करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र, स्वयं का शपथपत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर स्थित भूखण्ड क्रमांक - 664 श्री दिनेश कुमार पाठक पिता श्री गिरजा शंकर पाठक को आंवटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 11.01.1989 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री दिनेश कुमार पाठक पिता श्री गिरजा शंकर पाठक की मृत्यु दिनांक 29.10.2022 को हो गई है। उक्त भवन के पंजीकृत विक्रय विलेख में श्रीमति साधना पाठक पति स्व.श्री दिनेश कुमार पाठक को नॉमिनी नियुक्त किया था। अतः उनकी पत्नी श्रीमति साधना पाठक पति स्व.श्री दिनेश कुमार पाठक ने उक्त संपत्ति को नॉमिनेशन के आधार पर लीज नामांतरण स्वयं के नाम से करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शपथपत्र अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाईन आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये है। उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति / वैध उत्तराधिकारी/संस्था को उक्त भूखण्ड नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि व्यतीत होने के पश्चात् लीज नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

मंडी प्रबंधन की लापरवाही और व्यापारियों की मनमानी से किसान परेशान

बिना कांटों की जांच के हो रही तुलाई, फसलों की कम बोली और भुगतान में देरी से किसानों की बढ़ रही मुश्किलें

पथरिया (स्वतंत्र मत)। पथरिया कृषि उपज मंडी में अव्यवस्थाओं और अनियमितताओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंडी प्रबंधन के ढीले रवैये और व्यापारियों की कथित मनमानी के चलते किसान और हम्माल आए दिन परेशानियों का सामना कर रहे हैं। मंडी में किसानों की उपज की तुलाई से लेकर भुगतान तक कई तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं। किसानों की शिकायत है कि तौल कांटों की नियमित जांच और सत्यापन किए बिना ही उनकी उपज की तुलाई कराई जा रही है। वहीं, फसलों की कम बोली लगाने, समय पर तुलाई नहीं कराने और भुगतान में देरी जैसी समस्याएं भी बनी हुई हैं। इतना ही नहीं, मंडी के शेडों में व्यापारियों द्वारा महीनों तक उपज रखे जाने से भी व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। यहां तक कि अब वह टीन शेड मंडी के नहीं व्यापारियों के निजी सेड लगने लगे है। पहले भी मंडी प्रबंधक और एसडीएम इन्हें खाली कराने का निर्देश दे चुके है। परंतु व्यापारियों को उनके निर्देश टस से मस नहीं कर पाए। इन तमाम अनियमितताओं के बावजूद मंडी प्रबंधन की कार्यवाही केवल व्यापारियों को नोटिस जारी करने तक सीमित नजर आती है।



इनका कहना है

आपके द्वारा जानकारी प्राप्त हुई है। मामले को दिखवाता हूं।

निकेश चौरसिया, अनुविभागीय अधिकारी पथरिया

कार्यालय संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक -11
नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/एम/208/26-27/
दिनांक 17.11.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विपिन चौपड़ा पिता स्व. एस.एन. चौपड़ा ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 20 राजुल टाउनशिप फेस 2 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 9000178797 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1354 व.फु. जिस पर निर्मित विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमति तनुश्री सिन्हा पति संदीप सिन्हा का नाम हटाए जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किए जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

OFFICE OF THE MUNICIPAL COUNCIL, KYMORE, DISTT. Katni

N.I.T. No. 609/AUTHORITY/e-tendering/2026 Dated, 16-11-2026

Notice Inviting Tenders

This is for information of all concerned that online bids for the following Content have been invited:

Tender No.	Work	Unit	Probable Amount in Rs.	EMD in Rs	Cost Of Tender Document in Rs.	Completion Period
2026_UAD_549800_1	Implementation, Deployment, Expansion, Citizen Onboarding, Performance Reporting, Manpower Services And Operational Scaling of Swachh Nagar App Digital Urban Governance Platform	1	19,90,000 (INC. GST)	14,925 (Fourteen Thousand Nine Hundred Twenty Five Rupees Only)	2,000/- (Excl. GST)	13 Months (comprising Implementation & O&M Period)

1. Interested bidders can view the detailed NIT & Other document on website https://mptenders.gov.in/ (Department Name: "Urban Administration & Development Department").
2. The Bid Document can be purchased only online from 17-11-2026 time 17:30 TO 19-12-2026 time 17:30
3. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

AP

Chief Municipal Officer Municipal Council KYMORE (M.P.)

आमजनों से मिले कलेक्टर, सुनी उनकी समस्याएं



जनसुनवाई में पहुंचे 180 आवेदन, दिए निराकरण के निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में पहुंचे आमजन की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 180 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 62 दोबारा आए आवेदन शामिल हैं। जनसुनवाई में आए आवेदनों में नामांतरणए सीमांकनए कब्जाए बिजली बिलए छात्रवृत्तिए आपसी विवाद, बीपीएल कार्ड, मृत्यु प्रमाण पत्र, रकबा सुधारने, जाति प्रमाण पत्र, छात्रावास में प्रवेश, मकान से बेदखल करने, मृत्यु सहायता राशि, गलत एफआईआर, यातायात व्यवस्था व्यवस्थित करने तथा आधार कार्ड नहीं मिलने सहित विभिन्न व्यक्तिगत समस्याओं से संबंधित आवेदन शामिल थे।

औद्योगिक संस्थानों तक पहुंचाए गई श्रम संहिताओं की जानकारी



विशेषज्ञों ने बताए चार नए श्रम कानूनों के महत्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार और मप्र शासन के संयुक्त तत्वावधान में केंद्र सरकार द्वारा लागू की जा रही नई श्रम संहिताओं की जानकारी औद्योगिक संस्थानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से मंगलवार को कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने नए श्रम कानूनों के प्रावधानों, उनके क्रियान्वयन और श्रमिकों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार की निदेशक रिचा शर्मा, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त नई दिल्ली अभिषेक कंवर, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त केसी जोशी तथा कल्याण आयुक्त नवीन वैद्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चारों नई श्रम संहिताओं के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी।

5.39 लाख मीट्रिक टन चावल की हेराफेरी 2 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप

एथेनॉल उत्पादन के लिए भेजे गए चावल का मामला, उठी जांच की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र में एथेनॉल उत्पादन के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) द्वारा उपलब्ध कराए गए चावल की आपूर्ति में लगभग 2 हजार करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया गया है। दरअसल नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच का दावा है कि एथेनॉल प्लांटों के लिए आवंटित 5.39 लाख मीट्रिक टन चावल निर्धारित स्थान तक पहुंचाने के बजाय कथित रूप से राइस मिलर्स को बेच दिया गया। इससे एथेनॉल कंपनियों ने भारी मुनाफा कमाया और सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया। उपभोक्ता मंच के अनुसार, प्रदेश में मुरैना, खरगोन, छिंदवाड़ा, बैतूल, ग्वालियर, धार, सतना, बालाघाट, रायसेन, मंदसौर, पांढुर्णा, बड़वानी, नर्मदापुरम, मंडला, शहडोल और हरदा सहित विभिन्न जिलों में 22 एथेनॉल प्लांट स्थापित हैं। इन सभी प्लांटों में चावल आपूर्ति की जांच की मांग की गई है।



एआई

बालाघाट, छिंदवाड़ा में हेराफेरी का आरोप

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच का आरोप है कि बालाघाट और छिंदवाड़ा स्थित एथेनॉल कंपनियों ने चावल प्लांट तक पहुंचाने के बजाय राइस मिलर्स को बेच दिया। इस प्रक्रिया में कंपनियों ने प्रति क्विंटल 200 से 400 रुपये तक का मुनाफा कमाया।

लागत मूल्य से कम दर पर बेचा गया चावल

शिकायत में यह भी कहा गया है कि लगभग 4200 रुपये प्रति क्विंटल लागत वाले चावल को लागत मूल्य से लगभग 40 प्रतिशत कम दर पर बेचा गया, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। इधर मंच ने शासन की ओर से गठित विशेष जांच दल (एसआइटी) की जांच पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि जांच में आपूर्ति किए गए चावल की पूरी मात्रा का सत्यापन नहीं किया गया। बालाघाट और कटनी से एफसीआई द्वारा कई एथेनॉल कंपनियों को चावल जारी करने के बावजूद केवल एवीजे छिंदवाड़ा की कंपनी की जांच की गई, जबकि अन्य कंपनियों की जांच को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

विश्व निमोनिया दिवस पर जिनसार ने चलाया जन-जागरूकता अभियान

रैली निकालकर आमजन को बताए बचाव के तरीके

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस एंड रिसर्च (जिनसार) द्वारा विश्व निमोनिया दिवस के अवसर पर 17 नवम्बर को विक्टोरिया अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, प्राचार्य, के मार्गदर्शन में तथा समन्वयक शिक्षकों प्रियंका गैगोले एवं हेमलता ठाकुर के सहयोग से किया गया।



समय पर जांच एवं उचित उपचार लेने की सलाह

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मरीजों एवं उनके परिजनों को निमोनिया के कारणों, लक्षणों, बचाव एवं उपचार के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियों के माध्यम से निमोनिया के लक्षण जैसे खांसी, बुखार, सीने में दर्द एवं सांस लेने में कठिनाई के बारे में जानकारी दी। साथ ही टीकाकरण, हाथों की स्वच्छता, पौष्टिक आहार, श्वसन स्वच्छता तथा धूम्रपान से बचाव के महत्व को समझाया। विद्यार्थियों ने समय पर जांच एवं उचित उपचार लेने, डॉक्टर की सलाह का पालन करने तथा बच्चों, बुजुर्गों एवं कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्तियों की विशेष देखभाल के बारे में भी बताया। इस कार्यक्रम के माध्यम से मरीजों एवं उनके परिजनों में निमोनिया की रोकथाम और समय पर पहचान के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा नर्सिंग विद्यार्थियों को स्वास्थ्य शिक्षा एवं सामुदायिक जागरूकता का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

2 दिवसीय उर्से शाहे जबलपुर कासिमे नेमत आज से

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। साऊथ मिलौनीगंज स्थित शाहे जबलपुर हज़रत अल्लामा मौलाना मुफ्ती ए आज़म कासिमे नेमत अलैहिर्रहमा के सालाना उर्स मुबारक पर दो दिवसीय आयोजन 18 नवम्बर से आयोजित होने जा रहा है। जिसकी सरपरस्ती व अध्यक्षता हजरत अल्लामा मौलाना मुफ़्ती मोहम्मद इम्तियाजुल क़ादरी कासमी साहब किन्ला मुफ़्ती ए आज़म व क़ाज़ी ए शरआ जिला जबलपुर फरमाएंगे। कार्यक्रम में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक महिलाओं के लिए बाज़ो तकरीर, नातो मनक़बत का आयोजन किया जायेगा। जिसमे मुख्य वक्ता आलेमा फ़ाज़ेला मुफ्तिया मोहम्मदी राहिला फातेमा साहिबा होंगी एवं वक्ता आलेमा फ़ाज़ेला शमा फातेमा साहेबा वाज़ो नसीहत बयान फरमाएंगी। छात्रों को सनद प्रदान कर आलिमा फाज़िला की उपाधि दी जाएगी। इसके उपरांत शाम 7 बजे से पुरषों के लिए कुरआन ख्वानी व फातेहा के बाद ताआम का आयोजन किया जावेगा। रात 10 बजे से महफिले नातो मनकबत होगी, रात 1.58 बजे गुस्ले मज़ारे अक़दस वा कुल शरीफ होगा।

अब रविवार को भी खुलेगा डाकघर का आधार केंद्र

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आम जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए डाक विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रधान डाकघर जबलपुर में रविवार को भी आधार केंद्र संचालित करने का फैसला लिया गया है। प्रवर अधीक्षक डाकघर द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि आम नागरिकों की सुविधा एवं आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए प्रधान डाकघर जबलपुर में आधार केंद्र रविवार: प्रात: 10 बजे से शाम बजे तक खुला रहेगा। अन्य दिवस आधार केंद्र प्रात: 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक खुला रहेगा। इस दौरान नागरिकों के आधार कार्ड से संबंधित अपडेशन का कार्य किया जाएगा। इस सुविधा के प्रारंभ होने से नौकरीपेशा एवं व्यस्त नागरिकों को भी रविवार के दिन आधार संबंधी कार्य कराने में काफी सुविधा मिलेगी। डाक विभाग की इस पहल से आमजन को बड़ी राहत मिलेगी।

ऑवला सखी उत्सव का आयोजन आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कार्तिक मास के अवसर पर ईश्वर दास रोहाणी वार्ड क्रं-79 पिपरिया अन्तर्गत त्रिफला उद्यान विज्ञान शाला (थाना खमरिया के सामने) में ऑवला सखी उत्सव का आयोजन 18 नवंबर को प्रात: 11 बजे से दोपहर 03 तक किया जाएगा। कार्यक्रम में एक ही स्थान पर 51 ऑवला पौधों का दर्शन, पूजन, ऑवले के औषधियां उपयोग की जानकारी एवं अन्य विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से इस सखी उत्सव में पहुंचने की अपील की है।

संविधान रक्षा मार्च की तैयारियों को लेकर कांग्रेस की बैठक सम्पन्न



जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आगामी 26 नवंबर को भोपाल में मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित होने वाले भव्य संविधान रक्षा मार्च की तैयारियों को लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिला कांग्रेस कमेटी जबलपुर ग्रामीण के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक संजय यादव की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, समस्त ब्लॉक अध्यक्ष एवं बरगी विधानसभा क्षेत्र के मंडलम अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक में आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करते हुए संगठन के पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में संकल्प लिया गया कि लोकतंत्र, संविधान और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी पूरी मजबूती के साथ संघर्ष करेगी। बैठक में संजय यादव, ब्लाक अध्यक्ष सोनू दुबे, संतोष डहेरिया मुन्नी बाई दुर्जन सिंह, मुकेश पटेल, नेक नारायण सिंह, प्रदीप पटेल आदि उपस्थित रहे।

जबलपुर जिले में तेजी से हो रहे विकास कार्य: राकेश सिंह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिले के सड़क अधोसंरचना विकास को नई दिशा देते हुए प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बरगी एवं केंट विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले महत्वपूर्ण सड़क मार्गों के उन्नयन एवं निर्माण कार्यों के लिए करोड़ों रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था बेहतर होगी तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। मंत्री राकेश सिंह ने बरगी विधायक नीरज सिंह के आग्रह पर बरगी विधानसभा क्षेत्र के दो महत्वपूर्ण सड़क मार्गों के उन्नयन के लिए स्वीकृति प्रदान की है। इनमें झांसीघाट से नीमखेड़ा, कुसमी उमरिया मार्ग के उन्नयन हेतु 15 करोड़ 30 लाख रुपये तथा भमका-खिरकाखेड़ा-सिद्धघाट-कुलोन मार्ग के उन्नयन हेतु 10 करोड़ 86 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति शामिल है। इस प्रकार बरगी विधानसभा क्षेत्र में कुल 26 करोड़ 16 लाख रुपये के सड़क विकास कार्यों को स्वीकृति मिली है। वहीं, केंट विधायक अशोक रोहाणी के आग्रह पर केंट विधानसभा क्षेत्र के महत्वपूर्ण मार्गों के विकास के लिए 7 करोड़ 71 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत डिलाइट टॉकीज से मरियम माता चौक तक व्हाइट टॉपिंग कार्य तथा जीसीएफ तिराहा से महाकौशल चौक, एनसीसी चौक होते हुए एयरपोर्ट तक एवं लोहिया पुल से फील्ड मार्शल आर्मी गेट तक बीटी मार्ग के कार्य शामिल हैं।

विश्व हिंदू परिषद की जिला बैठक गोसलपुर में सम्पन्न

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। विश्व हिंदू परिषद की जिला स्तरीय बैठक प्रखंड गोसलपुर में मोंटी दुबे मनीष साहू एवं अरुण पटेल के नेतृत्व में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई साथ ही हित चिंतक अभियान तथा संगठन को डिजिटल माध्यम से और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे डिजिटल कार्यकर्ता जोड़ो अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं को अभियान की प्रक्रिया एवं महत्व से अवगत कराया गया

तेजी से करें स्वामित्व योजना में रजिस्ट्री का कार्य: कलेक्टर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री के कार्यों तथा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने स्वामित्व योजना में शत प्रतिशत रजिस्ट्री का लक्ष्य हासिल करने और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का प्राथमिकता से संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने शेष रजिस्ट्री कार्यों में तेजी लाकर निर्धारित लक्ष्य समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण करते समय आवेदकों की संतुष्टि का विशेष ध्यान रखने तथा उनकी समस्याओं का वास्तविक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

सिहोरा जिला की मांग पर बैठक का आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा जिला की मांग को पूरा कराने के लिए आगामी रणनीति के निर्धारण के लिए सभी राजनैतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों सहित सभी सिहोरा वासियों की आवश्यक बैठक बुधवार 18 नवंबर को सिहोरा में आयोजित है। बैठक रात 7 बजे से काल भैरव चौक स्थित मंदिर में होगी। बैठक का आयोजन लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति द्वारा किया जा रहा है। समिति के अनिल जैन,विकास दुबे, कृष्णकुमार कुररिया, संतोष वर्मा, मानस तिवारी, संतोष पांडे आदि ने सभी से शाम 7 बजे काल भैरव चौक मंदिर पहुंचने की अपील की है।

गोपाष्टमी पर गौ सेवालय में हुआ पूजन-अर्चन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

गोपाष्टमी के अवसर पर पौराणिक गौ सेवालय किवलारी गोसलपुर में गौ माता का विधि-विधान से भव्य पूजन किया गया। सुबह से ही सेवालय परिसर में भक्तों और गौसेवकों की भीड़ उमड़ पड़ी। पूजन की शुरुआत गौ माता के स्नान और श्रृंगार से हुई इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ गौ माता की पूजा-अर्चना की गई गायों को तिलक लगाकर माला पहनाकर गुड़ चना हरा चारा और फल खिलाए गए। इसके बाद गौ माता की भव्य आरती की गई जिसमें पूरा परिसर जय गौ माता के जयकारों से गूंज उठा।



दीपावली मिलन समारोह में बिखरी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

स्वर्णकार सोशल ग्रुप एवं स्वर्णकार महिला संगठन के द्वारा 16 नवंबर को शीतलपुर स्थित अग्रवाल बारात घर में युवक-युवतियों का सामाजिक परिचय सम्मेलन एवं दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ महाराज अजमीढ़ देव की पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम के प्रथम चरण में सामाजिक युवक-युवतियों का परिचय प्रारंभ हुआ जिसमें जबलपुर के अलावा मण्डला, डिण्डौरी, शहपुरा, छतरपुर, पन्ना, दमोह, शहडोल, सागर, कटनी, रायपुर, नागपुर, पाटन, मंझौली, कटंगी, पनागर एवं सिहोरा के अलावा अन्य शहरो से सामाजिक बंधु पधारे और लगभग 150 से 200 युवक-युवतियों ने अपना परिचय दिया। कार्यक्रम में बच्चों एवं महिलाओं ने एक से बढ़कर एक कार्यकम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, कीर्ति अभिलाष पाण्डे, भाजयुमो अध्यक्ष रविन्द्र तिवारी, समाजसेवी विनोद सोनी, शंकर लाल मुनगा वाले, पुरुषोत्तम सराफ, डॉ. पंकज सोनी, सुरेश सराफ आदि उपस्थित रहे।



ब्रेन डेड मरीज के अंगदान से किडनी मरीज को मिला नया जीवन

मेडिकल कॉलेज के सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में हुआ सफल प्रत्यारोपण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मेडिकल कॉलेज के सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल एक महत्वपूर्ण चिकित्सा उपलब्धि दर्ज की है। दरअसल डॉक्टर्स की टीम ने सफल कैडवेरिक किडनी ट्रांसप्लांट कर 4 साल से भी ज्यादा समय से डायलिसिस की असहनीय पीड़ा झेल रहे 33 वर्षीय शहडोल निवासी को नया जीवन प्रदान किया है। बताया जा रहा है कि किडनी प्राप्तकर्ता अत्यंत गरीब आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं और लंबे समय से चल रहे डायलिसिस के कारण वर्षों से गंभीर शारीरिक और आर्थिक कष्ट सह रहे थे। परिवार में किसी भी सदस्य का ब्लड ग्रुप या टिशू मैच न होने के कारण उनके पास कोई जीवित डोनर उपलब्ध नहीं था, ऐसे में कैडवेरिक ट्रांसप्लांट ही उनके जीवन की एकमात्र उम्मीद थी। इसी बीच विगत दिवस मेट्रो हॉस्पिटल में एक सड़क दुर्घटना के बाद मरीज नरेंद्र कुमार रजक को डॉक्टरों द्वारा ब्रेन डेड घोषित किया गया।



पीड़ा के बीच परिजनों ने दिया साहस का परिचय

अपने प्रियजन को खोने के गहरे सदमे और असहनीय मानसिक पीड़ा से गुजरने के बावजूद, नरेंद्र कुमार रजक के परिजनों ने अत्यंत संवेदनशीलता और साहस का परिचय दिया। परिजनों की सहमति मिलने और सभी आवश्यक शासकीय व चिकित्सकीय अनुमतियां प्राप्त करने के तुरंत बाद, सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल की अनुभवी ट्रांसप्लांट टीम ने पूरी तत्परता दिखाते हुए रात भर काम किया और सुबह 6 बजे तक किडनी प्रत्यारोपण का यह जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। ऑपरेशन के बाद किडनी प्राप्तकर्ता के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हुआ और पूरी तरह स्वस्थ होने पर उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। इस ट्रांसप्लांट में डीन डॉ. नवनीत सक्सेना, डायरेक्टर डॉ. अपर्णा ताम्रकार, एवं अधीक्षक ले. कर्नल डॉ जितेन्द्र गुप्ता का विशेष योगदान एवं मार्गदर्शन रहा है।



हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**